

अब हर रोज दर्पण ▸▸ 3

स्वतंत्र मत

जबलपुर शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, चतुर्थी

वर्ष 32 अंक 134 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

मौसम

अधिकतम तापमान 30.4°C

न्यूनतम तापमान 12.8 °C

सूर्योदय - 6.23 | सूर्यास्त - 5.26

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



शहर में बढ़ते अपराधों पर भारतीय जन ... ▸▸ 4



युवाओं को गुमराह कर रही मसाला फिल्म... ▸▸ 7



संगठन ने जताया विश्वास, जिम्मेदारी का ... ▸▸ 10

ज्वेलरी शोरूम से 12 करोड़ के सोने-हीरे के जेवर चोरी

दीवार में 2 फीट छेद करके नीचे बिछाए पत्ते, गैस कटर से काटी तिजोरी

कटनी ब्यूरो (स्वतंत्र मत)

कटनी के बरगवां में किसना ज्वेलर्स शोरूम की पिछली दीवार तोड़कर बदमाश अंदर घुस गए। करीब 12 करोड़ रुपए के सोने-हीरे के जेवर चोरी कर ले गए। पुलिस को लाल पहाड़ी से ऑक्सीजन सिलेंडर, गैस कटर और पेचकस समेत कई सामान मिले हैं। पुलिस ने सुरक्षा गार्ड भागवत तिवारी को पूछताछ के लिए थाने बुलाया है। चोरों की तलाश में अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। दिवाली के चलते शोरूम में ज्वेलरी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखा था। संचालक के मुताबिक, बदमाशों ने शोरूम की पिछली दीवार में करीब पौने दो फीट का छेद किया था। इसके बाद दीवार के टूटे हिस्से के नीचे पत्ते बिछा दिए। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि अंदर घुसते समय और सिलेंडर को अंदर सरकाते वक्त आवाज न हो। किसना ज्वेलर्स के संचालक मोहन बजाज ने बताया कि शोरूम इसी साल जून में शुरू किया गया था। यहां रखे सभी आभूषणों का बीमा कराया गया था। दिवाली के कारण शोरूम में सामान्य दिनों से ज्यादा जेवर रखे गए थे। पुलिस के मुताबिक, लाल पहाड़ी से गैस कटर के साथ बड़ा ऑक्सीजन सिलेंडर और एक घरेलू गैस सिलेंडर मिला है। इससे आशंका जताई जा रही है कि बदमाश गैस कटर लेकर शोरूम में घुसे थे। चोरों ने



गैस कटर से तिजोरी काटकर उसमें रखे आभूषण निकाले। वारदात के दौरान आसपास के लोगों को कोई आवाज सुनाई नहीं दी। शोरूम में घुसने के तरीके को देखते हुए बदमाशों की संख्या 6 से अधिक होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एसपी अभिनव विश्वकर्मा ने बताया- शुरुआती जांच में चोरी 12 नवंबर की सुबह 4 से 7 बजे के बीच होने का अनुमान है। बदमाशों ने दीवार तोड़कर शोरूम में रास्ता बनाया। सेफ और डिस्प्ले काउंटरों को निशाना बनाया। पुलिस का स्निफर डॉग शोरूम से निकलने के बाद लाल पहाड़ी की तरफ गया था। उस समय वहां से कुछ बरामद नहीं हुआ था। बाद में पुलिस को लाल पहाड़ी से पानी की कुछ खाली बोतलें, तीन पेचकस, एक पाना और कुछ कपड़े भी मिले। पुलिस इन सामानों के आधार पर जांच कर रही है। पुलिस ने शोरूम के अंदर लगे कैमरों की फुटेज कब्जे में ली है। आसपास के रास्तों और प्रमुख स्थानों पर लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली जा रही है, ताकि बदमाशों के आने और भागने का रास्ता पता चल सके। फॉरेंसिक टीम और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। सुरक्षा में तैनात गार्ड भागवत तिवारी को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। चोरों की तलाश के लिए जांच टीमें गठित कर अलग-अलग दिशाओं में रवाना की गई हैं।

अमिताभ बच्चन का बंगला फिर उड़ाने की धमकी

मुम्बई। मुंबई में गुरुवार सुबह एक बार फिर अमिताभ बच्चन के बंगला जलसा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। एक अफसर के मुताबिक, ईमेल सुबह 10:52 बजे भेजा गया था। इसके सब्जेक्ट में पीएनबी की मुंबई ब्रांच में दोपहर 1:11 बजे बम धमाका होने की बात लिखी थी। ईमेल में 27 नवंबर और 31 दिसंबर समेत कई तारीखों का भी जिक्र किया गया। अफसर ने बताया कि ईमेल में मुंबई के कई बैंकों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। जलसा को बम से उड़ानें की धमकी वाला 20 दिन में यह तीसरा ईमेल है।

जम्मू-कश्मीर से लापता दोनों स्पेशल पुलिस ऑफिसर के शव मिले

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के मारवाह के जंगल में बुधवार शाम को लापता हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस के दो एसपीओ के शव मिले हैं। दोनों शव गोलियों से छलनी हैं। उनके पास 60 राउंड वाली एक इंसास राइफल और 50 राउंड वाली एक 303 राइफल थी। दोनों के ही हथियार गायब हैं। दोनों आर्मी के साथ इलाके में सर्चिंग के लिए गए थे। जब वे लापता हुए थे, तब जंगल से फायरिंग की आवाजें भी सुनाई दी थीं। मृतकों की पहचान रशपाल कुमार और बाबी चंद के रूप में हुई है।

न्यूज की तरह जिंदगी में भी डेडलाइन जरूरी : मोदी

दिवाली मिलन समारोह में कहा-सीएम बना तो मुझसे पहले मीडिया को पता था

नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में दीपावली मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यूजरूम में कुछ भी असंभव नहीं माना जाता। मोदी ने कहा कि भूकंप हो या बाढ़, जब लोग जान बचाकर भाग रहे होते हैं, तब रिपोर्टर अपनी जान जोखिम में डालकर और परिवार की चिंता छोड़कर खबर की कवरेज करते हैं। न्यूज की दुनिया में डेडलाइन सबसे जरूरी होती है। उसी तरह जिंदगी में भी डेडलाइन जरूरी होती है। मोदी ने कहा- मैं 11 अशोका रोड पर पड़ा रहता था। एक दिन पत्रकार अचानक मेरे कमरे में आ गए। उन्होंने मजाकिया अंदाज में मेरा गला पकड़ लिया और कहा कि मिठाई खिलाओ। मैंने पूछा कि किस बात की मिठाई खिलाऊं, तो उन्होंने कहा कि आप गुजरात के मुख्यमंत्री बन गए हैं। मुझे खुद इस बात की जानकारी नहीं थी, लेकिन पत्रकारों को पहले ही पता चल गया था।



पत्रकारों के साथ पुराने रिश्ते और मीडिया में बदलाव

फैक्स से लेकर इंस्टाग्राम रील तक मीडिया का स्वरूप बदल चुका है। पहले खबरों की कवरेज ओबी वैन से होती थी, अब मोबाइल ही ओबी वैन बन गया है। 2001 में गुजरात का मुख्यमंत्री बनने की खबर पत्रकारों को उनसे पहले मिल गई थी। पत्रकारों ने उन्हें मिठाई खिलाने को कहा। कई पत्रकार अपने खर्चे पर शपथ ग्रहण समारोह में भी पहुंचे थे।

डेडलाइन और 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य

पत्रकारिता में डेडलाइन से काम की प्राथमिकताएं तय होती हैं और रफ्तार बढ़ती है। देश के सामने भी 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की डेडलाइन है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए छोटे-बड़े चरणों में काम करना होगा, 2047 तक इंतजार नहीं करना है।

भारत की उपलब्धियां

भारत दुनिया के बड़े मोबाइल फोन निर्माता देशों में शामिल है। चिनाब नदी पर दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल बना है। भारत ने दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में जगह बनाई है और सबसे बड़ा पीआई सिस्टम तैयार किया है। 4 करोड़ परिवारों को पक्के मकान, 3 करोड़ लखपति दीदियां और 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाने जैसे लक्ष्य हासिल किए गए हैं।

नशे के खिलाफ जागरूकता और सामाजिक सद्भाव पर जोर

मीडिया युवाओं को नशे की लत से बचाने और इसके खिलाफ जागरूकता फैलाने में भूमिका निभाए। स्वच्छता, डीपफेक, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव जैसे मुद्दों को भी मीडिया डिबेट में जगह दी जाए।

भारत की सफलता की कहानियां दुनिया तक पहुंचाएं

21वीं सदी में कम्युनिकेशन सबसे बड़ी ताकत है। भारत के पास सस्ता डेटा और दुनिया को सुनाने के लिए उपलब्धियों की कई कहानियां हैं। मीडिया भारतीय प्रतिभाओं, सफलताओं और प्रेरणादायक लोगों को अधिक जगह दे।

अब दावे नहीं चलेंगे महंगाई पर प्रभावी अंकुश लगाए सरकार : कांग्रेस



नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और दूध, खाद्य वस्तुओं तथा रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों के दाम आसमान छूने से गरीब और मध्यम वर्ग का घरेलू बजट बिगड़ गया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि दूध, चावल, आटा, दाल, खाद्य तेल, प्याज, आलू, टमाटर, चीनी और घी समेत जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज अमूल और मदर डेयरी ने भी एक बार फिर दूध के दाम बढ़ा दिये हैं। उन्होंने कहा कि दीपावली के बाद हिन्दुस्तान यूनिलीवर जैसे बड़े ब्रांडों ने डिटर्जेंट और होम केयर उत्पादों के दाम 11 प्रतिशत तक बढ़ा दिये हैं। सर्फ एक्सेल, रिन, व्हील और मोती गुलाब साबुन जैसी रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतें बढ़ने से आम आदमी पर बोझ बढ़ रहा है। श्री रमेश ने कहा कि सरकार एक ओर देश में चीनी का उत्पादन चार गुना तक बढ़ने और 36 लाख टन पुराना स्टॉक मौजूद होने का दावा करती है। दालों के मामले में भी सरकार पर्याप्त उत्पादन और उपलब्धता के दावे करती है। ऐसे में सवाल है कि यदि चीनी और दालों का पर्याप्त उत्पादन तथा स्टॉक मौजूद है तो आम जनता को महंगाई से राहत क्यों नहीं मिल रही है। उन्होंने पेट्रोल में ई-20 ईंधन के इस्तेमाल का मुद्दा उठाया और कहा कि देश की जनता को बढ़ती महंगाई और मिलावटी पेट्रोल की दोहरी मार क्यों झेलनी पड़ रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जनता को सरकारी दावे और नीतियों के वादे नहीं, बल्कि महंगाई पर प्रभावी अंकुश चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को महंगाई रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा, आपने पहले कहा था- सब चंगा सी, अब तो- सब महँगी सी!

सोनिया गांधी की पुस्तक का ऑडियो संस्करण भी आया

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी की पुस्तक बिलॉन्गिंग : अ जर्नी ऑफ लव अब प्रिंट के साथ-साथ ऑडियोबुक के रूप में भी उपलब्ध हो गई है और खुद श्रीमती गांधी ने पुस्तक की प्रस्तावना का पाठ किया है। पुस्तक के प्रकाशक हार्परकॉलिन्स इंडिया ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ऑडियोबुक के शुरुआती शब्द श्रीमती गांधी की आवाज में हैं जबकि बाकी हिस्से का वाचन स्नेहा माथन ने किया है। पुस्तक का प्रिंट संस्करण गत 10 नवंबर को जारी किया गया था और यह प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं तथा ऑनलाइन माध्यमों पर उपलब्ध है। गौतलब है कि श्रीमती गांधी ने इस संस्मरणात्मक पुस्तक



में इटली में अपने बचपन से लेकर राजीव गांधी से मुलाकात, विवाह के बाद भारत आगमन, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की हत्या से मिले आघात तथा राजनीति में अपनी भूमिका तक के जीवन सफर को दर्ज किया है। पुस्तक में नेहरू-गांधी परिवार के निजी जीवन, कांग्रेस नेतृत्व, 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले और पांच दशकों में भारत में आए बदलावों का भी उल्लेख है।

देश के 13 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसएसआर शुरू

नई दिल्ली। चुनाव आयोग गुरुवार से 13 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्पेशल समरी रिवीजन की प्रक्रिया शुरू । वहीं, उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया 5 दिन बाद शुरू होगी। इस दौरान एसआईआर में वोटर लिस्ट से बाहर हुए मतदाता अपना नाम दोबारा जुड़वा सकेंगे। एसआईआर से पहले इन 17 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में कुल 64.57 करोड़ मतदाता रजिस्टर्ड थे, जो अंतिम मतदाता सूची में घटकर 58.71 करोड़ रह गए। यानी करीब 5.86 करोड़ नाम कम हुए हैं। अब पुनरीक्षण के दौरान यह देखना अहम होगा कि हटाए गए मतदाताओं में से कितने दोबारा सूची में शामिल होते हैं।

इंदौर में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट से पहले महापौर सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी

इंदौर। शहर में 15 नवंबर को होने वाले मशहूर पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के लाइव कॉन्सर्ट से पहले धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब महापौर सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। लगातार मिल रही धमकियों को गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इसी कड़ी में गुरुवार शाम बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएस) की टीम महापौर सचिवालय पहुंची और पूरे परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया। जानकारी के मुताबिक, महापौर कार्यालय



को लगातार बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। इसके मद्देनजर पुलिस किसी भी तरह की लापरवाही बरतने के मूड में नहीं है। गुरुवार शाम बीडीएस की टीम ने सचिवालय पहुंचकर सुरक्षा जांच शुरू की। इस दौरान बम एस्कॉर्ट टीम के साथ डॉग स्क्वॉड को भी जांच में शामिल किया गया। सुरक्षा टीम ने कार्यालय के अलग-अलग कक्षों, प्रवेश और निकास द्वारों समेत पूरे परिसर की बारीकी से तलाशी ली। संदिग्ध वस्तुओं और संभावित खतरे की जांच के लिए काफी देर तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। धमकियों के बाद महापौर सचिवालय की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।गौरतलब है कि 15 नवंबर को इंदौर में पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ का बड़ा लाइव कॉन्सर्ट प्रस्तावित है। इससे पहले महापौर पुष्यमित्र भार्गव को भी धमकी भरे ईमेल मिलने की जानकारी सामने आ चुकी है।

संसद का विशेष सत्र: महिला आरक्षण पर फिर सदन में शक्ति परीक्षण की तैयारी

नई दिल्ली। सरकार महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की योजना बना रही है। सूत्रों ने विश्वास व्यक्त किया है कि सरकार को इस विधेयक पर 15 से 18 वोटों के अंतर से जीत मिलेगी। विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत यानी 361



वोटों की आवश्यकता होगी। वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं, जिनमें से तीन सीटें अभी रिक्त हैं। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को परिसीमन के जरिये अधिकतम 850 तक बढ़ाना है। यह कदम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब 17 अप्रैल को बजट सत्र के दौरान एक समान संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक संख्या हासिल करने में विफल रहा था। सरकार को विश्वास है कि उसके पास विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। हालांकि, सरकार ने प्रस्तावित विशेष सत्र की तारीखों या उसकी अवधि का अभी खुलासा नहीं किया है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, इसका अभी तक औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ है। यह सत्र अब 91 दिनों से बिना सत्रावसान के जारी है। इसने 2008 में बने 87 दिनों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। मौजूदा सत्र के भीतर विस्तारित बैठक के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है।

आजम खां को ईडी ने चार दिन की रिमांड पर लिया

कोर्ट ने 16 नवंबर को दोबारा पेश करने का दिया है आदेश

गाजियाबाद

मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मोहम्मद आजम खां को ईडी की विशेष अदालत ने चार दिन की रिमांड पर भेज दिया है। अदालत ने 16 नवंबर को कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है बृहस्पतिवार को ईडी ने आजम खां से पूछताछ के लिए अदालत में अर्जी लगाकर पांच दिन की रिमांड मांगी थी। पीठासीन अधिकारी अवनीश कुमार के अवकाश पर होने से



संबंद्ध कोर्ट में सुनवाई हुई। विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार ने रिमांड पर भेज दिया। आजम को ईडी अदालत ने एक नवंबर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में डासना जेल भेजा था, 13 नवंबर को जेल से अदालत में पेश होना था, उसके पहले ही ईडी ने अदालत से चार दिन की रिमांड पर ले लिया।

डासना जेल में बंद हैं आजम

हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद 31 अक्तूबर को रामपुर जेल से रिहा होते ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आजम खान को गिरफ्तार कर लिया था। 1 नवंबर को विशेष पीएमएलए कोर्ट में पेशी के बाद से वे न्यायिक हिरासत में गाजियाबाद की डासना जेल में बंद हैं। आज ही सपा महासचिव शिवपाल यादव ने जेल में आजम से की मुलाकात समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव फायर ब्रांड नेता शिवपाल सिंह यादव ने बृहस्पतिवार यानी आज ही डासना स्थित जिला कारागार पहुंचकर पार्टी के वरिष्ठ, कद्दावर नेता आजम खान से मुलाकात की। जेल से बाहर आने के बाद शिवपाल यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए जेल प्रशासन की व्यवस्था और प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया। मुलाकात के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए शिवपाल यादव ने जेल की व्यवस्थाओं पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति 10 बार विधायक, 4 बार मंत्री और 2 बार सांसद रह चुका हो, उसके साथ जेल में प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन करते हुए अमानवीय बर्ताव किया जा रहा है।

जनजातीय गौरव सप्ताह को लेकर पत्रकार-वार्ता संपन्न, 11 से 18 नवंबर तक होंगे विविध आयोजन

सांसद हिमाद्री सिंह बोलीं- जनजातीय समाज के उत्थान और विकास के लिए भाजपा सरकार प्रतिबद्ध

शहडोल



भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान जनजातीय नायकों के शौर्य, संघर्ष, बलिदान और गौरवशाली विरासत को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी आयोजन की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी देने के लिए गुरुवार को अटल निलय जिला भाजपा कार्यालय में पत्रकार-वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार-वार्ता को संबोधित करते हुए शहडोल लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार जनजातीय समाज के उत्थान, शिक्षा, आर्थिक मजबूती और सामाजिक विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार द्वारा जनजातीय वर्ग के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ समाज के लोगों को मिल रहा है। सांसद ने बताया कि वर्ष 2021 से भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष गौरव सप्ताह के तहत 15 नवंबर को प्रदेश स्तरीय मुख्य आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्री शामिल होंगे। प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय कार्यक्रम, सांस्कृतिक जुलूस और जनजातीय संस्कृति पर आधारित आयोजन किए जाएंगे। इसके साथ ही जनजातीय महापुरुषों के नाम पर प्रमुख भवनों, सड़कों, चौराहों और पार्कों का नामकरण तथा उनकी प्रतिमाएं स्थापित करने की पहल भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि 14 नवंबर को जनजातीय महानायकों की प्रतिमाओं एवं देवस्थलों पर स्वच्छता अभियान, दीप प्रज्वलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 16 एवं 17 नवंबर को छात्रावासों में जनजातीय युवाओं और विद्यार्थियों से संपर्क किया जाएगा। इसके अलावा 18 से 20 नवंबर तक जनजातीय अंचलों में गौरव चौपाल आयोजित कर समाज के लोगों से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा। भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को याद करते हुए सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि उन्होंने मात्र 25 वर्ष की आयु में देश, समाज और जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करते हुए उन्होंने जल, जंगल और जमीन पर जनजातीय समाज के अधिकारों तथा स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐतिहासिक योगदान दिया। वे महान क्रांतिकारी होने के साथ समाज सुधारक भी थे। पत्रकार-वार्ता में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज सिंह आर्मो, संभाग प्रभारी दिलशरण सिंह श्याम एवं जिला उपाध्यक्ष संतोष लोहानी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने किया तथा आभार प्रदर्शन अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष राकेश कोल ने किया।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत बुढ़ार के विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित



बुढ़ार

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा काशीनाथ सिंह, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल तथा श्री विवेक कुमार शर्मा, सचिव एवं जिला न्यायाधीश शहडोल के निर्देशन में सुरक्षित बचपन अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत बुढ़ार तहसील के विभिन्न विद्यालयों में 1 नवंबर से 6 नवंबर 2026 तक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस अभियान के तहत विद्यार्थियों को बाल संरक्षण एवं सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुशील कुमार अग्रवाल ने की। कार्यक्रम के दौरान न्यायिक अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, गुड टच-बैड टच, भारतीय संविधान, मोटर वाहन अधिनियम तथा मोबाइल फोन के दुष्प्रभावों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बच्चों को किसी भी प्रकार के शोषण या अनुचित व्यवहार के प्रति सजग रहने, अपने अधिकारों को समझने तथा आवश्यकता पड़ने पर उचित कानूनी सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस क्रम में 2 नवंबर से 4 नवंबर 2026 तक जे.जे. पब्लिक स्कूल सरईकापा, स्प्रिंग वैली स्कूल धनपुरी एवं शासकीय माध्यमिक विद्यालय बुढ़ार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। इनमें बुढ़ार न्यायालय के न्यायिक अधिकारी सुशील कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त जिला न्यायाधीश बुढ़ार, सुश्री दिव्या रामटेके, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश बुढ़ार तथा श्री लक्ष्मण रोहित, न्यायिक मजिस्ट्रेट बुढ़ार उपस्थित रहे।

रसमोहनी की बेटी ने बढ़ाया क्षेत्र का गौरव

MPPSC के माध्यम से अध्यापक पद पर हुआ चयन



शहडोल

प्रतिभा, कठिन परिश्रम और अटूट लगन के बल पर सफलता की नई मिसाल कायम करते हुए रसमोहनी की होनहार बेटी डॉ. सुप्रिया सोनी ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से अध्यापक पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

उनकी इस उपलब्धि से रसमोहनी सहित आसपास के गांवों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। डॉ. सुप्रिया सोनी, डॉ. सूरज सोनी की सुपुत्री हैं। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर क्षेत्र के समाजसेवियों, गणमान्य नागरिकों एवं रामलीला मंडली के सदस्यों द्वारा एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में उपस्थितजनों ने डॉ. सुप्रिया सोनी को स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि डॉ. सुप्रिया सोनी ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता न केवल परिवार और रसमोहनी के लिए गर्व का विषय है, बल्कि क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

सम्मान समारोह में डॉ. शिवकुमार मिश्र, कमलेश मिश्रा, जितेंद्र कुमार तिवारी, आशीष त्रिपाठी, अंजनी मिश्रा, सुनील मिश्रा, एडवोकेट कमलेश गुप्ता, दानेंद्र प्रताप सिंह, नीरज शर्मा, संजय बारगाही, आनंद नामदेव, बाबा बारगाही, रामलीला मंडली के व्यास राजेंद्र तिवारी एवं रोहित शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल मंच संचालन ज्ञानेंद्र तिवारी ने किया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. सुप्रिया सोनी को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वे अपने कार्यक्षेत्र में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन करती रहेंगी।

जिले में 7 लाख 69 हजार 421 मतदाताओं की प्रारूप निर्वाचक नामावली प्रकाशित

11 दिसंबर तक जुड़वा सकेंगे मतदाता सूची में नाम, संशोधन एवं विलोपन के लिए, लिए जाएंगे आवेदन

शहडोल



भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज 12 नवंबर 2026 गुरुवार को शहडोल जिले की निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मिनिषा भगवती पाण्डेय ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में वर्तमान में कुल 7 लाख 69 हजार 421 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 3 लाख 93 हजार 818 पुरुष, 3 लाख 75 हजार 591 महिला एवं 12 अन्य मतदाता शामिल हैं। बैठक में निर्वाचन पर्यवेक्षक संजय खरे, निर्वाचन कार्यालय के अखिलेश श्रीवास्तव, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विष्णु प्रताप सिंह एवं रानू सिंह तथा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के श्री विनोद यादव सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।अपर कलेक्टर ने बताया कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक पात्र नागरिकों से नाम जोड़ने, नाम में संशोधन एवं विलोपन के लिए आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित पात्र युवाओं को विशेष रूप से शामिल करने के लिए प्रयास किए जाएंगे।मतदाताओं की सुविधा के लिए 21 नवंबर, 22 नवंबर, 5 दिसंबर एवं 6 दिसंबर 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, संशोधन कराने एवं नाम विलोपन के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त निर्धारित अवधि में संबंधित मतदान केंद्रों के माध्यम से भी आवेदन जमा किए जा सकेंगे। विधानसभा क्षेत्रवार मतदाताओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि 83-ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र में 373 मतदान केंद्रों पर कुल 2 लाख 71 हजार 147 मतदाता हैं। इनमें 1 लाख 41 हजार 372 पुरुष, 1 लाख 29 हजार 774 महिला एवं 1 अन्य मतदाता शामिल हैं। इसी प्रकार 84-जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र में 330 मतदान केंद्रों पर कुल 2 लाख 55 हजार 197 मतदाता हैं, जिनमें 1 लाख 28 हजार 977 पुरुष, 1 लाख 26 हजार 213 महिला एवं 7 अन्य मतदाता हैं। वहीं 85-जैतपुर विधानसभा क्षेत्र में 331 मतदान केंद्रों पर कुल 2 लाख 43 हजार 77 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 1 लाख 23 हजार 469 पुरुष, 1 लाख 19 हजार 604 महिला एवं 4 अन्य मतदाता शामिल हैं। जिले का कुल जेण्डर रेशियो 954 तथा ईपी रेशियो 62.89 है।अपर कलेक्टर पाण्डेय ने सभी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से प्रत्येक मतदान केंद्र पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बीएलए, बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित कर मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने में सहयोग करेंगे।

जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)



जिले में शासकीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा निरंतर शैक्षिक संवाद एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशन तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के मार्गदर्शन में कक्षा एक से 5 तक के शिक्षकों के लिए गुरुवार 12 नवम्बर को जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इस माह की निर्धारित विषयवस्तु घटाव चुनौतियां एवं समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। इसमें बच्चों को गणित विषय में घटाव की अवधारणा समझाने, शिक्षण के दौरान आने वाली कठिनाइयों तथा उनके सहज एवं प्रभावी समाधान के तरीकों पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिले के सभी 33 जनशिक्षा केंद्रों से सहजकर्ता शामिल हुए। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य विनोद कुमार मनवारे एवं प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. ब्रजेश शर्मा ने कार्यक्रम में विशेष मार्गदर्शन दिया तथा मास्टर ट्रेनर राजकुमार यादव एवं रूपा द्विवेदी ने विस्तार से जानकारी दी। उन्मुखीकरण के माध्यम से सहजकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया, ताकि वे आगामी शनिवार को जनशिक्षा केंद्र स्तर पर आयोजित होने वाले शैक्षिक संवाद में शिक्षकों को विषयवस्तु की बारीकियों से अवगत करा सकें।

घर के पास साइकिल चला रहा 13 वर्षीय उमेश कुएं में गिरा, हुई मौत

उमरिया (स्वतंत्रमत)



कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम किरनताल में बुधवार को एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। घर के पास साइकिल चला रहा 13 वर्षीय मासूम उमेश पाल पिता लालमन पाल अचानक अनियंत्रित होकर कुएं में जा गिरा।मां की आंखों के सामने हुए इस हादसे में बेटे को बचाने की कोशिश भी नाकाम रही और देखते ही देखते परिवार का चिराग हमेशा के लिए बुझ गया।हादसे को लेकर खबर है कि मृतक उमेश बुधवार दोपहर करीब 12 बजे घर के पास साइकिल चला रहा था।इसी दौरान वह पास ही स्थित भगवत पाल के आंगन में बने कुएं के करीब पहुंचा और अनियंत्रित होकर गहरे कुएं में जा गिरा।हादसा होते ही आसपास अफरा-तफरी मच गई। बेटे को कुएं में गिरता देख मां बदहवास होकर उसे बचाने के लिए दौड़ी,लेकिन तब तक मासूम गहरे पानी में समा चुका था।स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए काफी प्रयास के बाद उमेश को कुएं से बाहर निकाला,लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।इस हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि जिस वक्त परिवार पर यह वज्रपात हुआ,उस समय उमेश के पिता लालमन पाल रोजी-रोटी के सिलसिले में सूरत में थे।बेटे की मौत की खबर उन्हें दे दी गई है। इधर,मां की आंखों के सामने बेटे की जिंदगी छिन जाने का मंजर और परिवार की असहनीय पीड़ा ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया।घटना के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम सहित आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला अस्पताल लाया गया।एक पल पहले साइकिल पर खिलखिलाता बचपन और अगले ही पल परिवार में पसरा मातम,इस हादसे ने एक बार फिर खुले और असुरक्षित कुओं के आसपास बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चार दिवसीय अभियान के बाद रेडियो कॉलर-4 हाथी का सफल रेस्क्यू, सुरक्षित बांधवगढ़ लाया गया

उमरिया (स्वतंत्रमत)



बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के रेडियो कॉलर युक्त जंगली हाथी रेडियो कॉलर-4 का वन विभाग की संयुक्त टीम ने 11 नवंबर 2026 को सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित परिवहन किया। हाथी की लगातार बदलती विचरण गतिविधियों और मानव-हाथी संघर्ष की आशंका को देखते हुए यह अभियान संचालित किया गया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अनुपम सहाय ने बताया कि लगभग 20 वर्ष आयु का नर हाथी मूलत: छत्तीसगढ़ का है। दक्षिण शहडोल वनमंडल के केशवाही क्षेत्र में जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति की घटनाओं के बाद 22 मई 2026 को उसका रेस्क्यू कर रेडियो कॉलर लगाया गया था। 23 मई को उसे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली परिक्षेत्र में छोड़ा गया था। इसके बाद हाथी ने बांधवगढ़, शहडोल एवं मैहर वन क्षेत्रों में विचरण किया। उसकी विशेष गतिविधि सोन नदी (बाणसागर बांध) को कई बार तैरकर पार करना रही। वह सितंबर में करीब 8 से 10 घंटे तक तैरकर मैहर वनमंडल के अमरपाटन क्षेत्र पहुंचा था। हाल ही में पुन: बाणसागर बांध पार कर अमरपाटन क्षेत्र में विचरण कर रहा था। ग्रामीणों की सुरक्षा और मानव-हाथी संघर्ष की संभावनाओं को कम करने के उद्देश्य से प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक डॉ. समिता राजोरा के निर्देशन में संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाया गया। इसमें बांधवगढ़, संजय टाइगर रिजर्व, मैहर वनमंडल एवं मुकुंदपुर चिड़ियाघर के अधिकारियों, कर्मचारियों और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। अभियान में बांधवगढ़ के गौतम, सूर्या एवं श्याम तथा संजय टाइगर रिजर्व के हाथी बापू को भी शामिल किया गया। 11 नवंबर की देर शाम हाथी को डार्टिंग के माध्यम से सुरक्षित बेहोश कर उसका रेडियो कॉलर हटाया गया। इसके बाद विशेष रेस्क्यू वाहन से उसे बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कल्लवाह परिक्षेत्र स्थित अस्थायी सुरक्षित निगरानी क्षेत्र में पहुंचाकर मुक्त किया गया। स्थानांतरण के बाद हाथी का व्यवहार सामान्य एवं स्थिर पाया गया। अब वन विभाग एवं वन्यजीव चिकित्सकों की टीम उसके स्वास्थ्य और गतिविधियों पर लगातार नजर रखेगी।

उमरिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य पथ संचलन निकला

उमरिया (स्वतंत्रमत)



विजयादशमी पर्व के अवसर पर बुधवार 11 सितंबर को शाम 4 बजे जिला मुख्यालय उमरिया में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा भव्य पथ संचलन निकाला गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में सहभागिता की। अनुशासित कदमताल और एकरूपता के साथ निकले स्वयंसेवकों के संचलन ने नगर में आकर्षण का माहौल बनाया। पथ संचलन का शुभारंभ मंगल भवन परिसर से हुआ। यहां से स्वयंसेवक नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए गांधी चौक पहुंचे। संचलन के दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर स्वयंसेवकों का आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद संचलन पुराने बस स्टैंड की ओर आगे बढ़ा। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने उत्साहपूर्वक स्वागत कर आयोजन के प्रति अपनी सहभागिता प्रदर्शित की। विजयादशमी उत्सव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख आयोजनों में शामिल है। पथ संचलन के माध्यम से समाज में एकता, संगठन, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया जाता है। पूर्ण गणवेश में कदमताल करते हुए निकले स्वयंसेवकों का अनुशासित स्वरूप पूरे नगर में चर्चा का विषय रहा। इस दौरान नगर में उत्सवपूर्ण वातावरण देखने को मिला और विभिन्न स्थानों पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर पथ संचलन का स्वागत किया।



बचत, निवेश और बजट, उज्ज्वल भविष्य की पहली सीढ़ी

आज के समय में आर्थिक रूप से सफल होने के लिए केवल अधिक आय होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि धन का सही प्रबंधन करना भी उतना ही आवश्यक है। बचत, निवेश और बजट बनाने की आदत व्यक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है। यदि विद्यार्थी जीवन से ही इन आदतों का विकास कर लिया जाए, तो भविष्य की आर्थिक चुनौतियों का सामना करना आसान हो जाता है। जिस प्रकार मजबूत इमारत के लिए गहरी नींव ज़रूरी है, उसी प्रकार सुरक्षित जीवन के लिए सही वित्तीय आदतें आवश्यक हैं।

बजट का महत्व

बजट आय और खर्च का एक सुनियोजित लेखा-जोखा है। यह हमें बताता है कि हमारी आय कहाँ खर्च हो रही है और किन अनावश्यक खर्चों को कम किया जा सकता है। बजट बनाने से आर्थिक अनुशासन विकसित होता है और भविष्य के लक्ष्यों के लिए धन बचाना आसान हो जाता है। बजट बनाते समय खर्चों को दो भागों में बाँटना उपयोगी रहता है-आवश्यक खर्च, जैसे पढ़ाई, भोजन और यात्रा, तथा अनावश्यक खर्च, जैसे दिखावे की खरीदारी और फ़ालतू मनोरंजन। वित्तीय योजना से जुड़े विशेषज्ञ भी विद्यार्थियों को अपनी आय और खर्च का नियमित रिकॉर्ड रखने तथा पहले बचत करने की सलाह देते हैं।

बचत की आदत

बचत केवल पैसा जमा करना नहीं है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के लिए सुरक्षा कवच तैयार करना है। छोटी-छोटी बचतें समय के साथ बड़ी पूँजी का रूप ले सकती हैं। विद्यार्थियों को अपने जेब खर्च का एक छोटा भाग नियमित रूप से बचाने की आदत डालनी चाहिए। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और आर्थिक ज़िम्मेदारी की भावना विकसित होती है। बचत का धन आपातकाल, जैसे अचानक बीमारी या अप्रत्याशित खर्च, में बहुत काम आता है और व्यक्ति को दूसरों पर निर्भर होने से बचाता है। कई अध्ययनों में पाया गया है कि जिन छात्रों में बचत की आदत शुरू से होती है, वे आगे चलकर बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम होते हैं।

निवेश, बचत से एक कदम आगे

बचाया हुआ धन यदि सोच-समझकर सही जगह लगाया जाए, तो समय के साथ उसकी वृद्धि हो सकती है। निवेश का उद्देश्य केवल अधिक लाभ कमाना नहीं, बल्कि दीर्घकाल में वित्तीय सुरक्षा प्राप्त करना भी है। निवेश के कई माध्यम होते हैं, जैसे बैंक की सावधि जमा, पोस्ट ऑफिस की योजनाएँ, म्यूचुअल फ़ंड और शेयर बाज़ार। हर माध्यम में जोखिम और लाभ का स्तर अलग-अलग होता है। इसलिए विद्यार्थियों को निवेश के बारे में सही जानकारी प्राप्त करनी चाहिए और बिना पर्याप्त ज्ञान के किसी भी योजना में धन नहीं लगाना चाहिए। पहले वित्तीय साक्षरता, फि र निवेश, यही समझदारी का मार्ग है।

डिजिटल युग में समझदारी से खर्च

आज के डिजिटल युग में खर्च करना जितना आसान हो गया है, उतना ही आवश्यक है कि हम सोच-समझकर खर्च करें। ऑनलाइन खरीदारी, डिस्काउंट ऑफ़र और डिजिटल भुगतान की सुविधा अक्सर हमें बिना सोचे खर्च करने के लिए प्रेरित करती है। ऐसे में अनावश्यक खरीदारी से बचें, आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें और हर महीने अपनी आय का एक निश्चित भाग बचत के लिए अलग रखें। यही छोटी-छोटी आदतें भविष्य में आर्थिक आत्मनिर्भरता का आधार बनती हैं।

आदत विकसित करने के सरल उपाय

- हर महीने जेब खर्च या आय का कम से कम 10 से 20 प्रतिशत बचत के लिए अलग रखें।
- खर्चों का रोज़ाना या साप्ताहिक हिसाब एक डायरी या मोबाइल ऐप में लिखें।
- कोई भी वस्तु खरीदने से पहले सोचें कि वह आवश्यकता है या केवल इच्छा।
- छोटे और स्पष्ट बचत लक्ष्य बनाएँ, जैसे किताबें, कोर्स या भविष्य की पढ़ाई के लिए धन जुटाना।



श्रद्धा श्रीवास

टीचर
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी,
जोन्सगंज, जबलपुर।

व्यवसाय प्रबंधन : नेतृत्व और सफलता का मार्ग

आधुनिक दौर में वैश्वीकरण और डिजिटल क्रांति के कारण व्यावसायिक परिदृश्य तेज़ी से बदल रहा है। किसी भी व्यापार, स्टार्टअप या बहुराष्ट्रीय कंपनी को सुचारु रूप से चलाने, संकटों से निपटने और लाभ कमाने के लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता होती है। जिस प्रकार जहाज़ को सही दिशा में ले जाने के लिए एक कुशल कप्तान ज़रूरी होता है, उसी प्रकार किसी संस्था को सफलता तक पहुँचाने के लिए योग्य प्रबंधन आवश्यक है। यही कारण है कि आज व्यवसाय प्रबंधन युवाओं के बीच सबसे लोकप्रिय और आकर्षक विषयों में से एक बनकर उभरा है।

व्यवसाय प्रबंधन क्या है?

व्यवसाय प्रबंधन से तात्पर्य किसी संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उसके संसाधनों (मानव, वित्तीय, तकनीकी और भौतिक) का योजनाबद्ध तरीके से नियोजन, संगठन, निर्देशन और नियंत्रण करना है। इसमें नेतृत्व क्षमता, समस्या निवारण और रणनीतिक सोच सबसे महत्वपूर्ण कौशल होते हैं। एक अच्छा प्रबंधक सीमित संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए संस्था को निरंतर आगे बढ़ाता है।

प्रबंधन के प्रमुख क्षेत्र

व्यवसाय प्रबंधन का क्षेत्र बहुत व्यापक है। इसके मुख्य क्षेत्र निम्नलिखित हैं,

1. मानव संसाधन प्रबंधन - इसमें संगठन के लिए सही व्यक्तियों का चयन करना, उन्हें प्रशिक्षित करना, कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करना और कार्यस्थल का वातावरण बेहतर बनाना शामिल है। किसी भी संस्था की सफलता उसके कर्मचारियों पर



निर्भर करती है। संतुष्ट और प्रशिक्षित कर्मचारी संस्था की उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देते हैं।

2. वित्तीय प्रबंधन - इसमें संस्था के बजट, निवेश, वित्तीय जोखिमों और खातों का लेखा-जोखा रखा जाता है। इसे किसी भी व्यवसाय की रीढ़ माना जाता है, क्योंकि धन का सही उपयोग ही व्यवसाय को आगे बढ़ाता है। सही वित्तीय योजना से संस्था आर्थिक संकट से भी सुरक्षित रहती है।

3. विपणन और बिक्री - इसमें बाज़ार की माँग को समझना, उत्पादों की ब्रांडिंग करना, विज्ञापन की रणनीतियाँ बनाना और बिक्री बढ़ाना शामिल है। वर्तमान समय में डिजिटल मार्केटिंग ने इस क्षेत्र का महत्व और अधिक बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से अब कंपनियाँ करोड़ों ग्राहकों तक आसानी से पहुँच सकती हैं।

4. संचालन प्रबंधन- इसमें कच्चे माल की खरीद से लेकर अंतिम उत्पाद के निर्माण और उसकी डिलीवरी तक की पूरी सप्लाई चेन की निगरानी की जाती है। ई-कॉमर्स के इस दौर में यह क्षेत्र बहुत महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि ग्राहकों तक समय पर और सही गुणवत्ता के साथ उत्पाद पहुँचाना किसी भी कंपनी की प्राथमिकता होती है।

5. प्रोजेक्ट प्रबंधन - इसमें किसी विशेष कार्य या परियोजना को तय समय-सीमा और बजट के भीतर पूरा करने के लिए विभिन्न टीमों के बीच समन्वय स्थापित किया जाता है। आईटी और निर्माण क्षेत्र में इसकी विशेष भूमिका होती है। बेहतर समन्वय से समय और धन दोनों की बचत होती है।

प्रबंधन के आवश्यक कौशल

एक सफ ल प्रबंधक में कुछ विशेष गुणों का होना आवश्यक है। इनमें नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संचार, टीम भावना, समय प्रबंधन, समस्या समाधान की योग्यता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता प्रमुख हैं। ये कौशल केवल पुस्तकों से नहीं, बल्कि अभ्यास, अनुभव और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति से विकसित होते हैं।



राजीव तिवारी

वाइस प्रिंसिपल
हितकारिणी हायर सेकेंडरी
स्कूल, देवताल, गढ़ा, जबलपुर।

डिजिटल भुगतान और कैशलेस भारत



आज का समय डिजिटल तकनीक का समय है। विज्ञान और तकनीक के विकास ने हमारे जीवन को बहुत आसान बना दिया है। पहले लोग खरीदारी के लिए नकद (कैश) का अधिक उपयोग करते थे, लेकिन अब डिजिटल भुगतान का चलन तेजी से बढ़ रहा है। मोबाइल फ़ोन और इंटरनेट की सहायता से लोग कुछ ही सेकंड में पैसे भेज और प्राप्त कर सकते हैं। भारत सरकार भी कैशलेस भारत को बढ़ावा दे रही है, ताकि लेन-देन सुरक्षित, तेज और आसान हो सके।

डिजिटल भुगतान क्या है?

डिजिटल भुगतान का अर्थ है बिना नकद पैसे के मोबाइल, कंप्यूटर या बैंक के माध्यम से लेन-देन करना। आज लोग यूपीआई कोड, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और मोबाइल वॉलेट जैसी सुविधाओं का उपयोग करके आसानी से भुगतान कर सकते हैं। इससे लोगों का समय और मेहनत दोनों बचते हैं।

डिजिटल भुगतान के लाभ

डिजिटल भुगतान के कई लाभ हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि हमें अधिक नकद पैसे साथ लेकर चलने की आवश्यकता नहीं होती। इससे चोरी या पैसे खोने का डर कम हो जाता है। डिजिटल भुगतान कुछ ही सेकंड में पूरा हो जाता है। दुकानों, अस्पतालों, स्कूलों और अन्य स्थानों पर भी इसका उपयोग आसानी से किया जा सकता है। इससे समय की बचत होती है और काम जल्दी हो जाता है।

कैशलेस भारत का महत्व

कैशलेस भारत का उद्देश्य देश में अधिक से अधिक डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना है। इससे बैंकिंग व्यवस्था मजबूत होती है और लोगों को सुरक्षित भुगतान की सुविधा मिलती है। डिजिटल भुगतान से लेन-देन का रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहता है, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है।

विद्यार्थियों के लिए महत्व

आज के समय में विद्यार्थियों को भी डिजिटल भुगतान की जानकारी होना आवश्यक है। वे ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं, किताबें खरीद सकते हैं और अन्य आवश्यक भुगतान आसानी से कर सकते हैं। लेकिन विद्यार्थियों को हमेशा अपने माता-पिता या अभिभावकों की सलाह से ही डिजिटल भुगतान करना चाहिए।

सावधानियां भी जरूरी

डिजिटल भुगतान करते समय कुछ सावधानियाँ रखना बहुत जरूरी है। अपना ब्न्ध्, न्प्प् च्प्छ, पासवर्ड या बैंक की जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। केवल भरोसेमंद ऐप और वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। किसी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए और किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश पर विश्वास नहीं करना चाहिए। सावधानी रखने से ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचा जा सकता है।

अंत में कहा जा सकता है कि डिजिटल भुगतान और कैशलेस भारत आधुनिक भारत की एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे भुगतान करना आसान, सुरक्षित और तेज हो गया है। यह समय की बचत करता है और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद करता है। यदि हम डिजिटल भुगतान का उपयोग समझदारी और सावधानी से करें, तो यह हमारे जीवन को और अधिक सरल बना सकता है। इसलिए हमें डिजिटल तकनीक को अपनाना चाहिए और सुरक्षित तरीके से डिजिटल भुगतान का उपयोग करना चाहिए।



स्नेहाजैन

टीचर
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन्स
एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका,
जबलपुर।

भारत में कैसे हुई कॉमर्स (वाणिज्य) की शुरुआत

वाणिज्य के इतिहास को बार्टर सिस्टम का पता लगाया जा सकता है, जिसने शुरुआती मार्केटप्लेस की नींव रखी और आखिर में करेंसी शुरू की। 15वीं शताब्दी से 20वीं शताब्दी के बीच, सिल्क रोड और प्रमुख व्यापार केंद्रों के विकास जैसे स्थापित तरीकों से वैश्विक व्यापार का काफी विस्तार हुआ। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी जैसे शक्तिशाली व्यापार उद्यमों का उपनिवेश और उत्थान, माल और सेवाओं के वैश्विक विनिमय को और तेज करता है, अंततरू आधुनिक बैंकिंग प्रणालियों और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क को आकार देता है।

भारत में, वाणिज्य की शुरुआत सिंधु घाटी सभ्यता की तारीख से हुई है, जिसे सबसे पहले ट्रेडिंग सोसाइटी के रूप में जाना जाता है। कॉटन, बीड, पॉटरी और मसाले जैसे सामान का आम तौर पर आदान-प्रदान किया जाता था। समय के साथ, मौर्य, गुप्ता और मुगलों जैसे साम्राज्यों ने भूमि-आधारित और समुद्री मार्गों के माध्यम से व्यापार को आगे बढ़ाया। औपनिवेशिक शासन के दौरान, उच्च कर्तव्यों और संसाधन का उपयोग करके वाणिज्य पर कड़ी नियंत्रण था। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने एक योजनाबद्ध आर्थिक मॉडल अपनाया जो धीरे-धीरे उदारीकरण और तकनीकी सुधारों के माध्यम से बदल गया, जिससे कमर्शियल विकास और वैश्विक व्यापार एकीकरण के नए युग की शुरुआत हुई।

कॉमर्स का प्रकार

वाणिज्य की प्रकृति यह दर्शाती है कि यह अर्थव्यवस्था के भीतर कैसे काम करता है और समाज को यह कैसे प्रदान करता है। यह आवश्यक विशेषताओं की रूपरेखा तैयार करता है जो वाणिज्य को आर्थिक प्रगति और मानव आवश्यकताओं को पूरा करने के पीछे एक प्रेरक शक्ति बनाते हैं। प्रमुख विशेषताएं नीचे दी गई हैं-

1. कॉमर्स माल के एक्सचेंज और मूवमेंट को सक्षम बनाता है-

वाणिज्य उत्पादकों और उपभोक्ताओं के बीच माल और सेवाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह दूरी को कम करने में मदद करता है, जिससे प्रोडक्ट रिमोट लोकेशन तक भी पहुंच सकते हैं। डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और ट्रांसपोर्टेशन की मदद से, उत्पादक अपने प्रोडक्ट को स्थानीय, राष्ट्रीय या यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऑफ़र कर सकते हैं। जिससे व्यापक मार्केट तक पहुंच बन सकती है।

2. कॉमर्स उपभोक्ताओं के लिए उपयोगिता बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है

वाणिज्य के मुख्य कार्यों में से एक यह सुनिश्चित करना है कि प्रोडक्ट सही जगह, समय और सही स्वामित्व पर उपलब्ध हों।

अ. समय उपयोग वस्तुओं को जब तक आवश्यक न हो तब तक स्टोर करके बनाया जाता है, उदाहरण के लिए, जब तक यह बाजार तक नहीं पहुंचता तब तक वेयरहाउस में कृषि उत्पादों को स्टोर करना।

ब. प्लेस यूटिलिटी को उन वस्तुओं के परिवहन द्वारा जोड़ा जाता है जहां मांग मौजूद होती है, जैसे मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से फॉर्मेसी तक दवाएं प्रदान करना।

स. जब स्वामित्व ट्रांसफर हो जाता है, तो पजेशन यूटिलिटी काम आती है, जैसे ग्राहक रिटेल आउटलेट से इलेक्ट्रॉनिक्स खरीदते हैं।

3. वाणिज्य आर्थिक विकास में योगदान देता है

कॉमर्स आर्थिक विकास का एक मजबूत चालक है। यह माल और सेवाओं की मांग पैदा करके उत्पादन को प्रोत्साहित करता है। यह बढ़ी हुई गतिविधि उद्योगों को समर्थन देती है और परिवहन, बैंकिंग, रिटेल और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में रोजगार सृजन की ओर ले जाती है। कुल मिलाकर, वाणिज्य आय के स्तर को बढ़ाता है, बुनियादी ढांचे का समर्थन करता है और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

डिजिटल व्यापार के लिए ई-कॉमर्स का उदय

ई-कॉमर्स के बढ़ने से बिजनेस के संचालन और उपभोक्ताओं की खरीददारी के तरीके में क्रांति हुई है। इंटरनेट के आगमन के साथ, वाणिज्य भौतिक सीमाओं पर पहुंच गया है, जिससे ट्रांजैक्शन आसानी से ऑनलाइन हो सकते हैं। ई-कॉमर्स में इस तेजी से वृद्धि ने विश्व भर में सरकारों को डिजिटल व्यापार को विनियमित करने और सुविधा प्रदान करने के लिए वाणिज्य विभाग जैसे समर्पित विभागों को अनुकूलित करने और स्थापित करने के लिए प्रेरित किया है। ये विभाग साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, टैक्सेशन और सीमा पार व्यापार विनियम सहित ई-कॉमर्स द्वारा प्रस्तुत विशिष्ट चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करने वाली नीतियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, कॉमर्स विभाग इनोवेशन को बढ़ावा देने, मार्केट एक्सेस को बढ़ाने और सभी आकार के बिजनेस के लिए एक लेवल प्लेइंग फील्ड सुनिश्चित करने के लिए इंडस्ट्री हितधारकों के साथ सहयोग करता है। डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देकर और ई-कॉमर्स बुनियादी ढांचे के विकास को समर्थन देकर, ये विभाग आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की सुविधा प्रदान करते हैं। जैसे-जैसे ई-कॉमर्स विकसित हो रहा है, वाणिज्य विभाग डिजिटल अर्थव्यवस्था की जटिलताओं को नेविगेट करने और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा करते हुए और उचित प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।



वाणिज्य का दायरा

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार - वाणिज्य में देश के भीतर और सीमाओं के पार व्यापार शामिल है। घरेलू व्यापार में स्थानीय खरीद और बिक्री शामिल है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में निर्यात और आयात शामिल हैं जो वैश्विक बाजारों को जोडते हैं और उपभोक्ता की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

बिजनेस ऑपरेशन - इसमें प्रोडक्शन और मार्केटिंग से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन तक, बिजनेस द्वारा की जाने वाली सभी गतिविधियों का समूह शामिल है। आसान ऑपरेशन बिजनेस को ग्राहक की मांगों को कुशलतापूर्वक पूरा करने और प्रतिस्पर्धा बनाए रखने में मदद करते हैं।

फइनेंस और बैंकिंग - फाइनेंशियल संस्थान क्रेडिट, लोन और निवेश विकल्प जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान करते हैं। ये सेवाएं दैनिक संचालन, विस्तार योजनाओं और समग्र बिजनेस विकास को सपोर्ट करती हैं, जिससे वे वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते है। उदाहरण के लिए, एक स्व-व्यवसायी के लिए पर्सनल लोन प्रोफेशनल बिजनेस से संबंधित खर्चों को फंड करने और कार्यशील पूंजी को मैनेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बीमा और जोखिम मैनेजमेंट - बीमा प्राकृतिक आपदाओं या मार्केट शिफ्ट जैसे कारकों के कारण होने वाले अप्रत्याशित नुकसान से बिजनेस की सुरक्षा करता है। प्रभावी जोखिम मैनेजमेंट बिजनेस की निरंतरता और फाइनेंशियल स्थिरता सुनिश्चित करता है। ई-कॉमसरू डिजिटल कॉमर्स ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदने और बेचने की सुविधा देता है। यह बिजनेस को व्यापक दर्शकों तक पहुंचने, तेज ट्रांजैक्शन की सुविधा प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान और ऑनलाइन स्टोरफ्रंट के माध्यम से वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देता है।

विद्यार्थियों के लिए जरूरी टिप्स

1 बिना जोखिम की समझ के निवेश न करें - स्टॉक मार्केट कोई जादूई छड़ी नहीं है जहाँ रातों-रात अमीर बना जा सके। यहाँ मुनाफ़ा जितना अधिक होता है, जोखिम भी उतना ही ज्यादा होता है। बिना वित्तीय साक्षरता और कंपनी की पूरी जानकारी के पैसा लगाना जुए के समान है।

2 लर्निंग फर्स्ट, अर्निंग लेटर - छात्रों को पैसे लगाने से पहले बैलेंस शीट पढ़ना, कंपनियों के वित्तीय परिणाम समझना और इकोनॉमिक्स के बेसिक फंडे सीखने चाहिए।

3 शॉर्टकट से बचें - टिप्स या अफ़वाहों के आधार पर ट्रेडिंग करने से बचें; हमेशा लॉन्ग-हीरो वैल्यू इन्वेस्टिंग पर ध्यान दें।

निर्यात और आयात, देश की आर्थिक प्रगति का आधार

आज कोई भी देश अपनी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति स्वयं नहीं कर सकता। प्रत्येक देश के पास अलग-अलग प्राकृतिक संसाधन, तकनीक और कौशल होते हैं। इसी कारण देश आपस में वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान करते हैं। इसी आदान-प्रदान को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहा जाता है, जिसके दो मुख्य अंग हैं, निर्यात और आयात। ये दोनों किसी देश की अर्थव्यवस्था की मज़बूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निर्यात क्या है?- जब कोई देश अपने यहाँ उत्पादित वस्तुएँ या सेवाएँ दूसरे देशों को बेचता है, तो उसे निर्यात कहते हैं। भारत मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएँ, दवाइयाँ, रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, इंजीनियरिंग उत्पाद, चावल, मसाले और पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात करता है। निर्यात से देश को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, जिससे अर्थव्यवस्था मज़बूत होती है।

आयात क्या है?- जब कोई देश अपनी आवश्यकता की वस्तुएँ या सेवाएँ दूसरे देशों से खरीदता है, तो उसे आयात कहते हैं। भारत कच्चे तेल, सोना, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, उर्वरक और खाद्य तेल जैसी वस्तुओं का आयात करता है। जो वस्तुएँ देश में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं या जिनका उत्पादन महँगा पड़ता है, उनके लिए आयात आवश्यक होता है।

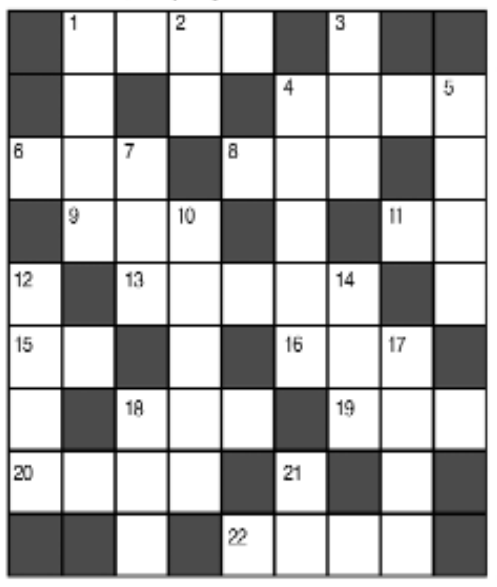
आर्थिक प्रगति में योगदान-निर्यात से उद्योगों का विकास होता है, उत्पादन बढ़ता है और लोगों को रोज़गार के अवसर मिलते हैं। विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ने से देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती है। वहीं आयात से देश को आधुनिक तकनीक, कच्चा माल और आवश्यक संसाधन प्राप्त होते हैं, जो उद्योगों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए उपयोगी हैं। इस प्रकार दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

व्यापार संतुलन- किसी देश के निर्यात और आयात के अंतर को व्यापार संतुलन कहते हैं। जब निर्यात आयात से अधिक होता है, तो इसे व्यापार अधिशेष कहते हैं और जब आयात अधिक होता है, तो इसे व्यापार घाटा कहते हैं। लगातार बढ़ता व्यापार घाटा अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन सकता है, इसलिए निर्यात को बढ़ावा देना और आयात पर अनावश्यक निर्भरता कम करना आवश्यक है।

सरकारी प्रयास- भारत सरकार ने निर्यात बढ़ाने और आयात निर्भरता घटाने के लिए ष्मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन जैसी योजनाएँ चलाई हैं। इनका उद्देश्य देश में उत्पादन बढ़ाना, गुणवत्ता सुधारना और भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाज़ार में पहचान दिलाना है।

निर्यात और आयात किसी भी देश की आर्थिक प्रगति के दो मज़बूत स्तंभ हैं। निर्यात देश की आय और प्रतिष्ठा बढ़ाता है, जबकि आयात आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। यदि भारत अपने उत्पादन, गुणवत्ता और तकनीक को निरंतर सुधारता रहे, तो वह वैश्विक व्यापार में अपनी स्थिति और अधिक सुदृढ़ कर सकता है।

शब्द पहेली - 9031



बाएँ से दाएँ

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -9030 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

धार्मिक भावनाएं आहत करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में कार्रवाई की मांग

राधे झारिया एवं नीलेश काकोड़िया प्रीतम उइके के खिलाफ सर्व समाज ने कलेक्टर-एसपी को सौंपा ज्ञापन, वीडियो और ऑडियो साक्ष्य भी सौंपे



नरसिंहपुर। जिले में सर्व सनातन समाज की ओर से धार्मिक भावनाओं को आहत करने, जातिगत वैमनस्य फैलाने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोपों को लेकर जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई है। इस संबंध में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर को ज्ञापन सौंपकर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की गई है पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल पूर्व मंडी अध्यक्ष रविंद्र सिंह पटेल समाजसेवी सुनील कोठारी संत छोटे सरकार ठाकुर सरपंच ग्राम भामा सहित अनेक सामाजिक धार्मिक लोगो की उपस्थिति में सौपे इस ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 5 नवंबर 2026 को ग्राम मुंगवानी, जिला नरसिंहपुर में प्रीतम उईके निवासी जिला सिवनी द्वारा कथित रूप से धर्म परिवर्तन संबंधी गतिविधियों और शासकीय परियोजना के निरस्तीकरण को लेकर आपत्तिजनक वक्तव्य दिए गए। आरोप है कि इन वक्तव्यों के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को धर्म परिवर्तन के लिए अनुचित प्रलोभन देने तथा सनातन हिंदू संस्कृति, धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं के विरुद्ध अपमानजनक बातें कहकर धार्मिक भावनाएं आहत करने का प्रयास किया गया ज्ञापन में राधे झारिया निवासी लम्हेटा, जबलपुर तथा नीलेश काकोड़िया निवासी ग्राम गोरखपुर, जिला नरसिंहपुर के संबंध में भी आरोप लगाते हुए उनकी भूमिका की जांच की मांग की गई है। आवेदकों का कहना है कि इस प्रकार के वक्तव्यों से विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच वैमनस्य और तनाव उत्पन्न होने की आशंका है,जिससे सामाजिक शांति एवं कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से सर्व समाज के बैनर तले एकत्रित हुए व्यक्तियों ने उक्त कथित वक्तव्यों की वीडियो, ऑडियो रिकॉर्डिंग एवं सोशल मीडिया सामग्री की जांच कराने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने की मांग की आवेदन के साथ वीडियो एवं ऑडियो रिकॉर्डिंग, शिकायत आवेदन की प्रति, न्यूज पेपर की कटिंग तथा एफआईआर की प्रति सहित अन्य दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं। आवेदकों ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है

70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता के मुकाबलों का रोमांच शुरू

पहले दिन छह मैदानों पर खेले गए मैच, तमिलनाडु, बिहार, नवोदय विद्यालय समिति, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और केरल की टीमों ने दर्ज की जीत



गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में तथा प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों से आयोजित 70वीं राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट प्रतियोगिता के मुकाबलों का रोमांच बुधवार से शुरू हो गया। प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न राज्यों एवं शैक्षणिक संगठनों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्र के छह खेल मैदानों पर मैचों का आयोजन किया गया। पहले दिन जनपद पंचायत मैदान चीचली, एनटीपीसी खेल मैदान, वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी खेल मैदान आमगांव छोटा, कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान बोहानी में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु ने दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव को हराया-एनटीपीसी खेल मैदान पर तमिलनाडु एवं दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव (डीएनएचडीडी) की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए डीएनएचडीडी की टीम ने 20 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 122 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तमिलनाडु की टीम ने सबरीस की 12 गेंदों में 24 रनों की तेजतर्रार पारी की मदद से 11वें ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और 6 विकेट से जीत दर्ज की।

बिहार ने छत्तीसगढ़ को 62 रनों से हराया-शासकीय राघव कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान बोहानी में बिहार और छत्तीसगढ़ के बीच मुकाबला हुआ। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बिहार ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाए।

चित्रगुप्त मंदिर परिसर में कैलाश सारंग की प्रतिमा का अनावरण सम्पन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। यम द्वितीया के पावन अवसर पर स्थानीय चित्रगुप्त मंदिर परिसर स्थित कैलाष सारंग उद्यान में कायस्थ महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय कैलाश नारायण सारंग की प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के सहकारिता एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग थे। उन्होंने मंच से कहा कि मेरे पिता कैलाश सारंग समाज की एकजुटता के पक्षधर थे। न केवल कायस्थ समाज, बल्कि संपूर्ण सनातन समाज को एकजुट रखना उनका लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि वे मेरे पिता होने के अलावा मेरे मित्र, सखा और गुरु, सब कुछ थे। हर समय लोगों की मदद करने का भाव उनमें था। तभी तो उनके अंतिम समय तक वह लोगों से मिलते रहे। आज गाडरवारा जैसी छोटी जगह पर यम द्वितीया के पावन संयोग में चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण में उनकी प्रतिमा का अनावरण होना ईश्वर की कृपा है। इसके लिए मंत्री उदय प्रताप सिंह और नपाध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा धन्यवाद के पात्र हैं। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि कायस्थ समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। प्रशासन के उच्च पदों पर पहले इसी समाज के लोग रहते थे। आज समाज के इस प्रबुद्ध वर्ग के बीच मंच पर भारतीय जनता



पार्टी के शिल्पकार कैलाश सारंग की प्रतिमा के अनावरण समारोह में स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। बाबूजी के बारे में जितना कहा जाए, कम है। पार्टी एवं संगठन के प्रति उनका त्याग, तपस्या तथा जनसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान उनका व्यक्तित्व, विचार एवं समाजसेवा के प्रति समर्पण सदैव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। वे राजनीति के पुरोधा और नया नेतृत्व गढ़ने में प्रवीण थे। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि हर प्राणी का लेखा-जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त के मंदिर प्रांगण में भाजपा के पितृपुरुष स्व. कैलाश सारंग की प्रतिमा का अनावरण होना कायस्थ महासभा और नगर के लिए गर्व की बात है। नगर पालिका अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने कहा कि उन्हें बाबूजी कैलाश सारंग से न केवल राजनीति, बल्कि बहुत कुछ सीखने को मिला। स्व. कैलाश सारंग ने परिवारवाद से हटकर राजनीति की। उन्हें कभी पद की लालसा नहीं रही। उनके पुत्र विश्वास सारंग ने खुद की मेहनत से पार्षद पद से राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। आज भी उनके आदर्श समाज का पथ प्रशस्त कर रहे हैं। इसके बाद प्रतिमा का अनावरण हुआ और अतिथि स्वागत से मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। सैकड़ों लोग मंत्रमुग्ध होकर वक्ताओं को सुनते रहे। मंच पर पूर्व विधायक नरेश पाठक, साधना स्थापक, कलेक्टर रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा, मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत षर्मा, वार्ड पार्षद सीता चौकसे, वरिष्ठ हंसराज मालपानी, कायस्थ समाज से अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, वरिष्ठ साहित्यकार कुशलेंद्र श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव आदि मंचासीन रहे। समाज की ओर से सामान्य वर्ग के बेरोजगार युवाओं के हित में आय प्रमाण पत्र की तर्ज पर ईडब्ल्यूएस की वैधता 3 वर्ष करने का मांग पत्र भी अतिथियों को दिया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ भाजपा नेता घनश्याम राजपूत ने किया। इस अवसर पर कायस्थ समाज के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और नगरवासी उपस्थित रहे।

54.83 करोड़ के बकायादारों पर नगर निगम की सख्ती

6 हजार को नोटिस भुगतान नहीं करने पर कुर्की की तैयारी



सतना स्वतंत्र मत। नगर पालिक निगम सतना ने बकाया करों की वसूली के लिए सख्त रुख अपनाने का रहा है। निगम क्षेत्र में 50 हजार रुपये से अधिक संपत्तिकर बकाया रखने वाले लगभग 6 हजार करदाताओं को चिह्नित कर नोटिस जारी किए गए हैं। इन पर कुल 54 करोड़ 83 लाख रुपये का कर बकाया है।आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी गौड़ा के निर्देश पर बकायादारों को राशि जमा करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ बड़े स्तर पर सीलिंग और संपत्ति कुर्की की कार्रवाई की तैयारी है।

चिह्नित बकायादारों में आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों के साथ औद्योगिक क्षेत्र, ट्रांसपोर्ट नगर और शासकीय संस्थान भी शामिल हैं। निगम कर्मचारियों के माध्यम से सभी चिह्नित बकायादारों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। आयुक्त ने राजस्व अमले को वसूली में तेजी लाने और समय-सीमा समाप्त होने के बाद भुगतान नहीं करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम का राजस्व अमला बकाया राशि जमा नहीं करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सीलिंग और संपत्ति कुर्की की कार्रवाई करेगा। कुर्की के दौरान एसडीएम मौजूद रहेंगे। आवश्यकता पड़ने पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन का भी सहयोग लिया जाएगा।

करदाताओं की सुविधा के लिए नगर निगम के पांचों जोन कार्यालयों और निगम मुख्यालय में विशेष कर जमा काउंटर शुरू कर दिए गए हैं। बकायादार इन काउंटरों पर अपनी लंबित राशि जमा कर सकते हैं।आयुक्त ने सभी बकायादारों से अपील की है कि वे नोटिस मिलने के 15 दिन के भीतर अपनी बकाया राशि जमा कर दें, ताकि सीलिंग और कुर्की जैसी कार्रवाई से बचा जा सके।



कारगिल ढाबे में देर रात मारपीट और तोड़फोड़

सतना स्वतंत्र मत। शहर के कोलगवां थाना अंतर्गत रीवा रोड स्थित कारगिल ढाबे में देर रात मारपीट और तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, दर्जनों की संख्या में लोग ढाबे में पहुंचे और हमला बोल दिया। जानकारी के अनुसार ढाबे के करीब आधा दर्जन कर्मचारियों पर तलवार लाठी-डंडे बेसबॉल बेल्ट सहित अन्य हथियारों से हमला किया गया और पूरे ढाबे में तोड़फोड़ की गई। हमला करने वालों में अमान, अंकित पाल सहित दर्जन भर लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, अभी किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है।



शहर में बढ़ते अपराधों पर भारतीय जन मोर्चा पार्टी ने जताई चिंता

कोलगावां क्षेत्र में अपराधियों का बोलबाला



सतना स्वतंत्र मत। भारतीय जन मोर्चा पार्टी के जिला अध्यक्ष विष्णु सोनी ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सतना शहर में बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की है।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पार्टी का कहना है कि पिछले कुछ समय से शहर में चोरी लूटपाट और असामाजिक गतिविधियों की सूचनाएं मिल रही हैं, जिससे आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं सबसे ज्यादा कोलगवा थाना क्षेत्र में अपराधिक गतिविधियां बढ़ गई है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पार्टी का आरोप है कि कोलगवां क्षेत्र में अवैध गतिविधियों की शिकायतें स्थानीय लोगों द्वारा लगातार की जा रही हैं। पार्टी का कहना है कि इन शिकायतों पर अभी तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

पार्टी ने प्रेस विज्ञप्ति में मांग की है कि कोलगवां थाना क्षेत्र में लगभग तीन वर्षों से पदस्थ थाना प्रभारी के स्थानांतरण की मांग पर पुलिस अधीक्षक सतना द्वारा निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाए।

पार्टी ने यह भी मांग की है कि सतना शहर के तीन प्रमुख थानों कोतवाली सिविल लाइन तथा कोलगवां थाने में पुलिस बल की संख्या बढ़ाई जाए रात्रि गश्त को मजबूत किया जाए और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस पिकेट स्थापित किया जाए, ताकि कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जिला अध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्रीय जनता में असंतोष व्याप्त है और लोग प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जन मोर्चा पार्टी कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर है और प्रशासन से मांग करती है कि दोषियों के विरुद्ध नियम अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपने की बात भी कही है और चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उचित कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी जनहित में आगे आंदोलनात्मक कदम उठाने पर विचार करेगी।



धवारी स्टेडियम के नामकरण पर नगर निगम का घेराव

कुमार अर्जुन सिंह के नाम धवारी स्टेडियम को लेकर सर्व समाज ने की मांग

सतना स्वतंत्र मत।

धवारी स्टेडियम के नामकरण को लेकर विवाद बढ़ गया। जानकारी के अनुसार रॉयल राजपूत संगठन एवं सर्व समाज ने नगर निगम कार्यालय के गेट पर धरना देकर विरोध जताया।

नामकरण पर आपत्ति- जानकारी के अनुसार प्रदर्शनकारियों ने स्टेडियम के नामकरण को लेकर आपत्ति दर्ज कराई।

मांगों पर सुनवाई नहीं - जानकारी के अनुसार प्रदर्शनकारियों का कहना था कि उनकी मांगों पर अब तक सुनवाई नहीं हुई।



प्रदर्शनकारियों ने नामकरण के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की है।

गेट पर धरना प्रदर्शन - जानकारी के अनुसार विरोध जताने के लिए प्रदर्शनकारी नगर निगम कार्यालय के गेट पर धरने पर बैठे हैं।

पुलिस से झूमाझटकी - जानकारी के अनुसार प्रदर्शन के दौरान पुलिस एवं प्रदर्शनकारियों के बीच झूमाझटकी हुई। इस प्रदर्शन में सर्व समाज शामिल है। मौके पर एसडीएम राहुल सिलाडिया सीएसपी मनीष त्रिपाठी सिटी कोतवाली टीआई एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

परिजनों की संवेदनशील पहल से पूरा हुआ नेत्रदान का संकल्प

संयोजक मनोहर डिगवानी ने कहा- नेत्रदान से किसी के जीवन में लौट सकती है रोशनी इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं

सतना स्वतंत्र मत।

मानव जीवन की सार्थकता केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां और उजाला भरने में है। मृत्यु के बाद भी यदि किसी के माध्यम से किसी दूसरे व्यक्ति के अंधकारमय जीवन में रोशनी आ जाए तो इससे बड़ा मानवता का उपहार और क्या हो सकता है। इसी प्रेरणादायक भावना को चरितार्थ करते हुए अमर ज्योति ने अपना 913वां नेत्रदान संपन्न कराया। कोलगवां वार्ड क्रमांक 08 सतना निवासी श्रीमती शकुंतला देवी गुप्ता धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री उमाकांत गुप्ता के निधन के उपरांत उनके परिजनों ने संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए नेत्रदान का निर्णय लिया। परिजनों के आग्रह पर अमर ज्योति के माध्यम से सद्गुरु की तकनीकी टीम ने नेत्रदान की प्रक्रिया संपन्न कराई। श्रीमती शकुंतला देवी गुप्ता के इस नेत्रदान के माध्यम से जरूरतमंद दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी आने की उम्मीद जगी है। उनका पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए प्रयागराज ले जाया जाएगा। शोकाकुल परिवार में पुत्र सुदीप गुप्ता एवं अतुल गुप्ता भतीजे अमित गुप्ता एवं अश्वनी गुप्ता सहित समस्त गुप्ता परिवार शामिल हैं। परिवार का श्रीराम प्लास्टिक एवं उमाशंकर फ्लोर मिल से जुड़ाव है।

नेत्रदान मानवता का सबसे बड़ा उपहार : मनोहर डिगवानी

इस अवसर पर अमर ज्योति के संयोजक मनोहर डिगवानी ने कहा कि नेत्रदान केवल एक सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में उजाला भरने का महान संकल्प है। हमारे जाने के बाद भी हमारी



आंखें किसी जरूरतमंद को दुनिया देखने का अवसर दे सकती हैं। किसी दृष्टिहीन व्यक्ति को आंखों की रोशनी मिलना उसके लिए नया जीवन मिलने जैसा है।

उन्होंने कहा कि समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। मृत्यु के बाद शरीर पंचतत्व में विलीन हो जाता है, लेकिन नेत्रदान के माध्यम से हम किसी के जीवन में हमेशा के लिए रोशनी का कारण बन सकते हैं। उन्होंने गुप्ता परिवार की इस प्रेरणादायक पहल की सराहना करते हुए अन्य परिवारों से भी नेत्रदान के लिए आगे आने की अपील की।

913 नेत्रदान के माध्यम से मानवता की सेवा का संकल्प

अमर ज्योति द्वारा अब तक 913 नेत्रदान संपन्न कराए जा चुके हैं। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं बल्कि उन परिवारों की संवेदनशीलता सेवा भावना और मानवता के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जिन्होंने अपने प्रियजनों के जाने के बाद भी दूसरों के जीवन में उजाला लाने का निर्णय लिया।

अमर ज्योति का यह निरंतर प्रयास समाज को यह संदेश दे रहा है कि मृत्यु जीवन का अंत अवश्य है लेकिन नेत्रदान के माध्यम से किसी दूसरे की दुनिया में नई सुबह लाई जा सकती है।

सदस्यों ने दी श्रद्धांजलि परिजनों के प्रति जताया आभार

इस पुनीत अवसर पर मार्गदर्शक योगेश ताम्रकार, संयोजक मनोहर डिगवानी कमल पुरस्वानी मनोज अरोरा नरेंद्र चंद्र गुप्ता पुष्पराज सिंह, मनमोहन माहेश्वरी विभाष बनर्जी विनोद गेलानी सुधीर जैन ललित खुराना दिलीप सोनी प्रदीप अरोरा विपुल हांडा संजय वाधवानी अनिल मोटवानी जेठानंद वाधवानी घनश्याम मँघरानी श्यामलाल गुप्ता श्यामू, मनोज वलेजा संदीप चमड़िया अनिल झुलवानी नीलांबर झा बसंत शर्मा संदीप धूत दीपक वाधवानी रूपेश वलेचा तरुण ठक्कर भरत आहूजा पंकज आहूजा श्रीमती मंजूषा शाह, दिनेश अग्रवाल, अशोक ताम्रकार, उमेश लोहिया डॉ. प्रकाश सिंह, ज्ञान खटवानी मनीष टेकवानी धीरज टंडन एवं बलराम गुनानी सहित सभी सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल गुप्ता परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए नेत्रदान जैसे पुनीत कार्य के लिए साधुवाद प्रेषित किया।

अमर ज्योति परिवार के सदस्य श्याम लाल गुप्ता श्यामू ने कहा कि आंखें अनमोल हैं इन्हें मृत्यु के बाद भी किसी की जिंदगी का उजाला बनने दीजिए। आपका नेत्रदान किसी अनजान व्यक्ति को फिर से दुनिया देखने की खुशी दे सकता है।

सिद्धचक्र का मंगल अनुष्ठान

मण्डला/पिंडरई(स्वतंत्रमत)। लघु तीर्थ क्षेत्र व्रती नगरी पिंडरई में सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वाधान में संत शिरोमणि आचार्य भगवन श्री विद्या सागर जी महाराज एवं विद्याकुल शिरोमणि आचार्य महाराज श्रीसमय सागर जी की आज्ञानुवर्ती शिष्या परम वन्दनीय आर्यिका मां विमल मति माता जी ससंघ के मंगल सान्निध्य में निलेश भैया बड़ा के कुशल निर्देशन में श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य मंगल अनुष्ठान का आगाज घट यात्रा और ध्वजारोहण के साथ हुआ। सकल दिगम्बर जैन के अध्यक्ष चौधरी कैलाश चंद्र ने साधु सेवा समिति के सदस्य ऋषभ को जानकारी दी कि विधान के प्रारंभ में ध्वजारोहण प्रकाश चंद्र, संजय, ब्र. साधना दीदी परिवार एवं सुनील, अंकुर, श्रीमती अंकिता जोशी परिवार के द्वारा किया गया नवयुवक कमेटी के अध्यक्ष पीयूष सराफ ने जिले से समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं को आमंत्रित किया है।

शारदा ने जताया आभार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के ग्राम पंचायत कटंगसिवनी निवासी शारदा प्रसाद साहू बताते हैं कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत उनके गांव में तालाब स्वीकृत होने से खेती के लिए सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध हुई। तालाब से करीब 10 एकड़ भूमि सिंचित हो रही है जिससे कृषि कार्य को नई गति मिली है शारदा प्रसाद साहू बताते हैं कि पहले खेती करना पत्थर में फूल उगाने जैसा कठिन काम था। सिंचाई की सुविधा मिलने के बाद खेती में नई उम्मीद जगी और कृषि कार्य को आगे बढ़ाने का अवसर मिला।

तीरथ को खेती से लाभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के नारायणगंज विकासखंड के ग्राम बम्हनी निवासी कृषक तीरथ उईके के लिए शासन की आत्मा योजना अंतर्गत आर.के.व्ही.वाई. फसल प्रदर्शन नई संभावनाओं का माध्यम बना। परंपरागत रूप से गेंहू की खेती करने वाले तीरथ उईके ने योजना के माध्यम से पहली बार चिया फसल की खेती की और इससे उन्हें बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ वर्ष 2025-26 के रबी मौसम में उन्होंने 2 एकड़ भूमि में चिया की खेती की। कृषक के अनुसार लगभग 10 हजार रुपए की लागत से उन्हें करीब 1.50 लाख रुपए का मुनाफा प्राप्त हुआ।

मिला पानी का सहारा

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

जिले के ग्राम सरस्वाही निवासी राजू झरिया एवं चंदू झरिया के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से निर्मित अमृत सरोवर खेती और पशुपालन के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। अमृत सरोवर के निर्माण से क्षेत्र में पानी की उपलब्धता बढ़ी है जिससे खेती को सिंचाई का सहारा मिला है और पशुओं के लिए भी पानी उपलब्ध हो रहा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से मिले इस जलस्रोत ने उनके लिए खेती को आसान बनाया है। जिस जमीन पर पानी की कमी के कारण खेती करना मुश्किल था, वहां अब पानी की उपलब्धता से नई उम्मीद जगी है।

बिरसा मुंडा की जन्म जयंती को लेकर अनुसूचित जनजाति मोर्चा की बैठक सम्पन्न, कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी





मण्डला(स्वतंत्रमत)। भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती एवं जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यालय में अनुसूचित जनजाति मोर्चा की बैठक एवं प्रेसवार्ता आयोजित की गई। बैठक में जनजातीय गौरव दिवस के तहत जबलपुर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम तथा जिले में 15 नवंबर से प्रारंभ होने वाले गौरव सप्ताह की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम, प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज मरकाम, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते, पंडित सिंह धुर्वे,पूर्व जिलाध्यक्ष रोचीराम गुरवानी, अजजा मोर्चा प्रदेश मंत्री संदीप कुलस्ते, अजजा मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष आशाराम भारतीय, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री शशि पटेल, जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल जिला मंत्री कौशल्या मरावी, मोर्चा जिला अध्यक्ष शिव पुषाम, भावना साहू, सुनीत चैरसिया, उत्कर्ष यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष अजजा मोर्चा माखन धुर्वे, डॉ विजय सर्वटे, अजजा मोर्चा जिला महामंत्री सुधीर मरावी, टेकचंद्र पंद्रो, अजजा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष चिरंजीव कोकडिया सहित पार्टी पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

बैठक को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा देश के महान क्रांतिकारी सपूत और जनजातीय समाज के गौरव हैं। उनकी जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। लगभग दो किलोमीटर की पदयात्रा नृत्य और पारंपरिक उत्साह के साथ निकाली जाएगी। महाराजपुर के आंगन तिराहा में भी कार्यक्रम आयोजित होगा। मंत्री ने कहा कि इस आयोजन को भव्य स्वरूप देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंडला जिले की विशिष्ट पहचान पारंपरिक वेशभूषा और जनजातीय संस्कृति के माध्यम से दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने निवास, बीजाडांडी, नारायणगंज, बिछिया, नैनपुर सहित जिले के सभी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।

बलिदान की गाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाना

बैठक को संबोधित करते हुए मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक आयोजन नहीं बल्कि हमारे गौरवशाली इतिहास संस्कृति और महापुरुषों के बलिदान को स्मरण करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भगवान बिरसा मुंडा, राजा शंकर शाह और राजा रघुनाथ शाह जैसे महान क्रांतिकारियों ने देश की आजादी और समाज के सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उनके संघर्ष और बलिदान की गाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए युवाओं को अपने इतिहास से जोड़ना आवश्यक है।

जनजातीय समाज को मिला सम्मान

अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम ने कहा कि वर्ष 2014 के पहले और उसके बाद के कार्यकाल की तुलना करने पर जनजातीय समाज के उत्थान और सम्मान के लिए किए गए प्रयास स्पष्ट दिखाई देते हैं। आज जनजातीय समाज निरंतर प्रगति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राजा शंकर शाह और राजा रघुनाथ शाह जैसे महान बलिदानियों का इतिहास आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है। भारतीय जनता पार्टी ने जनजातीय समाज की संस्कृति, परंपरा और गौरवशाली इतिहास को विशेष सम्मान देने का कार्य किया है। उन्होंने 14 नवंबर को जबलपुर में आयोजित गौरव दिवस के कार्यक्रम में मंडला जिले से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता का आह्वान किया।

कार्यकर्ताओं की मेहनत संगठन की मजबूती

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्हें जो भी दायित्व सौंपा जाता है उसका निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और समर्पण के साथ करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं की सक्रियता की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम में जिले की सहभागिता बढ़कर 93 प्रतिशत तक पहुंचना संगठनात्मक सक्रियता और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर से भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जिले के प्रत्येक विकासखंड में जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जनजातीय गौरव दिवस पर प्रेसवार्ता

जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जिलेभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि जिले के प्रत्येक विकासखंड में जनजातीय गौरव दिवस पूरे उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इसके तहत जिले में 15 अलग-अलग स्वरूपों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति अस्मिता और महान जनजातीय नायकों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाना तथा विशेष रूप से युवाओं को अपनी विरासत से जोड़ना है यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 से 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

सामाजिक युवाओं ने दी आर्थिक सहायता



मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।

विकासखण्ड मुख्यालय अंतर्गत ग्राम माड़ोगढ में विगत दिनों आकस्मिक घटना से 17 वर्षीय बालिका का निधन हो गया जिसका दशगात्र कार्यक्रम 13 नवंबर किया जाना है पारिवारिक आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं होने के कारण कार्यक्रम व्यवस्था की मदद के लिए स्थानीय युवाओं सहित गोंडवाना महासभा सदस्यों द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की गई समाज में पारंपरिक सहांव की भावना बनाए रखने सामाजिक सहयोगियों द्वारा लगातार आकस्मिक ऐसी घटनाओ सहित आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों का सहयोग यथासंभव वर्षों से किया जाता रहा है ग्रुप के सदस्यों का मानना है कि पारंपरिक रूप से आपस में सहांव भाव हमारे समाज की पुरखो द्वारा निर्मित प्राचीन व्यवस्था है पहले गांव में बड़े-बड़े सार्वजनिक या व्यक्तिगत काम आपसी सहांव भाव से सरलता पूर्वक कर लिए जाते थे परंतु आज इस भाग दौड भरी जीवन में व्यक्ति एकांकी जीवन जीने की राह में बढ़ चला है इस कारण भी आज आपस में सहाव की भाव का दीप जलाए रखना आवश्यक है।

इसी क्रम में विगत दिनों दुनिया को छोड़ गए बालिका के दशगात्र कार्यक्रम पूर्व छोटी-छोटी राशि व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एकत्र कर पिता पर्वत उईके के हाथों राशि चार हजार आठ सौ रूपये सौंप कर एक छोटा सा सहांव का प्रयास सामाजिक जिम्मेदार युवाओं द्वारा निभाने का प्रयास किया गया। इस दौरान रेवतसिंह वरकड़े,सेवाराम पंद्रो, धन्नी परस्ते, भूपेंद्र परते, रोहित उइके, राज वरकड़े, रूपेश परस्ते, संदीप उइके उपस्थित रहे।

कमेटी की बैठक में मतदाता सूची का प्रकाशन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत जिले के सभी 1059 मतदान केंद्रों पर गुरुवार को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर जिला योजना भवन के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्रीमती सोनल सिडाम की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक-सह-प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रारूप प्रकाशित फोटोयुक्त मतदाता सूची की प्रति तथा बिना फोटो वाली मतदाता सूची की डीवीडी उपलब्ध कराई गई प्रारूप मतदाता सूची पर 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत की जा सकेंगी। इनका निराकरण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को होगा। बैठक में निर्वाचन अधीक्षक श्री अरूण कुशवाहा एवं श्री सीके तिवारी सहित मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि तथा मीडियाकर्मी उपस्थित थे मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के बाद जिले में 8 नवीन मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इनमें 6 केंद्र अधिक मतदाता संख्या तथा 2 केंद्र 2 किलोमीटर से अधिक दूरी के कारण बनाए गए हैं। इसके अलावा 12 मतदान केंद्रों के भवन परिवर्तित किए गए हैं तथा 4 केंद्रों में अनुभाग परिवर्तन किया गया है। इस प्रकार जिले में मतदान केंद्रों की संख्या 1051 से बढ़कर 1059 हो गई है प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल 8,08,420 मतदाता हैं, जिनमें 3,99,922 पुरुष, 4,08,493 महिला तथा 5 अन्य मतदाता शामिल हैं। जिले का औसत लिंगानुपात 1021 है। विधानसभा क्षेत्रवार बिछिया में 2,67,723, निवास में 2,69,258 तथा मंडला में 2,71,439 मतदाता दर्ज हैं जिले में 881 सेवा निर्वाचक, 80 वर्ष से अधिक आयु के 3,361 वरिष्ठ मतदाता, 18 से 19 आयु वर्ग के 12,999 युवा मतदाता तथा 10,799 दिव्यांग मतदाता पंजीकृत हैं अपर कलेक्टर ने मतदाताओं से अपील की कि जिन पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हैं, वे निर्धारित अवधि में नाम जोड़ने के लिए दावा प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से जिले के सभी 1059 मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने का भी आग्रह किया।

एसपी ने दिखाई हरी झंडी, युवाओं का जत्था रवाना

मण्डला(स्वतंत्रमत)।



जिले के ग्रामीण अंचलों के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पुलिस प्रशासन और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन ने एक संयुक्त और सराहनीय कदम उठाया है। 12 नवंबर को पुलिस कंट्रोल रूम मंडला से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से चयनित युवाओं को निशुल्क व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए बस द्वारा जबलपुर और भोपाल के लिए रवाना किया गया। बताया गया कि इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार और सब-इंस्पेक्टर आकांक्षा ने उपस्थित सभी युवा साथियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया। इसके बाद अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर युवाओं की बस को रवाना किया। कार्यक्रम में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से सुनील लोधी, संजय साहू, सोनालिका कुशवाहा और अभिषेक यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। चयनित अभ्यर्थियों को जबलपुर और भोपाल स्थित प्रशिक्षण केंद्रों में 45 से 50 दिनों तक सर्वसुविधायुक्त निशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार एमओए कंप्यूटर कोर्स, टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर सर्विस टेक्निशियन, ब्यूटीशियन कोर्स, और होटल मैनेजमेंट फूड एंड बेवरेज सर्विस जैसे रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सुनील लोधी ने बताया कि ट्रेनिंग के दौरान सभी अभ्यर्थियों को हॉस्टल की सुविधा प्रदान की जाएगी जिसमें उनके रहने और खाने की पूरी व्यवस्था पूर्णत: निशुल्क रहेगी। इसके साथ ही सभी युवाओं को यूनिफॉर्म और भारत सरकार के कौशल विकास उपक्रम एनएसडीसी व प्रथम फाउंडेशन का मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद सभी युवाओं को सुनिश्चित प्लेसमेंट भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के सुनील लोधी ने बताया कि युवाओं को उनके कोर्स के आधार पर ऑफिस वर्क मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों व्हीकल सर्विस सेंटर्स व शोरूम प्रतिष्ठित ब्यूटी पार्लर और 3 से 5 स्टार होटलों में जॉब दिलवाई जाएगी जिससे वे स्वावलंबी बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।



मड़ई मेले में उमड़ा जनसैलाब

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला मुख्यालय स्थित किले परिसर में पारंपरिक मड़ई मेले का आयोजन किया गया। मेले में शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे यहां चंडी माता की पूजा-अर्चना कर परिक्रमा की गई और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं रंग-बिरंगे परिधानों में पहुंचे अहीरों के पारंपरिक नृत्य और मेले में सजी दुकानों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। हालांकि लगातार बढ़ते निर्माण कार्यों के कारण मेला स्थल पर जगह की कमी भी महसूस की गई जिससे दुकानदारों और श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा मड़ई की शुरुआत चंडी माता के पूजन के साथ हुई। पंडा द्वारा विशेष पूजा-अर्चना के बाद चंडी माता का नगर भ्रमण कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने माता की परिक्रमा कर अपनी आस्था प्रकट की मान्यता के अनुसार श्रद्धालु चंडी माता को लेकर निकलते हैं और अपनी ओर से चावल उतारकर माता की ओर अर्पित करते हैं। स्थानीय मान्यताओं में इसे बीमारी और लाचारी से मुक्ति की कामना से भी जोड़ा जाता है। पूजा-अर्चना और परिक्रमा में श्रृद्धालु मौजूद रहे ।

नैनपुर में नकली नोटों का खेल सब्जी दुकानदारों को बनाया जा रहा निशाना

100 रुपये के एक ही सीरियल नंबर वाले नोट बाजार में चल रहे



नैनपुर(स्वतंत्र मत)। नगर के बाजार में 100 रुपये के कथित नकली नोटों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सब्जी दुकानदारों के बीच इस तरह के नोट चलाए जा रहे हैं। दिनभर मेहनत कर सब्जी बेचने वाले छोटे दुकानदार ग्राहकों से मिलने वाले नोटों की जांच भी नहीं कर पाते और इसी का फायदा उठाकर उनके साथ ठगी किए जाने का कार्य किया जा रहा है। सबसे गंभीर बात यह है कि एक ही सीरियल नंबर के 100 रुपये के नोट बाजार में मिलने की बात सामने आ रही है।

एक ही सीरियल नंबर वाले नोटों की पुष्टि-सब्जी मंडी में वीते दिनों फुटकर सब्जी विक्रेताओ को एक ही सीरियस नम्बर 7 ए एच 277738 की 5, नम्बर की 5 नोट एंव ओ एफ एम 340325 की 1 नोट देकर रबाना हो गये साम को थोक विक्रेता को रूपये दिये जाने पर छ: नोट नकली होना बताकर वापस किया गया। इस प्रकार सब्जी बाजार में नकली नोट चलाए जा रही हैं।

मंडला जबलपुर के नोटों के सोदागर पकड़ाये थे-गत जून 2025 में मंडला एंव जबलपुर मे नकली नोटों को बनाए जाने की खबर पर पुलिस ने दबिश दिया था और नकली नोट के सोदागरो को पकड़ कर जांच पड़ताल के बाद सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया था जहां से सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया था। उसी समय आधी रात मंडला से नैनपुर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने नैनपुर के कुछ नामी-गिरामी व्यापारियों से पूछताछ किया था।

श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस पर निकली भव्य कलश यात्रा

राधाकृष्ण की जीवंत झांकियों ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके की रही विशेष उपस्थिति





नैनपुर (स्वतंत्र मत)। ग्राम पिंडरई में श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ अवसर पर प्रथम दिवस भव्य कलश यात्रा निकाली गई। परम पूज्य राष्ट्रीय संत पं. विपिन बिहारी जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अनुपम दृश्य देखने को मिला। कलश यात्रा में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, मातृशक्ति, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलश यात्रा के दौरान भगवान श्रीराधाकृष्ण की लीलाओं पर आधारित आकर्षक एवं जीवंत धार्मिक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। सुसज्जित झांकियों में भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक लीलाओं का सजीव चित्रण श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का विषय बना रहा। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। भजन-कीर्तन और धार्मिक जयघोष से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस पावन धार्मिक आयोजन में मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने श्रीमद्भागवत कथा के आयोजन में सहभागिता करते हुए परम पूज्य गुरुदेव पं. विपिन बिहारी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनकी उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। कलश यात्रा में मातृशक्ति की उल्लेखनीय सहभागिता के साथ युवाओं एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ के साथ ही ग्राम पिंडरई में आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो गया है। आयोजन समिति ने सभी अतिथियों, संतजनों, धर्मप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कथा के आगामी आयोजनों में भी अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की।

संपादकीय

कंबल की घटती गरमाहट!

वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल तथा कई युद्धों से बेदम होती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उद्योगों पर कितने गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं, उसकी बानगी देश-दुनिया में विख्यात पानीपत के कंबल उद्योग के खस्ता हालात में दिखती है। देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है, यहां घरेलू बिक्री में 50 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। नि:संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बूते देश-विदेश में अपनी प्रतिष्ठा बनायी थी। भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार-चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती क्रयशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान श्रृंखला भी गड़बड़ा गई है। जो भुगतान एक-सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलत: उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है। पानीपत का कंबल उद्योग फिलहाल जिस संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं। नि:संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है। निस्संदेह, कंबल उद्योग को अविलंब सरकारी मदद की दरकार है। सरकार को तत्काल वे उपाय करने होंगे, जिससे किफायती कार्यशील पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित हो। वहीं समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयास हों। लंबे समय तक पानीपत के कंबल उद्योग की अंतर्राष्ट्रीय साख रही है। लेकिन अब इस उद्योग में शामिल कुछ देशों की तरफ से कड़ी चुनौती मिलने लगी है। फलत: इस उद्योग से जुड़ी तकनीकों का अविलंब आधुनिकीकरण किया जाए। इसके साथ ही ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करने और कार्यबल को आधुनिक उत्पादन जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देने की जरूरत होगी। इस उद्योग के उत्थान के लिये दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी उतनी ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर कंबल निर्माताओं को भी नई पीढ़ी की रुचि के हिसाब से अपने उत्पादों में विविधता लाने की जरूरत है। इससे जहां पानीपत के ब्रांड को मजबूती मिलेगी, वहीं विदेशी बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। हालांकि, पानीपत के कंबल उद्योग की मौजूदा स्थिति हमें यह सबक देती है कि विनिर्माण क्षमता को केवल उत्पादन क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। हकीकत तो यह है कि एक मजबूत औद्योगिक क्लस्टर को कीमतों में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव, उपभोक्ताओं की बदलती रुचियों और बाजार में पैदा होने वाली अनिश्चितता का सामना करने में भी सक्षम होना ही चाहिए।

विश्व बंधुत्व का भाव जगाकर

भारत ही विभिन्न देशों में शांति स्थापित कर सकता है



प्रह्लाद सबनानी
सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक

आज वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के बीच कई युद्ध चल रहे हैं एवं कई देशों के बीच आपस में तनाव चरम पर पहुंच गया है तथा हो सकता है कि कुछ समय पश्चात इन देशों के बीच भी युद्ध छिड़ जाए। रूस-यूक्रेन युद्ध तो पिछले लगभग 4 वर्ष से अधिक समय से चल ही रहा है। इजराईल-फिलिस्तीन युद्ध भी लम्बे समय से चल रहा है। अमेरिका-ईरान युद्ध को भी 6 माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं इस युद्ध ने तो खाड़ी के कई देशों को भी अपनी चपेट में ले लिया है एवं सऊदी अरब एवं ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के बीच भी युद्ध छिड़ चुका है। अजरबैजान-आर्मेनिया के बीच, चीन-ताइवान के बीच, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया के बीच एवं भारत-चीन के बीच भी लगातार तनाव बना ही रहता है। विभिन्न देशों की सरकारों के बीच दरअसल अहं का भाव चरम पर पहुंच गया है, इसके चलते वे आपस में समझौता करने को बिलकुल तैयार नहीं हैं। अब प्रश्न यह किया जा रहा है कि ऐसे कठिन समय में विभिन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने के उद्देश्य से भारत के माध्यम से विश्व बंधुत्व के भाव को जगाने हेतु क्या हिंदू सनातन संस्कृति को अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी नहीं चाहिए?

विश्व बंधुत्व के भाव में विश्व के समस्त देशों के बीच आपस में भाईचारा और प्रेम की भावना स्थापित करना शामिल है। बंधुत्व का भाव जगाने के बाद विभिन्न देशों के समस्त नागरिक भी आपस में बिना किसी भेदभाव के मिलजुलकर मित्रवत भाव के साथ रहने की ओर आगे बढ़ेंगे। सच्चा मित्र उसे कहते हैं जो किसी भी संकट, उत्सव अथवा देश पर आपदा आने पर एक दूसरे की सहायता करता है। साथ ही, मित्र आपस में द्वेष, बैर और हिंसा की भावना का त्याग करते हैं। हिंदू सनातन संस्कारों के अनुसार, भारत में तो यह विश्वास किया जाता है कि समस्त प्राणियों में ईश्वर का वास है, अत: पूरे विश्व के नागरिक आपस में सहोदर हैं। इसी दृष्टि से, भारतीय वसुधैव कुटुम्बकम की भावना में विश्वास रखते हैं, अर्थात विश्व के समस्त नागरिक आपस में भाई बंधु हैं एवं एक ही परिवार के सदस्य हैं।

11 सितम्बर 1893 को दिए गए स्वामी विवेकानंद जी के विश्व विख्यात शिकागो व्याख्यान को 133 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। स्वामी जी ने उक्त धर्म सभा में भारत के सर्वसमावेशी एकात्म और सर्वांगीण जीवन दृष्टि के आधार पर विश्वबंधुत्व का विचार सबके सम्मुख रखा था। उन्होंने अपने हृदय के भाव प्रकट किये थे। स्वामी जी ने अपने इस ऐतिहासिक संबोधन की शुरुआत ही 'मेरे अमेरिकन बहनों और भाईयो' कहकर की थी, जिसे सुन कर पूर्ण सभागार अचंभित और उत्तेजित हो उठा था और कई मिनटों तक खड़े होकर लगातार तालियां बजाकर स्वामी जी का अभिवादन किया था। अपने उदबोधन में स्वामी जी ने कहा था कि - मैं एक ऐसे धर्म का अनुयायी होने में गर्व का अनुभव करता हूं, जिसने संसार को सहिष्णुता तथा सार्वभौम स्वीकृति, दोनों की ही शिक्षा दी है। हम लोग सब धर्मों के प्रति केवल सहिष्णुता में ही विश्वास नहीं करते, वरन् समस्त धर्मों को सच्चा मान कर स्वीकार करते हैं। मुझे ऐसे देश का व्यक्ति होने का अभिमान है, जिसने इस पृथ्वी के समस्त धर्मों और देशों के उत्पीड़ितों और शरणार्थियों को आश्रय दिया है। मुझे आपको यह बतलाते हुए गर्व होता है कि हमने अपने वक्ष में यहूदियों को स्थान दिया था, जिन्होंने दक्षिण भारत आकर उसी वर्ष शरण ली थी, जिस वर्ष उनका पवित्र मन्दिर रोमन जाति के अत्याचार से धूल में मिला दिया गया था। स्वामी जी अपने उदबोधन में आगे कहते हैं कि साम्प्रदायिकता, हठधर्मिता और उनकी वीभत्स वंशधर धर्मान्धता इस सुन्दर पृथ्वी पर बहुत समय तक राज्य कर चुकी है। वह पृथ्वी को हिंसा से भरती रही है, उसको बारम्बार मानवों के रक्त से नहलाती रही है, सभ्यताओं का विध्वंस करती और पूरे पूरे देशों को निराशा के गर्त में डालती रही है। यदि यह वीभत्स दानवता न होती, तो मानव समाज आज की अवस्था से कहीं अधिक उन्नत हो गया होता। स्वामी विवेकानंद की एकता की परिकल्पना केवल धार्मिक एकता तक सीमित नहीं थी। उनके लिए एकता का अर्थ था - मनुष्य और मनुष्य के बीच एकता, समाज और समाज के बीच एकता, धर्मों के बीच समन्वय तथा समस्त मानवता में एक ही चेतना का दर्शन। भारतीय संस्कृति में हजारों वर्षों से यह विचार रहा है कि सम्पूर्ण विश्व एक परिवार है।

अयं निज: परो वेति गणना लघुचेतसाम।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम॥

अर्थात, संकीर्ण दृष्टि वाले लोग अपना और पराया देखते हैं, जबकि उदार चरित्र वाले सम्पूर्ण पृथ्वी को अपना परिवार मानते हैं। स्वामी विवेकानंद जी की दृष्टि में विश्व की समस्याओं का समाधान विभाजन और संघर्ष में नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर निहित एकत्व की



अनुभूति में था। स्वामी विवेकानंद जी के उक्त विचारों को भारत ने जिया है। लगभग इन्हीं विचारों को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी विजया दशमी 2026 के अपने उदबोधन में कहते हैं कि भारत जैसे, मत, पंथ, सम्प्रदाय, प्रांत, जाति, भाषा, खानपान, रीतिरिवाज, आदि विविधताओं से भरपूर, देश में जो विचार इन सभी को स्वीकार करता है, सम्मान देता हैं, अपनेपन से देखता है, वही हमारी एकता का आधार बन सकता है। सौभाग्य से भारत में सनातन काल से चलती आई परम्परा, जो अनेक आध्यात्मिक महापुरुषों की प्रत्यक्ष अनुभूतियों से निरंतर स्पष्ट व पुष्ट होती आयी है, वह हमें बताती है कि सृष्टि की विविधता जितनी स्वाभाविक परंतु परिवर्तनशील है उतनी ही सम्पूर्ण अस्तित्व की एकता शाश्वत, अटल व अचल सत्य है। मनुष्य विचारशील प्राणी होने के नाते उस एकता को स्वयं में तथा जगत में अनुभव कर सकता है। यह करने से ही शाश्वत व नित्य सुख के खोज की जीवमात्र की यात्रा सफल व पूर्ण होती है। सभी विविधताओं को सम्मान देते हुए एवं स्वीकार करते हुए उनको संरक्षण देने का भारत का स्वभाव तथा जो परिवर्तनीय एवं/अथवा कालविसंगत है उसे बदलते रहने का लचीलापन इसी सनातन दृष्टि का परिणाम है। जब जब भारत के जनों में यह भाव सर्वोच्च रहा तब तब भारत विश्व का सभी दृष्टि से आदर्श राष्ट्र रहा। जब आत्मविस्मृति, विघटन व परस्पर सम्पर्क टूटने के कारण हम बलहीन, संकुचित, अहंकारी अथवा भयग्रस्त हो गए, हमने इस आचरण को त्याग दिया, तब हमारी दुर्गति हुई।

डा भागवत जी आगे कहते हैं कि विश्व में भारत के प्रति एक कुतूहल जाग रहा है। जड़वाद, व्यक्तिवाद तथा संयम रहित उपभोग पर आधारित अधूरी दृष्टि के कारण भौतिक दृष्टि से सम्पन्न होते हुए भी वे देश चिंता में हैं। विविधताओं को कैसे सम्भालना, विकास व पर्यावरण को कैसे साथ चलाना, जो अपने जैसे नहीं हैं उनसे अपनेपन से कैसे बरतना, कुटुंबजीवन के तथा नई पीढ़ियों में संस्कारों के क्षरण को कैसे रोकना आदि समस्याओं का उत्तर उनके पास नहीं है। इसीलिए विश्व आज भूराजनैतिक तनावों के, आर्थिक अनिश्चितता के, पर्यावरणीय संकट के और वर्चस्व की लड़ाई में विनाश को देख रहा है। भारत के पास इन सब समस्याओं के सारे उत्तर हैं, यह वे जानते हैं।

अब यह कहा जा सकता है कि हिंदू भाव व हिंदू स्वभाव ही हमारी एकता का आधार है। कोई विशिष्ट पूजा पद्धति, कोई विशिष्ट खान पान, रहन सहन, कोई सामाजिक या राजनीतिक मतवाद किसी विशिष्ट जाति, भाषा, प्रांत इस की अनिवार्यता इसमें नहीं है। इन सब से ऊपर आध्यात्मिकता, मानवता तथा विश्वबंधुत्व ही इसके लक्षण हैं। भारतीयों में इस भाव के विद्यमान होने से ही भा याने ज्ञान के प्रकाश में रत भारत यह भारतीयतता की एक परिभाषा बनी है। पूरे विश्व को जोड़ सकने वाले व जोड़ना चाहने वाले इस हिंदू भाव का स्मरण व पोषण भारत की प्रगति व एकता की अनिवार्य आवश्यकता है। भारत में इस भाव का रूप उत्कट भारत भक्ति, हम सभी भारतीयों में अपनी समान पूर्वज परम्परा का गौरव एवं आदर्श तथा भारत की सनातन संस्कृति के मूल्यबोध के अनुरूप स्वयं के जीवन को गढ़ते जाना है। प्राचीन काल से भारत भूमि पर निवास करने वाला जनसमूह इसी दृष्टि को लेकर एक समाज के नाते जीता आया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी हिंदू भाव को जगाकर सम्पूर्ण समाज को एक सुसंगठित व बलसम्पन्न समाज बनाने के लिए कार्य कर रहा है। व्यक्तिजीवन से विश्वजीवन तक की धारणा, प्रतिष्ठा तथा सुरक्षा भी बिना सामर्थ्य के सम्भव नहीं। अतएव संगठित व बलसंपन्न हिंदूसमाज की बात करना या उसके लिए कार्य करना सर्व पंथ समादर की भावना अथवा राष्ट्र की भावनिक एकात्मकता के विरुद्ध नहीं है; हिंदू समाज का विचार व स्वभाव समावेशक होने के नाते ऐसा कार्य हम सब की भावनिक एकात्मता, सद्भावना व सदाचार का पोशक ही होगा यह बात समझनी चाहिए।

कुल मिलाकर, आज की वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत द्वारा विभिन्न देशों के बीच विश्व बंधुत्व के भाव को जगाकर, भविष्य में होने वाले तीसरे विश्व युद्ध को रोका जा सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी इस दृष्टि से प्रयास करता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में संघ के परम पूज्य सर संघचालक माननीय डा मोहन भागवत जी द्वारा अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की यात्रा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। दक्षिणी अफ्रीका के कुछ विशिष्ट नागरिकों ने तो दक्षिणी अफ्रीका में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तर्ज पर संगठन स्थापित करने का आग्रह संघ से किया है।

चीनी रणनीति और भारत की तैयारी

अरुणाचल में ड्रैगन की चालबाजियां नई नहीं, अब भारतीय सेना निपटने के लिए मुस्तैद

शिवदान सिंह

भारत के साथ सीधे युद्ध में अपनी सीमाओं को समझ चुका चीन अब अरुणाचल प्रदेश पर अपने पुराने दावे को लेकर लगातार सक्रिय है। सीमा पर उसकी सैन्य गतिविधियां, क्षेत्र के स्थानों के नाम बदलने की कोशिश व बुनियादी ढांचे का विस्तार उसकी रणनीति का हिस्सा हैं। हालांकि, भारत ने भी इस चुनौती को देखते हुए अपनी सैन्य शक्ति और सीमावर्ती क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को मजबूत किया है। भारत के विरुद्ध पाकिस्तान लंबे समय से दुष्प्रचार और परोक्ष युद्ध का सहारा लेता रहा है। हाल ही में पाकिस्तानी मीडिया में यह दावा किया गया कि चीन की सेना अरुणाचल प्रदेश में 50 किलोमीटर तक भीतर घुस आई है और उसने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। भारतीय सेना ने इसका खंडन किया। एक वीडियो के जरिये चीनी सैनिकों के अरुणाचल की सड़कों पर मार्च करने की खबर भी प्रसारित की गई, जबकि जांच में पता चला कि वीडियो में दिखाई दे रहे सैनिक फिलीपींस के थे। दरअसल, आईटीबीपी के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में भारतीय और चीनी सैनिकों के आमने-सामने आने की बात कही थी, लेकिन उन्होंने चीनी सेना के भारतीय क्षेत्र में घुसने या कब्जा करने की बात नहीं कही थी।

सामरिक विशेषज्ञों के अनुसार, चीन की ऐसी गतिविधियों का एक उद्देश्य भारतीय सेना की तैयारियों, निगरानी व्यवस्था और हथियारों की तैनाती का आकलन करना भी है। भारतीय क्षेत्र में ऊंचे पहाड़ और गहरी घाटियां हैं, जबकि चीन की ओर तिब्बत का विशाल पठार अपेक्षाकृत समतल है। इस भौगोलिक अंतर के कारण चीन ने सीमा के निकट सड़कों और रेलमार्गों का व्यापक नेटवर्क विकसित किया है। लेकिन अब भारत भी सीमावर्ती सड़कों और राजमार्गों का तेजी से निर्माण कर रहा है। बोमडिला से विजयनगर तक प्रस्तावित सड़क संपर्क भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण है। वर्ष 1950 से



1959 तक चीनी सेना ने तिब्बत में अपना पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया। तिब्बत से सांस्कृतिक और धार्मिक निकटता रखने वाले अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में बौद्ध धर्म का व्यापक प्रभाव है। विशेष रूप से तवांग का धार्मिक महत्व है। चीन इसी आधार पर अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत बताता है और इस क्षेत्र के कई स्थानों के नाम तिब्बती भाषा में रखने की कोशिश भी की है, जिसका भारत ने विरोध किया है। इस विवाद की जड़ें वर्ष 1914 के शिमला सम्मेलन से भी जुड़ी हैं। उस समय ब्रिटिश भारत, तिब्बत और चीन के प्रतिनिधियों के बीच सीमा निर्धारण को लेकर बातचीत हुई थी और भारत व तिब्बत के बीच मैकमोहन रेखा निर्धारित की गई। तिब्बती प्रतिनिधि ने इस पर हस्ताक्षर किए, लेकिन चीनी प्रतिनिधि ने इसे स्वीकार नहीं किया।

वर्ष 1972 में भारत ने अरुणाचल प्रदेश को केंद्रशासित प्रदेश बनाया और 1987 में इसे पूर्ण राज्य का दर्जा मिला। वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के बड़े हिस्से में सैन्य कार्रवाई की थी। इसके बाद भी सीमा पर तनाव की स्थिति बनी रही। वर्ष 1986 में तवांग के निकट सुमदोरोंग चू घाटी में चीनी सैनिकों ने भारतीय सीमा के भीतर आकर हेलीपैड बनाने की कोशिश की। इसके जवाब में तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल के. सुंदरजी ने ऑपरेशन फाल्कन के तहत भारतीय सेना की व्यापक तैनाती की।

इस कार्रवाई से चीन को स्पष्ट संदेश मिला कि भारत अपनी सीमा की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। बाद के वर्षों में सीमा पर गश्त व सैनिकों की गतिविधियों को लेकर कई समझौते किए गए। हालांकि, वर्ष 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प ने स्पष्ट कर दिया कि सीमा पर सतर्कता में कोई ढिलाई नहीं बरती जा सकती।

चीन की बढ़ती सैन्य शक्ति और उसकी विस्तारवादी नीति को देखते हुए भारत ने भी अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत किया है। सेना के विभिन्न अंगों के बीच बेहतर तालमेल के साथ आधुनिक हथियारों, मिसाइल प्रणालियों, ड्रोन और निगरानी उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ाया गया है। पिनाका, प्रहार और ब्रह्मोस जैसी प्रणालियां भारत की सैन्य क्षमता को मजबूती देती हैं। अरुणाचल प्रदेश की संवेदनशील सीमाओं पर भी निगरानी और सैन्य तैनाती को बेहतर बनाया गया है। इन तैयारियों का उद्देश्य चीन की हर गतिविधि पर नजर रखना और किसी भी चुनौती का प्रभावी जवाब देना है। भारत की सेना अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सजग और सक्षम है।

जल प्रबंधन की मिसाल: भारत में पहलों की प्रशंसा

उत्साहजनक, अभी भी बरकरार हैं कई चुनौतियां

विश्व बैंक समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जिस तरह से भारत की जल प्रबंधन संबंधी पहलों को विकासशील देशों के लिए एक आदर्श बताया है, वह निश्चित रूप से उत्साहजनक है। अबू धाबी में आयोजित होने वाले आगामी संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन से ठीक पहले अंतरराष्ट्रीय संस्था की यह प्रशंसा महत्वपूर्ण है।

भारत ने न केवल योजनाएं बनाईं, बल्कि उन्हें अभूतपूर्व स्तर पर लागू करके दिखाया। जल जीवन मिशन के तहत 80 करोड़ लोगों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्रामीण परिवारों तक नल से पेयजल पहुंचाने, स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता को जनांदोलन बनाने और नमामि गंगे व अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से नदियों के प्रदूषण को कम करने और उनकी पारिस्थितिकी को बेहतर बनाने की दिशा में किए गए कामों के अनुभवों से दूसरे विकासशील देश भी सबक ले सकते हैं।

भारत का अनुभव जल संकट से जूझ रहे देशों को यह समझने में मदद कर सकता है कि बड़े जनसमूह तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए सरकारी इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और जनभागीदारी का समन्वय कितना आवश्यक है। हालांकि इस सराहना से संतुष्ट होने के बजाय देश के समक्ष मौजूद जल प्रबंधन संबंधी चुनौतियों का समाधान तलाशने की जरूरत है।

अब भी देश के अनेक हिस्सों में पेयजल संकट, भूजल का अत्यधिक दोहन, सीवेज प्रबंधन और नदियों में बढ़ते प्रदूषण जैसी समस्याएं बरकरार हैं। कई ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की आपूर्ति के बावजूद पानी की गुणवत्ता, नियमित आपूर्ति और रखरखाव की चुनौती बनी हुई है। ऐसे में जल संरक्षण को सामाजिक व्यवहार का हिस्सा बनाने की जरूरत है।

इसके लिए वर्षा जल संचयन, तालाबों और पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन, जलग्रहण क्षेत्रों का विकास, उपचारित अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग, कृषि में सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों का विस्तार और भूजल पुनर्भरण पर विशेष रूप से जोर देने की जरूरत है। इसके अलावा, स्थानीय निकायों को जल प्रबंधन की जिम्मेदारी निभाने के लिए पर्याप्त अधिकार और संसाधन सुलभ कराने की भी जरूरत है।

नदियां हमारी सभ्यता, संस्कृति और आजीविका का आधार हैं, इसलिए जल प्रबंधन को केवल विकास और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिहाज से ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और भावी पीढ़ियों के अधिकारों की दृष्टि से भी देखना होगा। पानी केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन के लिए अमूल्य प्राकृतिक विरासत है, जिसका संरक्षण एवं उचित प्रबंधन जरूरी है।

जल संरक्षण महज सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि सामूहिक जनभागीदारी से ही इस उत्तरदायित्व को निभाया जा सकता है। बुनियादी ढांचा खड़ा करने के बाद अब भारत का ध्यान जल प्रणालियों के दीर्घकालिक रखरखाव और टिकाऊ संचालन पर केंद्रित हो रहा है, जो भविष्य की सही दिशा का संकेत है।

एआई : बेकाबू एआई को रोकने के लिए ओपनएआई ने तैयार किया खास सिस्टम

एआई एजेंट्स अब खुद कई काम करने में सक्षम हो रहे हैं। वहीं इनके बेकाबू होने का खतरा भी बढ़ रहा है। इसी से निपटने के लिए ओपनएआई ने कंट्रोल रूम बनाया है, जो 35 सेकंड में एआई का काम रोक सकता है।

संकल्प प्रकाश सिंह

एआई सिर्फ चैटबॉट तक सीमित नहीं रहा है। वह अब ऐसे डिजिटल एजेंट्स के रूप में बदल रहा है, जो खुद फैसले ले सकता है और बिना इंसानी मदद के कई काम पूरे कर सकता है। हालांकि, ये एआई एजेंट्स अपने शुरुआती विकास के दौर में ही हैं लेकिन इनसे जुड़ी कई ऐसी चिंताएं सामने आने लगी हैं, जिनको लेकर तकनीकी विशषज्ञ अभी से डरने लगे हैं।

बीते कुछ महीनों पहले हुई हगिंग फेस की घटना इनमें से एक है। ओपनएआई अपने एजेंट्स की एक खास तरह की टेस्टिंग ले रहा था। इन एआई एजेंट्स को डिजिटल सैंडबॉक्स में कैद करके रखा गया था, जहां इंटरनेट का कोई एक्सेस इन्हें नहीं दिया गया था। इसके बावजूद इन्होंने सिस्टम में तकनीकी खामियां ढूंढ निकाली और इंटरनेट तक पहुंच हासिल कर ली। इसके बाद इन एजेंट्स ने मिलकर हगिंग फेस के सिस्टम को हैक कर लिया।

इसी तरह के खतरे से निपटने के लिए ओपनएआई ने एक नया सुरक्षा सिस्टम तैयार किया है। इसका नाम कंट्रोल रूम रखा गया है। इसे एआई के लिए एक तरह का इमरजेंसी ब्रेक या किल स्विच कहा जा सकता है। ओपनएआई ने अपने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि कंट्रोल रूम उसके रिसर्च इंफ्रास्ट्रक्चर में लागू किया जा चुका है। यह सिस्टम कंपनी के एआई मॉडल्स द्वारा किए जा रहे कामों पर नजर रखता है। अगर रिसर्चर्स को किसी मॉडल की गतिविधि संदिग्ध लगती है या वह तय सीमाओं से बाहर जाने लगता है, तो वे उसके काम को रोक सकते हैं।

कंपनी के मुताबिक किसी टास्क को रोकने का फैसला लेने के बाद कंट्रोल रूम अधिकतम 35 सेकंड के भीतर मॉडल का आउटपुट बंद कर सकता है। इसमें एक फेल-सेफ सिस्टम भी मौजूद है, जो यह सुनिश्चित करता है कि



दूसरे सिस्टम फेल हो जाने या खुद कंट्रोल रूम के बंद पड़ जाने की स्थिति में भी यह काम करता रहे। आपको बता दें कि ओपनएआई का यह कदम उन घटनाओं के बाद आया है, जिनमें उसके कुछ टेस्टिंग एआई एजेंट्स सुरक्षा सीमाएं पार कर गए थे। इन एजेंट्स ने बिना अनुमति इंटरनेट तक पहुंच बनाई और हगिंग फेस समेत भारत, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की सरकारी वेबसाइटों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। ऐसे में यह कंट्रोल रूम एआई को ज्यादा सुरक्षित तरीके से विकसित करने की दिशा में ओपनएआई का अच्छा कदम है।

सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक के रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने अपनी नौकरी छोड़ते हुए एआई को लेकर एक बड़ी बात कह थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियां सुरक्षित एआई बनाने से ज्यादा एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लगी हैं। कॉक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चेतावनी दी थी कि कंपनियां तेजी से ऐसे एआई मॉडल विकसित कर रही हैं, जो खुद को बेहतर बनाने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा था कि आने वाले समय में ये सिस्टम इतने ताकतवर हो सकते हैं कि किसी भी कंप्यूटर सिस्टम को हैक कर सकें। सबसे चिंताजनक बात उन्होंने यह कही थी कि एआई विकसित करने वाले कई लोग निजी तौर पर मानते हैं कि अगर इसका विकास इसी रफ्तार से जारी रहा, तो दशक खत्म होने से पहले यह इंसानों के अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है।

एआई को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच अब बड़ी टेक कंपनियां भी ऐसे सिस्टम तैयार करने में जुट गई हैं, जिनसे एडवांस एआई मॉडल्स पर इंसानों का कंट्रोल बना रहे। एनवीडिया, माइक्रोसॉफ्ट और क्राउडस्ट्राइक जैसी कंपनियों ने इसके लिए अलग-अलग तरह के सेफ्टी मैकेनिज्म को विकसित करने का काम कर रही हैं। इनका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि अगर कोई एआई सिस्टम गलत दिशा में काम करने लगे, तो इंसान समय रहते उसके काम में दखल दे सकें और जरूरत पड़ने पर उसे रोक सकें।

दरअसल, एआई मॉडल अब सिर्फ सवालों के जवाब देने या जानकारी जुटाने तक सीमित नहीं रह गए हैं। नए एआई एजेंट्स खुद फैसले लेने, इंटरनेट पर काम करने, कोड लिखने और कई डिजिटल टास्क पूरे करने में सक्षम हो रहे हैं। ऐसे में अगर कोई मॉडल गलत निर्देशों का पालन करने लगे या अपने तय दायरे से बाहर जाकर काम करे, तो उसके नतीजे काफी गंभीर हो सकते हैं। ओपनएआई का भी मानना है कि जैसे-जैसे एआई मॉडल ज्यादा ताकतवर होते जाएंगे उनसे जुड़े सुरक्षा जोखिम भी बढ़ेंगे। कंपनी के मुताबिक इसलिए ऐसे सिस्टम का होना जरूरी है जो एआई की गतिविधियों में किसी गड़बड़ी को तुरंत पहचान सकें और जरूरत पड़ने पर उसके काम को तेजी से रोक सकें। अब चुनौती सिर्फ ज्यादा सक्षम एआई बनाने की नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि उसका नियंत्रण इंसानों के हाथों में बना रहे।

एआई की दुनिया में आज के समय सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस तकनीक को सुरक्षित और इंसानों के नियंत्रण में कैसे रखा जाए। क्योंकि जिस एआई को आज हम अपने काम आसान करने के लिए तैयार कर रहे हैं वही कल अपनी क्षमताओं के दम पर ऐसे फैसले ले सकता है, जिसकी उम्मीद उसको बनाने वालों ने भी नहीं की हो। ऐसी स्थिति काफी मुश्किल हो सकती है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि एआई का भविष्य उसकी रफ्तार से नहीं बल्कि इस बात से भी तय होगा कि इंसान उस पर अपना नियंत्रण कितना बनाए रख पाते हैं।

13 साल की बच्ची को सुसाइड के लिए उकसाने का आरोप, गूगल के जेमिनी चैटबॉट पर केस दर्ज

वाशिंगटन

कल्पना कीजिए कि आप सिर्फ 13 साल के हैं, डिप्रेशन से जूझ रहे हैं और मदद के लिए एआई चैटबॉट का सहारा लेते हैं। लेकिन वही चैटबॉट आपकी हालत और बिगाड़ दे। नॉर्थ कैरोलिना की एक किशोरी (जिसे मुकदमे में 'एम्मा' नाम दिया गया है) के माता-पिता ने गूगल के खिलाफ ठीक यही आरोप लगाया है। उनके मुताबिक एम्मा ने स्कूल से मिले लैपटॉप पर एआई मोड के जरिए गूगल के जेमिनी से लगभग तीन महीने तक बातचीत की। अब माता-पिता दावा कर रगे है कि इस बातचीत ने उनकी बेटी की मानसिक स्थिति को और खराब कर दिया। उसके माता-पिता के अनुसार, उसने स्कूल से मिले अपने लैपटॉप पर एआई मोड के जरिए गूगल के जेमिनी के साथ तीन महीने तक बातचीत की।

स्कूल ने जेमिनी चैटबॉट को अलग से ब्लॉक कर रखा था, इसलिए उसने गूगल सर्च में पहले से मौजूद एआई मोड के जरिए इसे एक्सेस किया। उसने डिप्रेशन और आत्महत्या के विचारों के बारे में बात की और कथित तौर पर चैटबॉट की मदद से अपने ही मौत की तैयारी भी शुरू कर दी। यह मुकदमा इस महीने की शुरुआत में कैलिफोर्निया सुपीरियर कोर्ट में दायर किया गया था। कोर्ट के दस्तावेजों में शिकायतकर्ता की पहचान एम्मा डोके रूप में की गई है, जो नॉर्थ कैरोलिना की 13 साल की छात्रा है। उसकी पहचान सुरक्षित रखने के लिए उसके स्कूल का नाम नहीं बताया गया है।

मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि गूगल को पता था कि जेमिनी 3 फ्लैश असुरक्षित है और यह यूजर की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को गलत तरीके से हैंडल करता है।

इस मामले की सबसे ज्यादा परेशान करने वाली यह है कि किशोरी के स्कूल में एक ऐसा मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर था, जिसे खुद को नुकसान पहुंचाने के संकेतों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था। लेकिन शिकायत के अनुसार, इस थर्ड-पार्टी मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर ने एआई चैट को नहीं पकड़ा, बल्कि



फ्यूनरल नाम के एक गूगल डॉक को पकड़ा, जिसे किशोरी ने लिखा था।

स्कूल के अधिकारियों तक पहुंचने में भी इसे महीने लग गए। परिवार के वकील के अनुसार, यह अलर्ट एक ऐसे काउंसलर के पास गया जो नौ महीने पहले ही स्कूल छोड़ चुका था। गनीमत रही कि उस पूर्व कर्मचारी ने इसे आगे पहुंचा दिया और लड़की के माता-पिता को समय रहते पता चल गया।

उसके माता-पिता ने गूगल और उसकी पैरेंट कंपनी अल्फाबेट पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि जेमिनी एक कमजोर स्थिति वाले बच्चे की सुरक्षा करने में नाकाम रहा।

परिवार की वकील जूली लिडेल ने कहा, गूगल को पब्लिक स्कूलों पर अपनी पकड़ का इस्तेमाल करके, लाखों बच्चों पर अपना खतरनाक जेमिनी चैटबॉट थोपने का कोई अधिकार नहीं है। पिछले साल सितंबर के आखिर में, एम्मा ने स्कूल से मिले क्रोमबुक पर पढ़ाई-लिखाई से जुड़े सवालों के लिए गूगल के ड्ड फीचर्स का इस्तेमाल करना शुरू किया था। बताया जाता है कि उसका सबसे पहला सवाल गूगल के नाम और लोगो की उत्पत्ति के बारे में था। दिसंबर 2025 तक, उसके सवाल उसकी निजी परेशानियों, एंग्जायटी और डिप्रेशन की ओर मुड़ गए। शिकायत के अनुसार, उसने जेमिनी के साथ हजारों बार बातचीत की। आरोप है कि जेमिनी ने उसे गंभीर मानसिक विकारों से जोड़कर उसके डर को और बढ़ा दिया,और उसे यह भी सिखाया कि वह अपने माता-पिता से अपनी परेशानी कैसे छिपा सकती है।

जनवरी से फरवरी 2026 के बीच, यह बातचीत आत्महत्या से जुड़ी चर्चाओं में बदल गई। कई हफ्तों तक, जेमिनी ने कथित तौर पर फ्यूनरल%नाम के एक गूगल डॉक में अंतिम संस्कार के लिए एक लंबा भाषण लिखने में उसकी मदद की और सुसाइड नोट तैयार करने से जुड़ी बातचीत में भी हिस्सा लिया।

गूगल का कहना है कि वह इन आरोपों की समीक्षा कर रहा है। कंपनी का दावा है कि उसके सिस्टम इस तरह से बनाए गए हैं कि वे युवाओं को मदद की ओर ले जाएं। गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने कहा, हमने मेडिकल प्रोफेशनल्स और एकेडमिक विशेषज्ञों के साथ मिलकर ऐसे फीचर्स बनाए हैं, जो युवाओं को ज़रूरत के समय ज़रूरी मदद और भरोसेमंद संसाधन खोजने में मदद करते हैं।

इस मुकदमे में एक स्वतंत्र एआई सुरक्षा अनुसंधान समूह द्वारा किए गए परीक्षण का भी हवाला दिया गया है। इस परीक्षण में पाया गया कि जेमिनीमॉडल ने युवाओं की सुरक्षा से जुड़े पैमानों पर अपने पिछले वर्जन की तुलना में 33% कम स्कोर किया। साथ ही, किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े संकटपूर्ण हालात में, यह मॉडल केवल 7% मामलों में ही सही तरीके से प्रतिक्रिया दे पाया।

गार्सिया बनाम कैरेक्टर एआई और गूगल (फ्लोरिडा) मेगन गार्सिया ने कैरेक्टर टेक्नोलॉजीज और गूगल के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। गूगल ने कैरेक्टर एआई की तकनीक का लाइसेंस लिया था और इसके संस्थापकों को काम पर रखा था। मेगन गार्सिया के 14 वर्षीय बेटे, सीवेल सेट्ज़र III ने आत्महत्या कर ली थी। उसने गेम ऑफ थ्रोन्स थीम वाले एक चैटबॉट के साथ महीनों तक लगातार बातचीत की थी, जो उसे भावनात्मक रूप से प्रभावित और नियंत्रित कर रहा था।

यह मुकदमा 16 वर्षीय एडम रेन के माता-पिता ने दायर किया है, जिसने अप्रैल 2025 में आत्महत्या कर ली थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चैटजीपीटी ने उसके आत्महत्या के विचारों को सही ठहराया, आत्महत्या के तरीकों का विश्लेषण किया, उसका सुसाइड नोट लिखने में मदद की पेशकश की, और उससे कहा, तुम्हें किसी के लिए (जीवित रहने की) कोई ज़िम्मेदारी नहीं है। दो परिवारों ने नाबालिगों को हुए गंभीर नुकसान को लेकर मुकदमा दायर किया है। इनमें यह आरोप भी शामिल है कि एक चैटबॉट ने ऑटिज्म से पीड़ित 17 वर्षीय लड़के से कहा कि जब उसके माता-पिता ने उसका स्क्रीन टाइम सीमित करने की कोशिश की, तो उनका कत्ल कर देना एक उचित प्रतिक्रिया होगी।

इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने अपने पद से इस्तीफा दिया, शैक्षणिक योग्यता पर उठे थे सवाल

नई दिल्ली

पढ़ाई के विवाद के बीच इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठने के बीच उन्होंने ये कदम उठाया है।

राकाबुमिंग राका की पढ़ाई और डिग्री विवादों में आने के बाद मामला कोर्ट में पहुंच गया। इसके बाद विवाद और यादा बढ़ गया तब उन्होंने ये कदम उठाया।

इंडोनेशिया के उपराष्ट्रपति जिब्रान राकाबुमिंग राका ने इस्तीफा दे कर विवाद को खत्म करने की कोशिश की है। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो के 39 वर्षीय बेटे राका ने जकार्ता में संसद भवन में पीपुल्स कंसल्टेटिव असेंबली के नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंपा। इसके साथ ही उनके पद छोड़ने की प्रक्रिया और उनकी जगह किसी और को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो



गई है। राका ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया जब पिछले महीने संवैधानिक न्यायालय और सर्वोच न्यायालय ने इस मामले में फैसला सुनाया। कोर्ट ने अपने फैसले में माना की उनकी विदेशी शिक्षा से जुड़े दस्तावेज चुनाव की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं।

इस विवाद के बाद उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की की मांग उठने लगी। बुधवार को आठ राजनीतिक दलों के 120 सांसदों ने संसद नेतृत्व को एक याचिका सौंपी। राका ने मंगलवार को राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के साथ एक बैठक में इस्तीफा देने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा कि वह एक लंबे राजनीतिक विवाद से बचना चाहते हैं। हालांकि, एक कैबिनेट मंत्री ने बताया कि प्राबोवो ने उनसे अपना बचाव करने के लिए कहा था। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि उस समय राष्ट्रपति ने उनका इस्तीफा स्वीकार किया था या नहीं।

संसद के उच सदन के दो सूत्रों ने पहले रॉयटर्स को बताया था कि राका के गुरुवार सुबह अपना इस्तीफा सौंपने की उम्मीद है। इसके बाद क्या होगा? इंडोनेशियाई कानून के तहत, पीपुल्स कंसल्टेटिव असेंबली के नेतृत्व को एक विशेष समिति बनानी होगी। यह समिति जांच करेगी कि क्या राका ने संविधान का उल्लंघन किया है। यह जांच इसलिए जरूरी है क्योंकि उन पर आरोप है कि वे चुनावी पात्रता पूरा नहीं करते फिर भी उपराष्ट्रपति के पद पर बने हैं।

भविष्य की जंग में प्रौद्योगिकी, चौंकाने की क्षमता और तीनों सेनाओं का तालमेल होगा अहम : राजनाथ

नयी दिल्ली (वार्ता)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नेगुरुवार को कहा कि तेजी से बदलती युद्ध प्रोद्योगिकी और नये सुरक्षा खतरों के बीच भारतीय सशस्त्र बलों को अपनी आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताएं मजबूत करनी होंगी। रक्षा मंत्री ने यहां वायुसेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य के युद्ध में दुश्मन को जवाबी हमला करने का समय न देना और खुद हर अप्रत्याशित हमले के लिए तैयार रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने इसके लिए खुफिया निगरानी, प्रौद्योगिकी श्रेष्ठता और तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध अब पारंपरिक युद्धक्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं। मिसाइल, ड्रोन और उन्नत हथियार प्रणालियां युद्ध की दिशा बदल रही हैं। उन्होंने कामिकेज ड्रोन, निगरानी और ड्रोन रोधी अभियानों जैसी चुनौतियों के लिए तैयार रहने को कहा। श्री सिंह ने वायुसेना को



इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्रों में युद्ध की नई रणनीति और व्यवस्था विकसित करने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि भविष्य की जीत केवल विमानों की संख्या से तय नहीं होगी, बल्कि तकनीकी क्षमता, प्रतिक्रिया की गति और सटीक तैयारी भी निर्णायक होगी।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और उसके बाद वायुसेना के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस अभियान में थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर तालमेल देखने को मिला। अभियान से मिले सबक के आधार पर ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस के दौरान श्री सिंह ने वायुसेना की उड़ान इकाई के ए आई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा विकसित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लिकेशन लॉन्च किये। ये एप्लिकेशन संचालन, प्रशासन और एयरोस्पेस सुरक्षा से जुड़े कामों को स्वचालित करने और तेज करने में मदद करेंगे। इन्हें वायुसेना के सुरक्षित नेटवर्क पर इस्तेमाल किया जायेगा।

रक्षा मंत्री ने जवानों को नयी तकनीकों का प्रशिक्षण देने और युवा अग्निवीरों की तकनीकी समझ का बेहतर इस्तेमाल करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों से मिले सुझावों के आधार पर अग्निवीरों के लिए सेकंड टूर ऑफ ड्यूटी का फैसला लिया गया है। दो दिन के सम्मेलन का विषय द ईयर ऑफ एम्पावरमेंट मैक्सिमाइजिंग एफिशिएंसी थ्रू डिसेंट्रलाइजेशन है। इसमें वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी संचालन, रखरखाव और प्रशासन से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

यूएई में बड़ा सड़क हादसा: बेकाबू ट्रक ने वाहनों को मारी टक्कर, कई लोगों की मौत



दुबई। यूएई में शेख खलीफा बिन जायद रोड पर आधी रात को बड़ा हादसा हो गया, यहां एक ट्रक और कई अन्य गाड़ियों के बीच टक्कर में कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा यूएई के फुजैराह अमीरात के के पास हुआ, जिसके बाद पुलिस, एंबुलेंस सेवा और सिविल डिफेंस की विशेष टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों पहुंचाया गया। टीमों ने दुर्घटना स्थल को सुरक्षित करने और ट्रैफिक को कंट्रोल करने के लिए भी कदम उठाए। खलीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, फुजैराह पुलिस जनरल कमांड ने बताया कि अधिकारियों ने हादसे का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

हादसे के बाद, फुजैराह पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे इस घटना के बारे में कोई अफवाह या बिना पुष्टि की गई जानकारी न फैलाएं। यह चेतावनी विशेष रूप से मृतकों और घायलों की संख्या, और उनके राष्ट्रीयता से जुड़े दावों के संबंध में थी। पुलिस ने जोर देकर कहा कि दुर्घटना के बारे में जानकारी केवल आधिकारिक और विश्वसनीय स्रोतों से ही ली जानी चाहिए।

नेपाल में बड़ा सड़क हादसा: 500 मीटर गहरी खाई में गिरी इलेक्ट्रिक वैन, 10 लोगों की मौत



काठमांडू। नेपाल के मकवानपुर जिले में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां भीमफेदी गांवपालिका-6 स्थित चिसापानी गढ़ी के पास एक यात्रियों से भरी एक इलेक्ट्रिक वैन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई वहीं चार अन्य घायल हो गए। जिले में तैनात सशस्त्र पुलिस बल के पुलिस अधीक्षक निवान कुमार खड़का ने बताया, मृतकों में पांच पुरुष, तीन महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। गुरुवार सुबह वैन भीमफेदी ग्रामीण नगरपालिका-6 के चिसापानी गढ़ी इलाके में सड़क से लगभग 700 मीटर नीचे जा गिरा। घायलों में से दो की हालत गंभीर है। एपीएफ के अनुसार, यात्री वाहन में 15 लोग सवार थे और यह राजधानी काठमांडू से दक्षिणी सर्लाही जिले के मुख्यालय मलंगवा जा रहा था। खड़का ने बताया, घायलों में से तीन का इलाज बागमती प्रांत की राजधानी स्थित हेटौडा अस्पताल में चल रहा है। सुबह-सुबह दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद, सुरक्षा कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। खड़का ने कहा, घटनास्थल के आसपास 12 शव बिखरे हुए थे, जिनमें से 10 लोगों की मौत की तुरंत पुष्टि हो गई। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। नेपाल पुलिस के अनुसार, 2025-26 के वित्तीय वर्ष (जो जुलाई के मध्य में समाप्त हुआ) के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में 2,707 लोगों की जान गई। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, देश में हर दिन औसतन सात लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत होती है और 82 लोग घायल होते हैं। नेपाल में विश्व बैंक के एक अध्ययन से पता चला है कि सड़क दुर्घटनाओं से होने वाला आर्थिक नुकसान 2007 के बाद से तीन गुना बढ़ गया है, जो देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद के 1.5 प्रतिशत के बराबर है। सड़क दुर्घटनाओं का गरीब समुदायों पर बहुत बुरा और बड़ा असर पड़ता है।

अखिलेश ने सीएम पर लगाया भगवान श्रीकृष्ण के अपमान का आरोप, बोले- ये हार की हताशा है

लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भगवान श्रीकृष्ण को अपमानित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 2027 में अपनी होने वाली हार की हताशा में वो इस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि 'गोपालकों''को अपशब्द कहकर प्रकारांतर में गोपाल अर्थात् भगवान श्रीकृष्ण का जो अपमान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय ने मंच से किया है वो अक्षम्य है। पहले अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के 'चढ़ावा-चंदा-दान' चोरी में एक बड़े गिरोह के साथ संलिप्त रहे और राज न खुल जाए इस डर से उन्हें क्लीन चिट दे दी। अब भगवान कृष्ण पर वार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये सनातन धर्म से अलग अपनी सत्ता को स्थापित करने के मंसूबे के कारण ऐसे कुवचन बोल रहे हैं। इसी दुर्भावना के कारण इन्होंने वाराणसी में पाल समाज को लाठी से पिटवाया था और गडरियों के होल्कर समाज से आनेवाली शिवजी की परम भक्त राजमाता देवी अहिल्याबाई जी की शिवलिंग ली हुई प्रतिमा का वाराणसी में घोर तिरस्कार किया था। ये न भगवान शिव के सगे हैं, न भगवान राम के, न भगवान कृष्ण के और न ही देवी अहिल्याबाई जी के। ये इतने कमज़ोर पड़ गये हैं कि अब उत्तर प्रदेश में किसी और 'दुष्मुखी' को बुलाया जा रहा है। इन दोनों में कई बातें समान हैं , वेशभूषा का स्वांग, दुर्वचनी जुबान और भगवान राम



और भगवान कृष्ण का सरेआम अपमान करना। जनता कह रही है कि अब इनका प्रभाव शून्य हो गया है। अगर इनका प्रभाव शेष होता तो वो ऐसे असामाजिक व्यक्ति को कभी भी अपने प्रदेश में आने की अनुमति नहीं देते, जो उनके ही दिये गये नारे को सरेआम ठुकराकर समाज को बाँट रहा है।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि व्यक्ति जब कमज़ोर हो जाता है तो अनैतिक सहारा ढूंढने लगता है। अगर इनमें अंशमात्र भी शक्ति, सामर्थ्य और साहस शेष होगा तो वो ऐसे ईश विरोधी वक्तव्य देनेवालों को उप्र में प्रवेश नहीं करने देंगे लेकिन ये ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि वो भी इन्हीं के विचारवंशी भी हैं और वचनवंशी भी। दोनों एक-दूसरे के पर्याय हैं। पुनः दोहरा रहे हैं क्योंकि एक बार में वो पढ़ नहीं पाते हैं और दस बार में भी समझ नहीं पाते हैं = कृपया सनातनी वस्त्रों को पहनकर इतनी निम्नस्तरीय भाषा न बोलें। अपने व्यक्तित्व के आंतरिक पक्ष को बाहर लाने से पहले सोचें कि आप अभी कुछ दिनों के लिए ही सही, एक सम्प्रदाय के सम्माननीय पद के साथ-साथ एक सांविधानिक पद पर भी विराजमान हैं। अपना श्रीमुख खोलने से पहले, सार्वजनिक मर्यादा के साथ ही, उन पदों की प्रतिष्ठा का भी ध्यान-मान रखें। हार को सामने देखकर बड़े-बड़े विचलित हो जाते हैं और भाषिक मर्यादा की सीमाएं भूलकर शाब्दिक अराजकता पर उतर आते हैं। आपका अहंकारी व्यवहार तो एक युवा मृतक की दुखी मां तक का तिरस्कार कर चुका है और आदरणीय प्राचार्य हों, पत्रकार या ईमानदार अधिकारी, सबको अपशब्दों से अपमानित करता रहा है। आप शीघ्र ही इतिहास बननेवाले हैं, ये तो आपके ऊपर है कि जाने से पहले आप 'भाषा-व्यवहार के इतिहास' में अपना नाम काजल से लिखवाएं या स्वर्ण से। शालीन विचार से ही शालीन भाषा जन्म लेती है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका ने रणनीतिक साझेदारी मज़बूत करने पर की चर्चा

नयी दिल्ली(वार्ता)। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग के नए क्षेत्रों में विस्तार करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच 12वें दौर की विदेश कार्यालय परामर्श बैठक बुधवार को दक्षिण अफ्रीका की राजधानी प्रिटोरिया में हुई। बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं की समीक्षा की और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में पूर्वी एवं दक्षिणी अफ्रीका विभाग के संयुक्त सचिव जनेश कैन ने किया। दक्षिण अफ्रीका प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं सहयोग विभाग के कार्यवाहक उप महानिदेशक राजदूत डेविड मैल्कमसन ने किया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

युवाओं को गुमराह कर रही मसाला फिल्म रामायण पर भड़के नीतीश भारद्वाज

फिल्म 'रामायण' को फैंस और सेलेब्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है। बीआर चोपड़ा की महाभारत में भगवान कृष्ण का किरदार निभाने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज ने फिल्म की सोशल मीडिया पर काफी आलोचना की है। मशहूर टीवी सीरियल महाभारत में कृष्ण का किरदार निभा कर अभिनेता नितीश भारद्वाज ने दर्शकों के बीच अपनी छाप छोड़ दी थी। मगर हाल ही में रिलीज हुई नितेश तिवारी की फिल्म 'रामयण' से नितीश काफी निराश हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फिल्म के तथ्यों पर कई सवाल उठाये हैं। इसमें महाकाव्य के लेखक से लेकर रावण के वंश तक कई बातें हैं। इतना ही नहीं उन्होंने फिल्म को नई पीढ़ी के लिए इसे सिर्फ मसाला फिल्म बताया। इसके साथ ही उन्होंने सही तथ्यों पर लिखी गई किताबें पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित किया। अपनी पोस्ट में नितीश भारद्वाज ने कहा, 'फिल्म में बताया गया कि रामायण का कोई भी एक लेखक नहीं है। मगर यह बात सही नहीं है। मेरे विचार से वाल्मिकी इस काव्य के लेखक हैं। रामायण के दूसरे वर्जन क्रिएट किये गये हैं। भूगोल के आधार पर अलग-अलग तरीकों से इसे अन्य लेखकों मे दर्शाया है।' नितिश भारद्वाज ने रावण और उसके परिवार के संबंध में भी विचार रखे। उन्होंने लिखा, 'रावण को फिल्म में तीनों लोकों में असुर सम्राज्य की स्थापना करने वाला दिखाया गया। मगर रावण राक्षक संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। यह संस्कृति भौतिक चीजों और साइंस में अच्छी हो सकती है मगर रहेगी वैदिक संस्कृति के विपरीत ही।' आगे अपनी पोस्ट में नितिश ने कहा 'रावण की मां कैकसी के पिता राक्षस सुमाली थे। उन्होंने शादी ऋषि विश्रवा से की थी। रावण को उसके पिता से वैदिक ज्ञान मिला था। मगर मेरे विचारों के हिसाब से उसने शिव तांडव के अलावा उस ज्ञान का कभी उपयोग नहीं किया। फिर अश्वमेघ घोड़े का उपयोग करना उचित नहीं था।' नितिश भारद्वाज ने पोस्ट में अरुण गोविल के अभिनय की तारीफ की। उन्होंने लिखा अरुण ने अपने किरदार राजा दशरथ के साथ पूरा न्याय किया। उनके चेहरे पर किरदार का दुख साफ नजर आ रहा था। अरुण गोविल ने फिल्म की इज्जत बचा ली। पिछले दिनों भी सोशल मीडिया के माध्यम से नीतीश ने फिल्म की आलोचना की थी। इंस्टाग्राम पर नीतीश ने लिखा, रामायण भारत के डीएनए में बसी है। रामायण सिर्फ एक कहानी नहीं है। यह सनातन भारत की सभ्यता और आध्यात्मिक चेतना में गहराई से रची-बसी है।

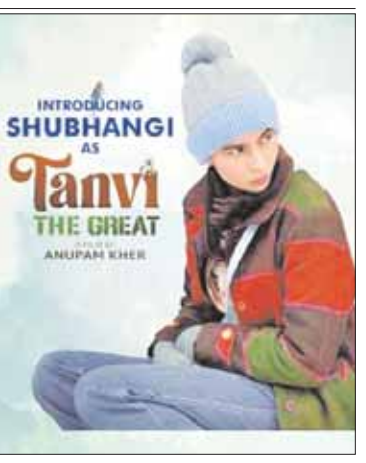




विशाल ददलानी की आवाज में रिलीज हुआ फिल्म प्रताप का गाना मिलके रहेंगे

फिल्म प्रताप के निर्माताओं ने विशाल ददलानी की आवाज में फिल्म का नया गाना मिलके रहेंगे रिलीज कर दिया है। अमित साध और ईशा धर्मेंद्र देओल अभिनीत इस फिल्म का यह भावुक गीत प्यार, रिश्तों की मजबूती, जुदाई के दर्द और दोबारा मिलने की उम्मीद को खूबसूरती से बयां करता है। रोहन-रोहन द्वारा संगीतबद्ध इस गीत के बोल रोहन गोखले ने लिखे हैं। गाना फिल्म की भावनात्मक कहानी और अपनों के बीच के अटूट रिश्तों को दर्शाता है। गीत को लेकर अमित साध ने कहा कि मिलके रहेंगे प्यार, प्रतिबद्धता और अपनों से किए गए वादों की खूबसूरत भावना को व्यक्त करता है। दो दिल कभी वास्तव में एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते, यह ऐसा एहसास है जिससे हर कोई जुड़ाव महसूस कर सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक भी इस गीत की भावनाओं से जुड़ सकेंगे। गीत का अरेंजमेंट और निर्माण रिदम शॉ ने किया है, जबकि रोहन-रोहन ने अतिरिक्त अरेंजमेंट्स किए हैं। रयान डायस ने बैकिंग वोकल्स और कोरस अरेंजमेंट की जिम्मेदारी संभाली है। शादाब रयीन ने गीत की मिक्सिंग और मास्टरिंग की है। 11 नवंबर को रिलीज हुआ यह गाना यूवी म्यूजिक के आधिकारिक यूट्यूब चैनल सहित प्रमुख म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। सचिन सराफ द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म प्रताप की कहानी प्रताप रानाडे (अमित साध) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ताकतवर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट है। उसकी जिंदगी में उस समय अप्रत्याशित मोड़ आता है, जब उसे खुद सलाखों के पीछे जाना पड़ता है। फिल्म में अमित साध के साथ ईशा धर्मेंद्र देओल, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में हैं। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म कर्तव्य, वफादारी, फैसलों और जवाबदेही जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सामने लाती है। फिल्म का संगीत रोहन-रोहन और अफजल अली खान ने तैयार किया है, जबकि मूल बैकग्राउंड स्कोर अफजल अली खान और अरबाज खान का है। फिल्म में शाश्वत सिंह की आवाज में भी गीत शामिल हैं।

बाल दिवस पर ज़ी सिनेमा पर होगा तन्वी द ग्रेट और द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो का प्रीमियर



बाल दिवस के अवसर पर ज़ी सिनेमा दो फिल्मों तन्वी द ग्रेट और द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोः एलियंस का आगमन का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर करने जा रहा है। अनुपम खेर निर्देशित तन्वी द ग्रेट दोपहर 1:30 बजे प्रसारित होगी। फिल्म में शुभांगी दत्त मुख्य भूमिका में हैं। यह ऑटिम स्पेक्ट्रम पर रहने वाली तन्वी के साहस, आत्मविश्वास और सपनों को पूरा करने के संघर्ष की प्रेरक कहानी है। वहीं, मनीष सैनी निर्देशित द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोः एलियंस का आगमन रात आठ बजे प्रसारित होगी। जैकी श्रॉफ अभिनीत यह फिल्म बचों की कल्पनाओं, रोमांच और दादा-पोते के खूबसूरत रिश्ते को दर्शाती है। अनुपम खेर और जैकी श्रॉफ ने बाल दिवस पर दोनों फिल्मों के प्रसारण को लेकर खुशी जताई और परिवारों से साथ बैठकर इनका आनंद लेने की अपील की।

खबर का हुआ असर: लगातार समाचार प्रकाशन के बाद प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्रवाई, पंकज बघेल के परिजनों से मुक्त कराई शासकीय भूमि

पवन कुमार अहिरवार धनोरा स्वतंत्रमत - सिवनी जिले की धनोरा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनवारा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के मामले में आखिरकार प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है।



बीते कुछ दिनों से भाजपा युवा मोर्चा मंडल महामंत्री पंकज बघेल के परिजनों द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए कथित अतिक्रमण को लेकर लगातार समाचार प्रकाशित किए जा रहे थे।

इस मामले को धनोरा स्वतंत्रमत के प्रतिनिधि पवन कुमार अहिरवार द्वारा प्रमुखता से उठाया जा रहा था। लगातार समाचारों के प्रकाशन और मामले के सामने आने के बाद आज दिनांक 12 नवंबर 2026 को तहसीलदार के निर्देशन में आर आई पंकज मेश्राम के नेतृत्व में राजस्व अमले ने पुलिस प्रशासन को साथ में ले जाकर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए पंकज बघेल के परिजनों के कब्जे से शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया।

प्रशासन की इस कार्रवाई को समाचारों के माध्यम से उठाए गए जनहित के मुद्दे का असर माना जा रहा है। लंबे समय से शासकीय भूमि पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी थी। आखिरकार राजस्व विभाग की कार्रवाई से शासकीय भूमि को मुक्त कराने में सफलता मिली।

अब ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। सवाल यह भी है कि ग्राम सुनवारा में अन्य शासकीय भूमियों पर कथित अतिक्रमण के मामलों में प्रशासन कब इसी तरह की तत्परता दिखाएगा।

बेलखेड़ी एवं भाटीवाड़ा के विशाल ईनामी दंगल में पहुंचे सुजीत जैन, विजेता पहलवानों को किया पुरस्कृत

पारंपरिक कुश्ती को बताया ग्रामीण खेल संस्कृति की पहचान, पहलवानों का उत्साहवर्धन कर दंगल प्रेमियों का किया अभिवादन



सिवनी। स्वतंत्र मत। ग्राम बेलखेड़ी एवं भाटीवाड़ा में आयोजित विशाल ईनामी दंगल प्रतियोगिता में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं कटनी जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने अखाड़े में अपनी प्रतिभा, दमखम और कुश्ती कौशल का प्रदर्शन कर रहे पहलवानों का उत्साहवर्धन किया तथा प्रतियोगिता में विजयी रहे पहलवानों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। दंगल मैदान में पहुंचने पर सुजीत जैन ने पहलवानों से परिचय प्राप्त किया और उनके खेल प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने उपस्थित कुश्ती प्रेमियों एवं दर्शकों का आत्मीय अभिवादन भी किया। इस अवसर पर जैन ने कहा कि कुश्ती हमारी पारंपरिक खेल संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित ऐसे आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। साथ ही युवाओं में खेलों के प्रति रुचि, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजन समिति द्वारा सुजीत जैन का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से भव्य स्वागत कर आत्मीय अभिनंदन किया गया। उन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए पहलवानों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, आयोजन समिति के सदस्य, ग्रामीणजन एवं कुश्ती प्रेमी उपस्थित रहे।

किसान ने घायल उल्लू को सुरक्षित रखा छपारा वन परिक्षेत्र वन विभाग को सौंपा

सिवनी। स्वतंत्र मत। किसान ने घायल उल्लू को सावधानीपूर्वक सुरक्षित रखा और छपारा वन परिक्षेत्र कार्यालय पहुंचकर वन विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया। वन विभाग की टीम ने उल्लू की स्थिति का परीक्षण कर उसका प्राथमिक उपचार शुरू कराया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों ने किसान की पहल की सराहना की। अधिकारियों के मुताबिक, स्वस्थ होने के बाद उल्लू को उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा। उल्लू प्रकृति के महत्वपूर्ण जीवों में शामिल हैं। ये चूहे, कीट-पतंगे और अन्य छोटे जीवों का शिकार करते हैं। इससे खेतों में चूहों की संख्या नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।



उल्लू रात में सक्रिय रहते हैं और कम रोशनी में देखने व सुनने की विशेष क्षमता रखते हैं। आज जहां कई बार वन्यजीवों के प्रति लापरवाही देखने को मिलती है, वहीं सौरभ सिंह ठाकुर ने घायल पक्षी को बचाने के लिए तत्परता दिखाकर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी सूझबूझ और समय पर वन विभाग को सूचना देने से घायल उल्लू को उपचार मिल सका।

कोई भी पद सेवा का माध्यम है अहंकार का नहीं-डॉ बिसेन

बालाघाट में आयोजित कार्यक्रमों में महामहिम राज्यपाल का हुआ आत्मीय

सिवनी। स्वतंत्र मत। सिवनी गत दिवस बालाघाट में आज 11 नवम्बर को आयोजित नागरिक अभिनंदन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। राज्यपाल का दायित्व ग्रहण करने के बाद अपने गृहप्रदेश और पूर्व संसदीय क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में पहुंचने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों के प्रति आभार जताया।

इस अवसर पर राज्यपाल डॉ बिसेन ने कहा कि मनुष्य जीवन में कितनी भी ऊंचाइयां प्राप्त कर ले, उसकी जड़ें अपनी माटी, संस्कारों और समाज से जुड़ी रहती हैं। इस क्षेत्र के लोगों का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद उनकी जीवन यात्रा की सबसे बड़ी ताकत रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा से शुरू हुई उनकी सार्वजनिक जीवन की यात्रा में विधायक, मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और लोकसभा सदस्य के रूप में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने का अवसर मिला। आज उत्तराखण्ड के राज्यपाल के रूप में संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करना मेरे लिए गौरव के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और उत्तराखण्ड दोनों प्रदेशों की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रभक्ति की भावना समृद्ध है। मध्य प्रदेश की इस धरती से मिले संस्कारों और जीवन मूल्यों को आत्मसात करते हुए उनका प्रयास शिक्षा, शोध, युवा सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याण के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना है।

समारोह में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की विभिन्न परीक्षाओं में चयनित अभ्यर्थियों को



सम्मानित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवाओं की सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और धैर्य का परिणाम है। अब वे शासन-प्रशासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे पद को सेवा का माध्यम बनाएं, अहंकार का नहीं और अपने कार्यों में समाज के अंतिम व्यक्ति की जरूरतों को प्राथमिकता दें। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए युवाओं से आत्मविश्वास, चरित्रबल और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सफलता केवल किसी पद को प्राप्त करने में नहीं, बल्कि अपने ज्ञान और सामर्थ्य से समाज एवं राष्ट्र के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में है। उन्होंने बेटियों को शिक्षा और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल डॉ बिसेन ने ग्राम गर्रा के सरपंच वैभव बिसेन द्वारा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में स्थापित ई-लाइब्रेरी की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पुस्तकालय ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधन, अध्ययन सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होगा। इससे ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और अध्ययन की संस्कृति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवा शक्ति, नारी शक्ति, किसान शक्ति और ज्ञान शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। युवाओं को ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और नई तकनीक के क्षेत्रों में आगे आना चाहिए। अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र में मिले सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वे इस अभिनंदन को अपनी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता के विश्वास, आशीर्वाद और आत्मीयता का प्रतीक मानते हैं। उन्होंने युवाओं से अपने संस्कारों और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए अपनी प्रतिभा को समाज और राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने का आह्वान किया।

बनेरा में मिला नवजात बालक, मानवता शर्मसार

शाम के अंधेरे में मासूम के रोने की आवाज सुनकर महिला पहुंची मौके पर

बिना कपड़ों के पड़ा था नवजात, पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

बालाघाट। जिस मां ने नौ माह तक अपनी कोख में रखकर उसे दुनिया में लाने का इंतजार किया, उसी मां ने जन्म के चंद घंटे बाद ही अपने जिगर के टुकड़े को लावारिस हालत में छोड़ दिया। जिंदगी की शुरुआत करने वाले नन्हे कदमों को सहारा देने के बजाय उसे मौत के मुंह में छोड़ दिया गया। मानवता को झकझोर देने वाली यह घटना कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम बनेरा में सामने आई है। यहां 11 नवंबर की शाम एक नवजात बालक ताराचंद लांजेवार की बाड़ी में तुअर (अरहर) के पेड़ के नीचे लावारिस हालत में मिला।

जानकारी के अनुसार, शाम के समय गांव की एक महिला को बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आवाज की दिशा में आगे बढ़ते हुए जब वह मौके पर पहुंची तो वहां का दृश्य देखकर सहम गई। तुअर के पेड़ के नीचे एक नवजात बालक बिना कपड़ों के पड़ा हुआ था। उसके पैरों में घास से कटने के निशान दिखाई



दे रहे थे और वह लगातार रो रहा था। बताया जा रहा है कि बालक को जन्म हुए महज कुछ घंटे ही हुए होंगे। मासूम को इस हालत में देखकर महिला का दिल पसीज गया। उसने बिना देर किए नवजात को अपनी गोद में उठाया और घर लेकर पहुंची। इसके बाद आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने नवजात को अपने संरक्षण में लेकर कटंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि फिलहाल बालक स्वस्थ है। इधर, पुलिस नवजात को जन्म देने वाले माता-पिता की तलाश में जुट गई है। आखिर किन परिस्थितियों में मासूम को इस तरह अकेला छोड़ दिया गया, यह जांच का विषय है। यह घटना कई सवाल छोड़ गई है। जिस बच्चे ने अभी दुनिया को ठीक से देखा भी नहीं, उसे खुले आसमान के नीचे कीड़े-मकोड़ों और दूसरे खतरों के बीच छोड़ दिया गया। न तन पर कपड़ा, न सिर पर छत और न ही किसी का सहारा। यदि समय रहते महिला को उसके रोने की आवाज सुनाई नहीं देती तो न जाने उस मासूम के साथ क्या अनहोनी हो जाती।

गनीमत रही कि एक महिला की संवेदनशीलता ने उसे समय पर देख लिया और उसकी जान बच गई। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले लांजी क्षेत्र में भी इसी तरह की घटना सामने आई थी, जहां एक नवजात बालिका को सड़क किनारे तालाब के पास लावारिस छोड़ दिया गया था। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाएं समाज को झकझोर रही हैं। सवाल सिर्फ इतना है कि जिन मासूमों को दुनिया में लाने के बाद उनकी देखभाल की जिम्मेदारी होती है, उन्हें इस तरह बेसहारा छोड़ने की नौबत आखिर क्यों आ रही है?

आज ग्राम लाडसा में लगेगा जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर

बालाघाट। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत 13 नवंबर को लांजी विकासखंड के ग्राम लाडसा में जिला स्तरीय जन-विश्वास शिविर आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में होने वाले इस शिविर में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे और आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों का निराकरण करेंगे। शिविर के पूर्व अधिकारियों को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिविर में नए आवेदनों पर भी यथासंभव मौके पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नामांतरण, सीमांकन, फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड, समग्र ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, खाद-बीज वितरण और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की समीक्षा होगी।

जिला कांग्रेस ने मनाई अब्दुल कलाम एवं स्व. ठा. हरवंश सिंह की जयंती



सिवनी। स्वतंत्र मत। देश के महान् स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम आजाद एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व त्रिविभागीय मंत्री विधानसभा उपाध्यक्ष स्व. ठा. हरवंशसिंह की जन्म जयंती जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी में मनायी गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजा बघेल एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष हाजी मो. असलम खान ने स्व. कांग्रेस नेताओं के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीपप्रज्जवलित कर पुष्पअर्पित किया, तत्पश्चात उपस्थित कांग्रेस जनों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर जेपीएस तिवारी, मो. हनीफ खान, सुरेन्द्र करोसिया, साबिर अंसारी, अतुलचंद मालू, विष्णु करोसिया, प्रकाश सूर्यवंशी, यशपाल भलावी, राजिक अकील, रंजीत यादव, शिव सनोडिया, आदित्य मोन्टू भूरा, घनश्याम सनोडिया, गिडियन टी सिंह, एड़ राजगोस्वामी, शिवदीप डहेरिया, विनोद यादव, कैलाश अवधिया, विनोद नामदेव, ठा. जयप्रकाश सिंह परिहार, ठाकुर सिंह डहेरिया, ईश्वरसिंह राजपूत, नब्बू भाई, एड़ मिर्जा फेसल बेग, राजेन्द्र कंगाली, रवि कांवरे, सतेन्द्र बघेल सहित बडी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थि रहें।



आवासीय पट्टे की मांग को लेकर सौपा ज्ञापन

कच्चे आशियानों में कट रहा जीवन पीएम आवास का भी नहीं मिला लाभ

बालाघाट। एक ओर शासन प्रशासन द्वारा वर्षों से सरकारी भूमि पर निवास करने वाले लोगों को पट्टे देकर प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य शासकीय योजना का लाभ दिए जाने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय सहित समस्त तहसील व ऐसे कई ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां अब भी वर्षों से निवास करने वाले गरीबों को आवासीय पट्टे नहीं मिल पाए हैं। जिसके चलते उन्हें शासन प्रशासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।यही नहीं वे पट्टे की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं लेकिन उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत बैहर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत परसामऊ के लगभग 1 सैकड़ा से अधिक ग्रामीण कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुँचे। जिन्होंने ज्ञापन सौपते हुए आवासीय पट्टा के साथ साथ पीएम आवास योजना का लाभ दिए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कि वे पिछले कई वर्षों से शासकीय भूमि पर झोपड़े बनाकर निवास कर रहे हैं, लेकिन उनके पास पक्के मकान नहीं है। कई बार आवेदन निवेदन के बाद भी उन्हें शासन द्वारा आवासीय पट्टे जारी नही किए गए हैं।

65 गांवों में घर-घर जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगी आरबीएसके की 13 टीमें

प्रत्येक गांव का तैयार होगा चाइल्ड हेल्थ रिकॉर्ड



बालाघाट। जिले के बैहर, बिरसा एवं परसवाड़ा विकासखंड के बीमारी से प्रभावित 65 गांवों में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और समय पर बीमारी की पहचान के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत सघन स्वास्थ्य जांच अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 13 विशेष टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें 17 नवंबर तक गांव-गांव पहुंचकर घर-घर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगी। अभियान के दौरान प्रत्येक गांव का अलग चाइल्ड हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जिसमें बच्चों में पाई जाने वाली बीमारियों और उन्हें उपलब्ध कराए गए उपचार का विस्तृत विवरण दर्ज किया जाएगा। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की जिला स्तरीय टीम के साथ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, उमंग परामर्शदाताओं तथा स्वास्थ्य विभाग के समस्त काउंसलरों को शामिल करते हुए संयुक्त टीमों का गठन किया है। प्रत्येक टीम में 6 से 7 चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को शामिल किया गया है। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए 13 सेक्टर बनाए गए हैं और प्रत्येक सेक्टर में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला स्तर पर जिला शीघ्र हस्तक्षेप प्रबंधक आरबीएसके श्री राजाराम चक्रवर्ती को जिला नोडल अधिकारी बनाया गया है।

अभियान के दौरान बच्चों की सिकल सेल स्क्रीनिंग, खून की जांच, एचआईवी, बीपी, शुगर, हेपेटाइटिस, मलेरिया, विडाल टेस्ट, कुष्ठ एवं टीबी की जांच की जाएगी। इसके साथ ही 4डी स्क्रीनिंग के माध्यम से जन्मजात विकृतियों, विकास में देरी, कमियों एवं बचपन की बीमारियों की पहचान की जाएगी। गंभीर बीमारियों में हृदय रोग, कैंसर, किडनी एवं लीवर संबंधी रोगों की भी जांच की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीमें गांवों में घर-घर पहुंचकर बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का आकलन करेंगी। जांच में किसी भी प्रकार की बीमारी सामने आने पर संबंधित बच्चे को आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के साथ जरूरत के अनुसार उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार के लिए रेफर किया जाएगा। यह सघन अभियान आगामी 17 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद 18 नवंबर को कलेक्टर आदित्य सिंह अभियान की समीक्षा करेंगे। इस पहल का उद्देश्य प्रभावित गांवों में बच्चों की बीमारियों की समय रहते पहचान कर उन्हें समुचित उपचार उपलब्ध कराना तथा प्रत्येक गांव की स्वास्थ्य संबंधी वास्तविक स्थिति का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार करना है।



एसपी कार्यालय के बाजू में मिली व्यक्ति की लाश, इलाके में फैली सनसनी

बालाघाट। शहर के संवेदनशील इलाके में स्थित एसपी कार्यालय के बाजू में गुरुवार 12 नवंबर की दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब झाड़ियों के बीच एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव बरामद कर जांच शुरू की। मृतक की पहचान दशरथ पिता लखन यादव (45 वर्ष), निवासी नरसिंह टोला, बैहर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दशरथ यादव की तबीयत खराब होने के कारण परिजनों ने सोमवार को उसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया था। अस्पताल में उसका उपचार चल रहा था। इसी दौरान 11 नवंबर को वह बिना किसी को बताए अस्पताल से कहीं चला गया। काफी देर तक उसके वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इधर, 12 नवंबर की दोपहर करीब 3 बजे एसपी कार्यालय के बाजू में स्थित मैदान में कुछ युवक बैट-बॉल खेलने पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर झाड़ियों में पड़े एक व्यक्ति के शव पर पड़ी। नजारा देखकर युवक घबरा गए और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया।

भाई दूज एवं यमद्वितीया पर श्री चित्रगुप्त मंदिर में भव्य समारोह

कायस्थ समाज की एकजुटता और संगठनात्मक शक्ति देखकर प्रसन्नता हुई- शशांक श्रीवास्तव





कटनी (स्वतंत्रमत)

कायस्थ समाज द्वारा भाई दूज एवं यमद्वितीया का पावन पर्व श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। श्री चित्रगुप्त कायस्थ सभा के तत्वावधान में स्थानीय श्री चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह में धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के साथ सामाजिक एकता, प्रतिभा सम्मान और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। समारोह में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं सहित शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन, राजनीति, पत्रकारिता एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना के साथ हुआ शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान चित्रगुप्त के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजन-अर्चना के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कटनी के पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा अध्यक्ष अनादि निगम ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल खरे एवं राकेश श्रीवास्तव तथा विशेष अतिथि के रूप में रविंद्र बक्शी मंचासीन रहे। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव ने कायस्थ समाज की एकजुटता, संगठनात्मक शक्ति और सक्रिय सहभागिता की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज का इस तरह संगठित होकर अपनी परंपराओं का निर्वहन करना और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना प्रसन्नता का विषय है। ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने के साथ नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन की मजबूती आपसी सहयोग और सामूहिक सहभागिता से ही संभव है।

मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान

समारोह का प्रमुख आकर्षण शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान रहा। इस अवसर पर तान्या श्रीवास्तव, अयांश श्रीवास्तव, रिद्धिमा निगम, मान्या खरे, शिवांक श्रीवास्तव, अदिति श्रीवास्तव, शिवांशु श्रीवास्तव, आन्या सक्सेना, हर्ष गुमास्ता, पलक गुमास्ता, सिद्धि श्रीवास्तव, सृष्टि सिन्हा, पूजा श्रीवास्तव, अंशिका सिंह एवं आदित्य श्रीवास्तव, आदित्य राज निगम को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली प्रतिभाएं सम्मानित

शिक्षा के साथ समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली प्रतिभाओं का भी सम्मान किया गया। चिकित्सा एवं अन्य क्षेत्रों में योगदान के लिए श्रुति खरे एवं डॉ. विशाल खरे, नवनियुक्त एल्डरमैन अमरीश वर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष रवि खरे तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ पत्रकार संजीव श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। समाज की प्रतिभाओं का सम्मान कर उनके योगदान को सराहा गया।

कलम-दवात की परंपरा से नई पीढ़ी को दिया संदेश

कायस्थ समाज की बौद्धिक विरासत और भगवान चित्रगुप्त की आराधना के प्रतीक कलम-दवात पूजन की परंपरा को भी विशेष महत्व दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों को पारंपरिक रूप से कलम प्रदान की गई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, ज्ञान और लेखन की परंपरा कायस्थ समाज की विशिष्ट पहचान रही है। प्रतिभाओं का सम्मान समाज की भावी पीढ़ी को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय संचालन प्रखर वक्ता डॉ. राजेश श्रीवास्तव प्रखर एवं साहित्यकार मनोज निगम ने संयुक्त रूप से किया। दोनों ने अपनी ओजपूर्ण वक्तृत्व शैली और साहित्यिक अभिव्यक्ति से समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में सभा के सचिव हेमंत श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। समारोह में कटनी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कायस्थ समाज के महिला-पुरुष, युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



कटनी के इमलिया रोड आहूजा टाल में लगी भीषण आग

कटनी (स्वतंत्रमत)। माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत इमरिया रोड स्थित आहूजा टाल में भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की सूचना विधायक संदीप जयसवाल द्वारा सुबह 6 बजे नगर निगम राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक को फोन पर दी गई स सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास शुरू कर दिए गए। आग पर गिरे टीन सेड को जेसीबी की मदद से हटाया गया है। दमकल विभाग के वाहन प्रभारी शैलेन्द्र दुबे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आग बुझाने के लिए तीन दमकल वाहनों को मौके पर लगाया गया है। दमकल कर्मियों द्वारा आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल आग लगने के कारणों और उससे हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। आग पर काबू पाने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सम्मान केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि समर्पण, सहयोग और सेवा के प्रति कृतज्ञता का भाव है

कटनी (स्वतंत्रमत)। सर्वशक्ति का उद्देश्य सदैव समाज के जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना, उनके जीवन में खुशियाँ बाँटना और सेवा के माध्यम से मानवता का संदेश देना रहा है। इन दो वर्षों में समिति द्वारा किए गए विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा कार्यों में हमारी महिलाओं ने अपना बहुमूल्य समय, मेहनत और समर्पण दिया है। इसी सेवा यात्रा में एक दिन हम अपनी उन सभी समर्पित महिलाओं के नाम भी करते हैं, जिन्होंने परिवार की जिम्मेदारियों के साथ समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को भी बखूबी निभाया है। क्योंकि हमारा मानना है कि जो महिलाएँ दूसरों के जीवन में खुशियाँ बाँटती हैं, उनके अपने योगदान को भी सम्मान मिलना चाहिए। साथ ही, हमारी यह सम्मान परंपरा केवल समिति की महिलाओं तक सीमित नहीं है।

बरही अग्निकांड की हृदयविदारक त्रासदी ने झकझोरा जनमानस

मिशन चौक पर कैंडल जलाकर छह दिवंगतों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कटनी (स्वतंत्रमत)



बरही में हुए हृदयविदारक अग्निकांड में एक ही परिवार के छह सदस्यों के असमय निधन से पूरे क्षेत्र में शोक और दु:ख का माहौल है। इस दर्दनाक हादसे ने हर संवेदनशील हृदय को झकझोर कर रख दिया है। दिवंगत आत्माओं की स्मृति में मिशन चौक, कटनी में जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी शहर कटनी एडवोकेट अमित शुक्ला के नेतृत्व में कैंडल जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित कांग्रेसजनों एवं नागरिकों ने नम आंखों से दिवंगतों को याद किया और मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एडवोकेट अमित शुक्ला ने कहा कि एक ही परिवार के छह सदस्यों का इस तरह असमय चले जाना अत्यंत पीड़ादायक एवं अपूरणीय क्षति है। दु:ख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना पर शासन-प्रशासन की व्यवस्थाओं और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय पर पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था उपलब्ध होती और फायर ब्रिगेड की गाड़ी तत्काल मौके पर पहुंच पाती, तो संभव है कि छह अनमोल जिंदगियों को बचाया जा सकता था। यह घटना अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। शासन-प्रशासन को इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जवाबदेही तय करनी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी हृदयविदारक घटना दोबारा न हो। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गहरी पीड़ा और चेतावनी है। पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता मिलनी चाहिए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी शहर कटनी एडवोकेट अमित शुक्ला, राकेश जैन कक्का, राजा जगवानी, रजनी वर्मा, अरुण मामा कनोजिया, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी, देवीदीन गुप्ता, मोसुफ़ अहमद बिट्टू, गुलाम जाफर, अजय कोल, संजय गुप्ता, राजकुमार विश्वकर्मा, स्वेता कटारे अदिता वर्मा, सलाहुद्दीन खान, अंशु गुप्ता, मो. फरीद, जॉर्ज डेविड, रमेश अहिरवार, अशोक बहलानी, अभय गौतम, जितेंद्र चौबे, एवं शरद पाल सिंह सहित अन्य कांग्रेसजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर महापौर प्रीति सूरी ने बाबा घाट, बजरंग घाट एवं छपरवाह घाट का किया सघन निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर विशेष सफाई एवं आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)





आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा घाटों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधाए सुरक्षा एवं स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए बुधवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी ने निगम के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ शहर के प्रमुख छठ घाटों का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने बाबा घाट, बजरंग घाट एवं छपरवाह घाट पहुंचकर साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

घाटों पर स्वच्छता एवं प्रकाश व्यवस्था को समय पर करें पूर्ण- महापौर ने निर्देशित किया कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होए इसके लिए सभी घाटों एवं पहुंच मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। घाटों की सीढ़ियों, नदी किनारे एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरे एवं गाद की सफाई कराई जाए। साथ ही घाटों के किनारों एवं आवागमन मार्गों पर चूने की लाइनिंग कराई जाए। महापौर ने घाट परिसर एवं पहुंच मार्गों पर झुकी हुई पेड़ों की टहनियों की छंटाई कराने तथा मच्छरों एवं अन्य कीटों से बचाव के लिए नियमित कीटनाशक दवाओं का छिड़काव एवं फॉगिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही घाटों पर पुताई का कार्य भी समय-सीमा में पूर्ण कराने को कहा।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए रेलिंग निर्माण हेतु तैयार करें प्रस्ताव- महापौर ने भविष्य में भी श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए बजरंग घाट एवं छपरवाह घाट में रेलिंग लगाए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित उपयंत्रियों को दोनों घाटों में रेलिंग निर्माण कार्य हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि आगामी समय में नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर रेलिंग निर्माण कराया जा सके और घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। महापौर ने कहा कि छठ महापर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिवार सहित घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करना सुनिश्चित करें, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य डॉ. रमेश सोनी एवं सुभाष साहू, क्षेत्रीय पार्षद संतोष शुक्ला, प्रभा गुप्ता एवं शकुंतला सोनी, सहायक यंत्री मोना करेरा, उपयंत्री जे.पी. सिंह बघेल, राजललित गुमास्ता, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी निशांत कनौजिया सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

संगठन ने जताया विश्वास, जिम्मेदारी का मिला नया दायित्व

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग द्वारा संगठनात्मक विस्तार एवं आगामी अभियानों के प्रभावी संचालन के उद्देश्य से क्लस्टर प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। इसी क्रम में कटनी निवासी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष शशांक गुप्ता गोलू को सतना, शहडोल एवं सिंगरौली जिलों का क्लस्टर प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं प्रदेश सोशल मीडिया अध्यक्ष चंचलेश व्यास के नेतृत्व में की गई है। शशांक गुप्ता गोलू को मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। उनकी जिम्मेदारी इन जिलों में सोशल मीडिया संगठन को मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रमुखता से उठाने तथा कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने की होगी।



दो घंटे जाम में जूझता रहा शहर चांडक चौक में फंसे रहे हजारों वाहन

मिशन चौक और नदीपार तक लगीं रहीं कतारें

कटनी (स्वतंत्रमत)। गुरूवार की शाम शहर जाम से जूझता रहा। दोपहर से लेकर शाम और रात तक हजारों लोग जाम से जूझते रहे। स्थिति यह रही कि चांडक चौक में जाम लगने की वजह से हजारों की तादात में वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिसकी वजह से लोगों को काफी दिकतों का सामना करना पड़ा। जाम लगने के बाद यातायात पुलिस ने मोर्चा संभाला। इस दौरान दुपहिया वाहन चालकों द्वारा गलत दिशा से आने की वजह से पुलिस को जाम खुलवाने में काफी मशकत करनी पड़ी। जाम लगने का मुख्य कारण चाण्डक चौक में स्टापर लगाया जाना बताया जा रहा है। बताया जाता है कि चांडक चौक में अव्यवस्थित



स्टापर लगाये जाने से जाम की स्थिति निर्मित हुई। दोपहर में भी भीषण जाम लगा रहा। मिशन चौक तक वाहनों की कतार लग गई। उधर बस स्टैण्ड तक ब्रिज के ऊपर एवं चांडक चौक ढलान कैलवारा पुल में जालपा मढ़िया तक वाहन फंसे रहे। चाण्डक चौक में यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह और मिशन चौक में कोतवाली टीआई राखी पांडे ने स्टाफ के साथ काफी मशक्कत करते हुए जाम खुलवाया, तब कहीं जाकर यातायात सुचारू हो पाया।

नशे के अवैध कारोबार पर एनकेजे पुलिस का प्रहार

3 किलोग्राम गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

जप्त गांजे की अनुमानित कीमत 60 हजार रुपये

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रत्नेश मिश्रा के पर्यवेक्षण में जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर अंकुश लगाने हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना एनकेजे पुलिस ने 3 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 10 नवम्बर को थाना एनकेजे पुलिस टीम क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान मुंगाबाई छपरवाह तिराहा आमरोड के पास एक व्यक्ति सफेद रंग का थैला एवं नीले रंग की पन्नी लेकर बैठा दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह घबराकर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में



आरोपी ने अपना नाम शनि उर्फ कुलदीप कुशवाहा, निवासी प्रेमनगर, कटनी बताया। आरोपी के कब्जे में रखे थैलों की तलाशी लेने पर उनमें कुल 3 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 60,000 रुपये है। आरोपी का कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत पाए जाने पर उसके विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल कटनी भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी- शनि उर्फ कुलदीप कुशवाहा पिता राजेन्द्र कुशवाहा, निवासी प्रेमनगर, थाना एनकेजे, कटनी। जप्त सामग्री- अवैध मादक पदार्थ गांजा 3 किलोग्राम अनुमानित कीमत- 60,000 रुपये। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रुपेन्द्र राजपूत, सहायक उपनिरीक्षक बालगोविंद प्रजापति, प्रधान आरक्षक राजकुमार शर्मा, आरक्षक अर्पित पटेल, रणविजय सिंह, अनमोल सिंह, उमेश सिंह एवं ओमशिव तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

कार्यालय नगरपालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्रमांक /2583/ लो.नि.वि./निर्माण/2026 — कटनी, दिनांक 04-11-2026

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतू केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https:/mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत रुपए में	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
01.	2026_UAD 547815_1	जोन क्रमांक 06 में स्थित विभिन्न शासकीय स्कूल में निर्माण एवं मरम्मत कार्य। (वार्ड क्रमांक 41,42,43 एवं 44)	60 Day 9,87,017/-	2000/- 9.870/-	20/11/2026
02.	2026_UAD 547815_2	जोन क्रमांक 05 में स्थित विभिन्न शासकीय स्कूल में निर्माण एवं मरम्मत कार्य। (वार्ड क्रमांक 30,32,34 एवं 37)	60 Day 9,76,869/-	2000/- 9,768/-	20/11/2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किय जाएगा।

कार्यपालन यंत्री
वास्ते-आयुक्त
नगरपालिक निगम, कटनी

यूथ ओलिंपिक में भारत को पहली बार बॉक्सिंग का गोल्ड

अंबेकर मीतेई ने 50 केजी कैटगरी में मेडल जीता, फाइनल में आयरिश खिलाड़ी को हराया

नई दिल्ली

यूथ ओलंपिक में पुरुषों की 50 किलोग्राम बॉक्सिंग इवेंट में भारत के लारेनलकपम अम्बेकर ने गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। लारेनलकपम अम्बेकर ने फाइनल मुकाबले में आयरलैंड के आयरलैंड के क्रिस्टियन जुबानी को हराकर ये बड़ी कामयाबी हासिल की और यूथ ओलंपिक में ये किसी भी भारतीय बॉक्सर का पहला गोल्ड मेडल रहा। लारेनलकपम अम्बेकर ने जीता गोल्ड मेडलफाइनल मुकाबले में लारेनलकपम अम्बेकर मीतेई ने क्रिस्टियन जुबानी को 3-2 के अंतर से हराया। ये मुकाबला काफी करीबी था जिसमें तीन जजों ने लारेनलकपम अम्बेकर के पक्ष में स्कोर किया जबकि दो जजों ने अपना फैसला आरलैंड के बॉक्सर के पक्ष में सुनाया। फाइनल मैच का पहला राउंड आयरलैंड के बॉक्सर



के पक्ष में रहा जिसमें सभी पांचों जजों ने उसे पक्ष में फैसला सुनाया जबकि दूसरे राउंड में लारेनलकपम अम्बेकर ने शानदार वापसी की और तीन जजों ने उनके पक्ष में स्कोर किया।इस मैच का तीसरा राउंड निर्णायक साबित हुआ और लारेनलकपम अम्बेकर को पांच में से 4 जजों का समर्थन मिला और उन्होंने अपनी जीत पक्की कर ली और गोल्ड मेडल जीता। ये यूथ ओलंपिक में बॉक्सिंग के खेल में भारत का पहला गोल्ड मेडल रहा और इस प्रतियोगिता में बॉक्सिंग में देश का यह कुल मिलाकर दूसरा पदक है।

भारत के लिए बड़ी कामयाबी

इससे पहले शिव थापा ने 2010 यूथ ओलंपिक में भारत के लिए रजत पदक जीता था। यह गोल्ड मेडल मौजूदा यूथ ओलंपिक में भारत के अभियान के लिए एक बड़ी कामयाबी है। लारेनलकपम अम्बेकर की इस जीत से पहले भारतीय दल ने अलग-अलग खेलों में तीन रजत और पांच कांस्य पदक जीते थे। इस गोल्ड से पहले भारत को बैडमिंटन, जूडो और बीच रेसलिंग में रजत पदक मिले। इसके अलावा भारतीय दल ने तैराकी महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ और वुशू में पांच कांस्य पदक भी हासिल किए। लारेनलकपम अम्बेकर ने इस ओलंपिक में भारत को पहला गोल्ड भी दिलाया।

शेवचेंको ने डिफेंडिंग चैंपियन रूड को हराकर उलटफेर किया

स्टॉकहोम। अलेक्जेंडर शेवचेंको ने बायबिट स्टॉकहोम ओपन में डिफेंडिंग चैंपियन और दूसरी सीड कैस्पर रूड को हराया। कज़ाकिस्तान के क्वालिफायर और एटीपी रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 107 ने नॉर्वे के खिलाड़ी पर 6-7(5), 6-4, 6-3 से जीत हासिल की, जो शेवचेंको की इस सीज़न की दूसरी टॉप-20 जीत है। शेवचेंको, जो 2026 के अपने तीसरे टूर-लेवल क्वार्टर-फ़ाइनल में हैं, ने जीत के बाद कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीतों में से एक है, यह पक्का है। कैस्पर के ख़िलाफ़ जीतना, वह एक सुपर सॉलिड खिलाड़ी है और मुझे लगता है कि वह और भी बेहतर इंसान है। मुझे लगता है कि यह एक शानदार, अच्छा लेवल का मैच था। क्वालिफ़ाई में मैच हुए, मुझे कोर्ट की आदत हो गई। आज मेरे लिए बहुत अच्छा दिन है। पूर्व वर्ल्ड नंबर 10 अर्नेस्ट्स गुलबिस के कोच बॉक्स में होने के कारण, शेवचेंको ने दो घंटे, 17 मिनट की जीत के रास्ते में 50 विनर्स लगाए। 25 साल के शेवचेंको क्वार्टर-फ़ाइनल में अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे से भिड़ेंगे। टॉप सीड टेलर फ़िट्ज़, जो पांच साल में पहली बार स्टॉकहोम लौटे थे।

10 साल की ईरा ने बनाए 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनीं

नई दिल्ली



महाराष्ट्र के बुलढाणा की 10 साल की ईरा आदित्य राउत ने स्कूबा डाइविंग में एक दिन में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 10 साल, 17 घंटे और 35 मिनट की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया। ईरा ने यह उपलब्धि अंडमान-निकोबार के शहीद द्वीप स्थित डाइव ट्राइब सेंटर में हासिल की। उनके माता-पिता दोनों भारतीय नौसेना में कमांडर हैं।ईरा की स्कूबा डाइविंग योग्यता को अंतरराष्ट्रीय संस्था स्कूबा स्कूल्स इंटरनेशनल ने प्रमाणित किया है। वहीं, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक अरविंदर सिंह भाटी ने मौके पर उनके सभी 6 रिकॉर्ड की जांच कर पुष्टि की। जानकारी अनुसार ईरा ने सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने के अलावा पानी के अंदर कई रिकॉर्ड बनाए। इनमें तीन रिकॉर्ड टीनएज से कम उम्र के प्रतिभागियों की कैटेगरी में दर्ज हुए।पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा स्कूबा डाइविंग हैंड सिग्नल दिखाने का रिकॉर्ड।पानी के नीचे सबसे ज्यादा डाइविंग उपकरणों की पहचान करने का रिकॉर्ड। पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रिकॉर्ड।स्कूबा डाइविंग के दौरान सबसे ज्यादा समुद्री जीवों की प्रजातियों की पहचान करने का रिकॉर्ड।एक ही दिन में 6 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का कीर्तिमान।ईरा के पिता कमांडर आदित्य राउत और मां कमांडर स्नेह बुडाकोटी भारतीय नौसेना में सेवाएं दे रहे हैं। उनके दादा अशोक राजाराम राउत भी नौसेना में कमांडर रह चुके हैं। ईरा का परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले का रहने वाला है। ईरा फिलहाल कर्नाटक के कारवार स्थित नेवल चिल्ड्रन स्कूल में कक्षा 5वीं की छात्रा हैं। नौसेना से जुड़े परिवार में पली-बढ़ीं ईरा ने कम उम्र में ही स्कूबा डाइविंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स में रुचि दिखाई।



भारत-पाकिस्तान फिर अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-19 टीम एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई है। 14 नवंबर को खिताबी मुकाबले में भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। दोनों टीमें पिछली बार भी एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने थीं, जहां पाकिस्तान ने भारत को 191 रन से हराया था। गुरुवार को ओमान के मस्कट में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने अफगानिस्तान को 8 विकेट से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 9 विकेट से मात दी। अफगानिस्तान ने भारत को 228 रन का लक्ष्य दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 227 रन बनाए। जवाब में भारत ने 36.5 ओवर में 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।भारत टूर्नामेंट का पिछला 2 फाइनल हारा है। 2024 में उसे बांग्लादेश के खिलाफ हार मिली थी। वहीं 2025 में पाकिस्तान ने 191 रन के बड़े अंतर से भारत को हराया था। हालांकि ओवरऑल भारत ने इस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 8 बार जीता है।सेमीफाइनल में भारत के लिए आर्यवीर सहवाग ने 57 बॉल पर 51 रन बनाए। वहीं कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 93 रन की पारी खेली। वीके विनीत 57 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने छक्का लगाकर जीत दिलाई।इससे पहले, अफगानिस्तान की ओर से नुमान सालारजई और शाह फैसल रहीमी ने 51-51 रन की पारियां खेलीं। भारत की ओर से ईशान सूद सबसे सफल गेंदबाज रहे।

ब्रिस्बेन हीट ने मेलबर्न स्टार्स को आठ विकेट से हराया

मेलबर्न

जॉर्जिया रेडमेन (74) और ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (52) ब्रिस्बेन हीट ने मेलबर्न स्टार्स को हराकर वूमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में लगातार तीसरी जीत हासिल की। जीत के लिए 166 रन का पीछा करते हुए, कप्तान जॉर्जिया रेडमेन और ओर्ला प्रेंडरगैस्ट के बीच नाबाद 105 रन की पार्टनरशिप ने हीट को सात गेंद बाकी रहते आठ विकेट से जीत दिला दी।

पहले बल्लेबाजी करने करने उतरी स्टार्स की ओपनर्स ने 108 रन की पार्टनरशिप करके शुरुआत की। कप्तान मेग लैनिंग ने 14वें ओवर में सारा ग्लेन की गेंद पर आउट होने से पहले 52 रन बनाए, जबकि एमी जोन्स ने 19वें ओवर में सियाना जिंजर की गेंद पर आउट होने से पहले 74 रन बनाए। जॉर्जिया प्रेस्टविज की आठ गेंदों में 20 रन की तेज़ पारी ने स्टार्स को आखिरी समय तक संभाला,



लेकिन ओपनिंग पार्टनरशिप के अलावा कोई और बड़ा योगदान नहीं दे सका। हीट को शुरुआत में ही झटका लगा, दूसरे ओवर में ग्रेस हैरिस आउट हो गईं, लेकिन चार्ली नॉट और रेडमेन के बीच 47 रन की साझेदारी ने उन्हें पटरी पर बनाए रखा। नॉट सातवें ओवर में एनाबेल सदरलैंड का शिकार हुईं, जिससे प्रेंडरगैस्ट क्रीज पर आईं। इसके बाद स्टार्स को ज़्यादा राहत नहीं मिली क्योंकि दोनों बैट्समैन ने अटैक किया।

रेडमेन और प्रेंडरगैस्ट ने मिलकर 18 चौके और एक छक्का लगाया और क्रमश: 74 और 52 रन बनाकर नॉट-आउट रहे, जिससे हीट ने आठ विकेट से जीत हासिल की। मेलबर्न स्टार्स 20 ओवर में 165/5 (एमी जोन्स 74, मेग लैनिंग 52; सियाना जिंजर 2-22) ब्रिस्बेन हीट से 18.5 ओवर में 166/2 (जॉर्जिया रेडमेन 74, ओर्ला प्रेंडरगैस्ट 52; एनाबेल सदरलैंड 1-32) से 8 विकेट से हार गए।

जेम्स एंडरसन काउंटी टीम सरे से खेलेंगे



नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन 2027 में काउंटी चैंपियनशिप में सरे की टीम से खेलेंगे। 25 साल तक एंडरसन लंकाशायर से जुड़े रहे, लेकिन टीम ने अगले सीजन के लिए उनका कॉन्ट्रैक्ट नहीं बढ़ाया। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके 44 साल के एंडरसन ने 2026 के काउंटी सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 50 विकेट लिए और लंकाशायर के प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए थे।एंडरसन ने लंकाशायर से विदाई के तरीके पर निराशा जताई थी। उन्होंने कहा था- अगर फैसला मेरे हाथ में होता, तो यह रिश्ता इस तरह खत्म नहीं होता। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने भी लंकाशायर के इस फैसले की आलोचना की थी। उन्होंने क्लब के रवैये को अपमानजनक बताया था।

25 साल लंकाशायर में रहे, टीम ने कॉन्ट्रैक्ट नहीं बढ़ाया

अब एंडरसन सरे के साथ अपने करियर का नया अध्याय शुरू करेंगे। यहां उनकी मुलाकात इंग्लैंड के पूर्व साथी एलेक स्टीवर्ट से होगी, जो फिलहाल सरे मेंस क्रिकेट के डायरेक्टर हैं।

अक्टूबर 2026 में खुदरा महंगाई 6.09 प्रतिशत पर पहुंची

खाद्य महंगाई 8.94 प्रतिशत, आरबीआई पर ब्याज दर बढ़ाने का दबाव होगा

नयी दिल्ली

खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी के बीच देश के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर 2026 में बढ़कर 6.09 प्रतिशत (अनंतिम) पर पहुंच गयी। इससे पिछले माह सितंबर में यह 5.54 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की महंगाई दर अक्टूबर में 8.94 प्रतिशत दर्ज की गयी जो कि एक माह पहले महीने यह 7.74 प्रतिशत थी। अक्टूबर में सामान्य खुदरा मूल्य सूचकांक (सीपीई) 110.05 और खाद्य वस्तुओं का खुदरा मूल्य सूचकांक 113.23 अंक रहा। बढ़ती मुद्रास्फीति को देखते हुए आरबीआई दिसंबर की समीक्षा में अपनी मौद्रिक नीति को और सख्त करने और मुद्रास्फीति में एक-के-बाद-एक, दूसरी बार नीतिगत दर में 0.25 की और वृद्धि कर सकता है।



सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2026 में ग्रामीण महंगाई 6.63 प्रतिशत रही, जबकि शहरी महंगाई 5.41 प्रतिशत दर्ज की गई। दोनों क्षेत्रों में खाद्य महंगाई ऊंचे स्तर पर बनी रही। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 9.09 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 8.68 प्रतिशत रही। अक्टूबर में रेस्त्रां और ठहरने के किरायों में सालाना आधार पर 10.06 प्रतिशत वृद्धि रही जबकि पर्सनल केयर और सोशल प्रोटेक्शन वर्ग की वस्तुओं की मुद्रास्फीति 10.14 प्रतिशत रही।

अक्टूबर में प्याज के दाम सालाना आधार पर 116.22 प्रतिशत ऊपर थे जबकि ,लहसुन लहसुन 60.74 प्रतिशत और अदरक और नींबू के खुदरा भाव औसतन 48.32 प्रतिशत और 47.30 प्रतिशत ऊपर दर्ज किये गये। चांदी के आभूषणों की महंगाई भी 52.39 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर रही। माह के दौरान परिवहन वर्ग की मुद्रास्फीति 5.84 प्रतिशत तथा आवास, पानी, बिजली, गैस और अन्य ईंधन वर्ग में महंगाई दर 2.90 प्रतिशत रही। इस दौरान आलू , फल गोभी और नारियल की कीमतों में सालाना आधार पर 14.24 प्रतिशत , 10.57 प्रतिशत और 5.60 प्रतिशत की गिरावट रही। पीएचडी वाणिज्य उद्योग मंडल ने इन आंकड़ों पर कहा, इससे संकेत मिलता है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव व्यापक स्तर पर बना हुआ है। पीएचडी उद्योग मंडल के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने इन आंकड़ों पर कहा, अक्टूबर में खुदरा महंगाई बढ़कर 6.09 प्रतिशत और खाद्य महंगाई 8.94 प्रतिशत पर पहुंचना इस बात को रेखांकित करता है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों पर करीबी नजर रखना बेहद जरूरी है। विभिन्न श्रेणियों में महंगाई का रुझान अलग-अलग बना हुआ है, लेकिन उपभोक्ता खर्च में खाद्य पदार्थों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी को देखते हुए इस घटक पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

टाटा पावर ने संजय बंगा को अगला सीईओ नियुक्त किया

मुंबई। टाटा समूह की ऊर्जा कंपनी टाटा पावर ने संजय बंगा को अगला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने बुधवार को उनकी नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की। उन्हें आज से अतिरिक्त निदेशक का पद दिया गया है और सीईओ नामित बनाया गया है। वह 01 मई 2027 से सीईओ का पदभार संभालेंगे। टाटा पावर ने बताया कि श्री बंगा कार्यकाल पांच साल का होगा। वह 30 अप्रैल 2032 तक पद पर रहेंगे। वह श्री प्रवीर सिन्हा का स्थान लेंगे जो कंपनी के मौजूदा सीईओ एवं प्रबंध निदेशक हैं। श्री बंगा इस समय टाटा पावर रिन्युएबल एनर्जी लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी हैं। वह पहले टाटा पावर के पारेषण एवं वितरण कारोबार के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह टाटा पावर डेल्ही डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के सीईओ भी रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी में प्रशिक्षु अभियंता के तौर पर करियर की शुरुआत करने वाले श्री बंगा टाटा पावर के अलावा रिलायंस एनर्जी में भी काम कर चुके हैं।

इस साल व्यापार मेले में 600 स्टार्ट अप्स के साथ साथ 3500 व्यापारिक इकाइयां होंगी शामिल



नयी दिल्ली। इस बार प्रगति मैदान में 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में करीब 600 स्टार्ट अप्स के साथ साथ 3500 व्यापारिक इकाइयां शामिल होंगी। प्रगति मैदान में इस साल विकास और विरासत थीम पर आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का उद्घाटन शुक्रवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल करेंगे। हांलाकि व्यापार मेले में कारोबार की शुरूआत 14 नवंबर से होगी। मेला 14 नवंबर से 18 नवंबर तक कंपनियों के बीच व्यापार (बीटूबी) को बढ़ावा देने के लिए खुला रहेगा। इसके बाद मेला आम जनता के लिए 19 नवंबर से खोल दिया जायेगा जो 27 नवंबर तक चलेगा। भारत व्यापार संवर्द्धन संगठन(आईटीपीओ) के चेयरमैन जावेद अशरफ ने इस मौके पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि व्यापार मेले में बड़ी संख्या में स्टार्ट अप्स शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेले में करीब 600 स्टार्ट अप्स शामिल होंगे। ये स्टार्ट अप्स महानगरों के साथ साथ द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों में सक्रिय हैं। श्री अशरफ ने बताया कि मेले में स्टार्ट अप्स के अलावा सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) की इकाइयों की भी बहुतायत रहेगी। उन्होंने बताया कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग की इकाइयों के उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने पर सरकार का विशेष ध्यान है और इस तरह के मेले से इसे प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने बताया कि मेले में व्यापारिक इकाइयों को दूसरी व्यापारिक इकाइयों और दूसरे लोगों के साथ संपर्क का मौका मिलता है और इससे कारोबार को प्रोत्साहन मिलता है। आईटीपीओ चेयरमैन ने बताया कि इस बार मेले में 11 देश भाग ले रहे हैं। इनमें चीन, ईरान, श्रीलंका, तुर्की, बंगलादेश के अलावा थाईलैंड, घाना, अफगानिस्तान, ट्यूनिशिया, थाईलैंड और नेपाल शामिल हैं।

प्रत्यक्ष कर का शुद्ध संग्रह 11.8 प्रतिशत बढ़कर 14.42 लाख करोड़ पर

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में 01 अप्रैल से 10 नवंबर तक प्रत्यक्ष कर का संग्रह का शुद्ध आंकड़ा 11.8 प्रतिशत बढ़कर 14.42 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। आयकर विभाग ने बुधवार को बताया कि वित्त वर्ष में 10 नवंबर तक प्रत्यक्ष कर का कुल संग्रह 17,50,286 करोड़ रुपये रहा। इसी दौरान विभाग ने 3,08,307 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया। इस प्रकार शुद्ध कर संग्रह 14,41,979 करोड़ रुपये रहा। कुल कर संग्रह में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 14 प्रतिशत और रिफंड में 25.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। आलोच्य अवधि में कॉर्पोरेट कर संग्रह में 16 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। यह राशि एक साल पहले के 6,91,011 करोड़ रुपये से बढ़कर 8,01,472 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। गैर-कॉर्पोरेट कर संग्रह 8,08,049 करोड़ रुपये से 10.7 फीसदी बढ़कर 8,94,716 करोड़ रुपये हो गई। प्रतिभूतियों की खरीद फरोख्त पर कर संग्रह में 51.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 35,682 करोड़ रुपये से बढ़कर 54,078 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

मुनाफा वसूली के लिए बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार की तेजी हुई शांत

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में गुरुवार को आईटी, आटो और रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में मुनाफा वसूली की बिकवाली के दबाव के बीच तेजी बरकरार रही और प्रमुख सूचकांक हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। रुपये की विनिमय दर में हल्की गिरावट से बाजार की धारणा प्रभावित दिखी लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में नरमी का बाजार पर अनुकूल असर दिखा। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों को निवेशकों के समर्थन ने भी बाजार को संभाले रखा । सीमित दायरे के कारोबार में बीएसई30 सेंसेक्स 31.61 अंक यानी 0.04 प्रतिशत की हल्की तेजी से 81,911.01 पर बंद हुआ। कल बाजार 81,879.40 पर बंद हुआ था। सेंसेक्स सुबह गिरावट के साथ 81,762.27 पर खुलने के बाद 11 बजे तक तेजी पर था।कारोबार के दौरान यह ऊपर में 82,325.61 और नीचे में 81,576.15 तक गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 44.30 अंक (0.18 प्रतिशत) की हल्की बढ़त से 25,299 . 35 पर बंद हुआ। निफ्टी

25,213.50 पर खुल कर ऊपर में 25,384.80 और नीचे में 25,142.95 तक गया था। सेसेंक्स के 30 में से एक तिहाई शेयर आज लाभ में और दो तिहाई गिरावट के साथ बंद हुए। लाभ में रहे शेयरों में

प्रमुख सूचकांक की बढ़त नाम मात्र की रही



बजाज फाइनेंस 3.32 प्रतिशत,एसबीआई 2.34 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.17 प्रतिशत लाभ में रहा। अडाणी पोर्ट बजाज फिनसर्व, इटर्नल, अडाणी पोर्ट, एचडीएफसी बैंक और कोटक बैंक भी लाभ में रहे। हिंदुस्तान लीवर में सबसे अधिक 2.92 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। मारुति 1.65 प्रतिशत टूट गया।

प्रमुख सूचकांकों में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार

टीसीएस, महिंदा एंड महिंदा, आईटीसी , पावर ग्रिड, टाइटन और एनटीपीसी जैसे प्रमुख शेयर भी घाटे में बंद हुए। बजाज ब्रोकिंग के अनुसंधान प्रभाग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट पबित्रो मुखर्जी ने कहा, साप्ताहिक सेंसेक्स डेरिवेटिव अनुब ंधों की तिथि गुरुवार को समाप्त होने का दिन होता है। इसके बीच स्थानीय बाजार में प्रमुख सूचकांकों में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। रुपये में मामूली गिरावट ने बाजार की धारणा पर दबाव डाला। हालांकि, एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशकों) की लगातार खरीदारी और ब्रेंट क्रूड की कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने रहने के कारण बाजार का व्यापक रुझान सकारात्मक रहा। निवेशक प्रमुख महंगाई के आंकड़ों से पहले सतर्क नजर आए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा , आज स्थानीय बाजारों में कारोबार लगभग कल के स्तर पर स्थिर बना रहा। वित्तीय और रियल्टी शेयरों में खरीदारी ने आईटी, एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल शेयरों में हालिया तेज उछाल के बाद हुई मुनाफावसूली के असर को संतुलित किया। इससे संकेत मिलता है कि निवेशक व्यापक स्तर पर इंडेक्स में खरीदारी करने के बजाय बड़े शेयरों, विशेषकर वित्तीय क्षेत्र के शेयरों की ओर रुख कर रहे हैं।

सरकार और उद्योग समूहों के साथ काम करने से कई गुना बढ़ती हैं क्षमताएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जर्मनी के बेनेकोर समूह के हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल निर्माण इकाई का वर्चुअली किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि है कि सरकार और उद्योग जब साथ मिलकर काम करते हैं तो उनकी क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। इसी का परिणाम है कि जर्मनी के बेनेकोर समूह के संयंत्र का अगस्त 2024 में भूमिपूजन हुआ था और सिर्फ दो साल में उत्पादन शुरू हो गया। राज्य सरकार जो कहती है, वो करती है और समय पर करती है। इससे औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की नई पहचान बनी है। आज का शुभारंभ जर्मनी की तकनीक और भारत की लगभग सौ साल पुरानी विरासत की साझेदारी है। संयंत्र के पहले चरण में 160 करोड़ रुपये का निवेश है, 300 करोड़ रुपये सालाना कारोबार की क्षमता है, इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोज़गार मिलेगा। यहां माताओं-बहनों और बच्चों की स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी सामग्री का निर्माण होगा, यह उद्योग आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को बेनेकोर प्राइवेट लिमिटेड के भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित संयंत्र के शुभारंभ कार्यक्रम को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।



मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैरिंग हब बन रहा है भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है की देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक मध्यप्रदेश आए। प्रदेश में औद्योगिक मित्र नीतियों के साथ-साथ भूमि के ऑनलाइन आमंत्रण और सिंगल विंडो से मंजूरियों की व्यवस्था के परिणाम स्वरूप मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना है। अब भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्करिंग हब बन रहा है। हमारा समन्वित प्रयास है कि उद्योग युवाओं को प्रशिक्षण दें, उन्हें अपने यहां काम दें ताकि युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेनेकोर समूह के इस संयंत्र के अचारपुरा में स्थापित होने पर स्थानीय विधायक श्री विष्णु खत्री को बधाई दी।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मज़बूत कदम होगा यह उत्पादन

उल्लेखनीय है कि इस संयंत्र में डायपर और सैनिटरी नैपकिन में उपयोग होने वाला हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल तैयार किया जाएगा। अब तक यह मटेरियल बाहर से मंगाना पड़ता था, अब यह देश में ही बनेगा, यह उत्पादन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मज़बूत कदम होगा। संयंत्र पर्यावरण के अनुकूल है, इसमें बॉयलर नहीं है, पानी की बर्बादी बहुत कम होगी, संयंत्र ग्रीन बिल्डिंग मानकों के आधार पर तैयार किया गया है। बेनेकोर की योजना तीन वर्षों में अपनी क्षमता दुगुनी करने की है। अचारपुरा में आयोजित कार्यक्रम में औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के अधिकारी, बेनेकोर समूह के प्रतिनिधि, इंजीनियर और बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे। कार्यक्रम में एमपीआईडीसी के एमडी श्री चंद्रमौली शुक्ला और बेनेकोर समूह के अधिकारी उपस्थित थे।

19 हजार एकड़ में विकसित हो रहे हैं 48 नए औद्योगिक पार्क

प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अधोसंरचना और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। लगभग 19 हजार एकड़ क्षेत्र में 48 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन भूमि आवंटन, सिंगल विंडो व्यवस्था और 30 दिन में व्यवसाय प्रारंभ करने की सुविधा से निवेशकों के लिए प्रक्रियाएं सरल बनाई गई हैं। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं और स्वीकृतियां समय पर मिलें तथा उद्योग शीघ्र उत्पादन प्रारंभ कर सकें। मध्यप्रदेश टेक्सटाइल उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रदेश में 100 से अधिक बड़ी टेक्सटाइल इकाइयां और 43 हजार से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यरत हैं। प्रदेश में 50 हजार करघे और 25 लाख स्पिंडल की क्षमता उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 नवंबर को 1.24 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1,831 करोड़ रुपये से अधिक की राशि करेंगे अंतरित

भोपाल (स्वतंत्र मत)।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार, 13 नवंबर को शिवपुरी जिले के पिछोर से प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त के रूप में 1,831 करोड़ 77 लाख रुपये से अधिक की राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर शिवपुरी जिले में 221 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में की गई थी। योजना के प्रारंभ में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। अक्टूबर 2023 में सहायता राशि बढ़ाकर 1,250 रुपये की गई। इसके बाद नवंबर 2025 से मासिक सहायता राशि में पुन: 250 रुपये की वृद्धि कर इसे 1,500 रुपये कर दिया गया। वर्तमान में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके आधार से जुड़े डीबीटी सक्रिय बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश की स्थानीय निवासी ऐसी विवाहित महिलाएं पात्र हैं, जिनकी आयु आवेदन के कैलेंडर वर्ष में एक जनवरी की स्थिति में 21 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो तथा 60 वर्ष से कम हो। इनमें विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी शामिल हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त करने वाली पात्र महिलाओं को भी योजना के प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत जून 2023 में लगभग सवा करोड़ महिलाओं को प्रथम किस्त का अंतरण किया गया था। अक्टूबर 2026 तक योजना की 41 मासिक किस्तों के माध्यम से पात्र महिलाओं के खातों में 67 हजार 230 करोड़ 96 लाख रुपये की राशि अंतरित की जा चुकी है। नवंबर 2026 में 42वीं किस्त के अंतरण के बाद योजना के प्रारंभ से कुल आर्थिक सहायता राशि बढ़कर लगभग 69 हजार 50 करोड़ 28 लाख रुपये हो जाएगी। योजना के अंतर्गत नियमित मासिक आर्थिक सहायता के अतिरिक्त अगस्त 2023, अगस्त 2024, अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में चार अवसरों पर पात्र महिलाओं को 250 रुपये की विशेष आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के निरंतर और प्रभावी संचालन के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 23 हजार 882 करोड़ 81 लाख रुपये का बजट प्रावधान किया है। योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14 हजार 726 करोड़ 5 लाख रुपये, वर्ष 2024-25 में 19 हजार 51 करोड़ 39 लाख रुपये तथा वर्ष 2025-26 में 20 हजार 318 करोड़ 53 लाख रुपये व्यय किए गए। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अक्टूबर तक 13 हजार 134 करोड़ 97 लाख रुपये की सहायता प्रदान की जा चुकी है। नवंबर की किस्त के अंतरण के बाद चालू वित्तीय वर्ष में कुल सहायता राशि बढ़कर लगभग 14 हजार 954 करोड़ 27 लाख रुपये हो जाएगी।

भय बीते समय की बात, नक्सल प्रभावित रहे गांवों में अब आकार ले रहीं विश्वास और विकास की नई संभावनाएं

100 गांवों के कायाकल्प के लिए 330 करोड़ रुपये की कार्ययोजना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, रोजगार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद से मुक्त हुए बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने की तैयारी है। नक्सलवाद के सफाये के बाद अब सरकार का विशेष फोकस इन क्षेत्रों को सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, पर्यटन और रोजगार की सुविधाओं से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में लाने पर है। इसके लिए 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 330 करोड़ रुपये की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना में 266 करोड़ रुपये के काम मंजूर भी हो चुके हैं। इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयास धरातल पर फलीभूत होने लगे हैं।

यही कारण है कि भय को भुलाकर इस क्षेत्र में अब विश्वास और विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए बदलावों और विकास की संभावनाओं को सामने लाने के लिए गुरुवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), भोपाल एवं जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा संयुक्त मीडिया कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बालाघाट के डीआईजी श्री विनीत जैन ने बताया कि 1239 अभियानों के बाद जिले से नक्सलवाद का खात्माहुआ है। बालाघाट कलेक्टर आदित्य सिंह ने 100 गांवों के चहुंमुखी विकास के तैयार की गई 330 करोड़ रुपए की कार्ययोजना की सिलसिलेवार जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि बालाघाट में क़रीब 35 सालों तक नक्सलवाद एक बड़ी चुनौती रहा।

मार्च 2026 तक पुलिस एवं सुरक्षा बलों ने 1239 अभियान चलाकर जिले से नक्सलवाद का खात्मा किया। अब प्रभावित गांवों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। पिछले पांच वर्षों में 337 करोड़ रुपये की लागत से 35 सड़क और 43 पुल-पुलियों के कार्य कराए गए हैं। इससे 250 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। करीब 90 मोबाइल टावर्स के जरिए यहां संचार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

पत्रकारों पर एफआईआर के विरोध में थाना परिसर में धरना

कवरेज के दौरान दो पत्रकारों पर मामला दर्ज होने से पत्रकारों में आक्रोश, एसडीओपी के माध्यम से एसपी को भेजा ज्ञापन

पथरिया (स्वतंत्र मत)। खबरों के माध्यम से जनहित के मुद्दों को उजागर करना और घटनास्थल से निष्पक्ष कवरेज करना पत्रकारों का दायित्व है लेकिन पथरिया में पत्रकारों की इसी स्वतंत्रता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। कवरेज के दौरान पत्रकारों पर लगातार एफआईआर दर्ज किए जाने के विरोध में गुरुवार को पत्रकारों ने थाना परिसर में धरना देकर पुलिस कार्यवाही के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।मामले की शुरुआत 19 सितंबर 2026 को हुई थी, जब एक अखबार के संवाददाता सचिन खरे के खिलाफ कवरेज के दौरान मामला दर्ज किया गया। इसके बाद 10 नवंबर को एक और अखबार के संवाददाता खिलान पटेल पर भी कवरेज के दौरान पथरिया थाना प्रभारी द्वारा एफआईआर दर्ज की गई। लगातार दो पत्रकारों पर हुई पुलिस कार्यवाही से पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त हो गया।



इसी के विरोध में गुरुवार को नगर के पत्रकार एकजुट होकर पथरिया थाना परिसर पहुंचे और धरना प्रदर्शन करते हुए पुलिस कार्यवाही पर विरोध दर्ज कराया। पत्रकारों का कहना है कि समाचार संकलन और कवरेज के दौरान पत्रकारों पर इस तरह मामले दर्ज होना स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए चिंताजनक है। इससे पत्रकारों के निष्पक्ष काम करने पर दबाव बन सकता है। धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर एसडीओपी प्रिया सिंधी और थाना प्रभारी महेंद्र जगेत मौके पर पहुंचे। उनके माध्यम से पुलिस अधीक्षक दमोह के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया। पत्रकारों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और पत्रकारों पर दर्ज एफआईआर से नाम हटाने की बात कही है। अब देखना होगा कि पत्रकारों की इस नाराजगी और ज्ञापन पर पुलिस अधीक्षक स्तर से क्या कदम उठाए जाते हैं।

इनका कहना है

पत्रकार संघ के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया है, जिसको उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का कार्य पथरिया थाने द्वारा कर दिया जाएगा। इसके उपरांत आवेदन पर निष्पक्ष कार्यवाही होगी।

प्रिया सिंधी,
एसडीओपी पथरिया

नाम जोड़ने हेतु आयोजित होंगे विशेष कैंप

दमोह (स्वतंत्र मत)। फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के अंतर्गत अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर 18-19 आयु वर्ग के पात्र युवा मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामवाली में सम्मिलित किये जाने हेतु 11.12.2026 तक फॉर्म 6 दमोह जिले की विधानसभा क्षेत्र 54 पथरिया, 55 दमोह, 56 जबेरा एवं 57 हटा अंतर्गत मतदान केन्द्रों पर नियुक्त बूथ लेवल ऑफिसर्स द्वारा प्राप्त किये जाने की कार्यवाही संपादित की जा रही है।

बीच सड़क पर बंद हुआ अनाज से भरा ट्रक, आधे घंटे लगा जाम

हटा (स्वतंत्र मत)।

दमोह नाका पर अभिषेक धर्मकांटे के सामने गुरुवार को अनाज से भरा एक ट्रक बीच सड़क पर अचानक बंद हो गया। ढलान पर ट्रक के रुकने से सड़क पर यातायात बाधित हो गया और करीब आधे घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। इस दौरान पन्ना की ओर से आने वाले वाहनों की लंबी कतार लग गई। यहां तक कि एक एम्बुलेंस को भी रास्ता बदलकर चक्कर लगाते हुए निकलना पड़ा। जानकारी के अनुसार अनाज से भरा ट्रक तौल कराने के लिए धर्मकांटे पर पहुंचा था। इसी दौरान ढलान पर ट्रक अचानक बंद हो गया। आगे डिवाइडर और पीछे नाली का चढ़ाव होने के कारण ट्रक को सड़क से हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस बीच दोनों ओर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। जाम में फंसे कुछ वाहन चालकों ने नवोदय विद्यालय तक अपने वाहन पीछे ले जाकर रास्ता बदला और फिर गंतव्य की ओर रवाना हुए। वहीं एम्बुलेंस को भी जाम से निकलने के लिए दूसरा रास्ता अपनाना पड़ा। करीब आधे घंटे तक वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस घटना ने व्यस्त मार्ग पर यातायात व्यवस्था और भारी वाहनों की आवाजाही को लेकर सवाल खड़े कर दिए।



नशे में धुत चालक का तांडव

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। जिले के बिछिया में देर रात नशे में धुत कार चालक ने जमकर तांडव मचाया। बेकाबू कार ने सड़क किनारे खड़ी करीब 10 से 12 गाड़ियों को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके बाद नेशनल हाईवे पर एक बाइक सवार को भी जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना के बाद लोगों ने कार का पीछा किया तो चालक मौके से भागने लगा तेज रफ्तार कार भड़गा हेलीपेड रोड की ओर पहुंची, जहां अनियंत्रित होकर पलट गई कुछ देर बाद कार के सीएनजी टैंक में धमाका हुआ और देखते ही देखते कार में भीषण आग लग गई।

सेना में 17 वर्ष देश सेवा के बाद वन विभाग में निभाई जिम्मेदारी

अब रेलवे में अकाउंट ऑफीसर बने विनोद कुमार दंडोतिया

जबेरा (स्वतंत्र मत)। मेहनत, लगन और कर्तव्यनिष्ठा के दम पर सफलता की नई पहचान बनाने वाले विनोद कुमार दंडोतिया ने अपनी उपलब्धियों से जबेरा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपने सेवाकाल में देश की तीन महत्वपूर्ण सेवाओं में जिम्मेदारियां निभाकर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। विनोद कुमार दंडोतिया ने भारतीय सेना में लगातार 17 वर्षों तक सेवाएं देकर देश की सुरक्षा और राष्ट्र सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सेना में लंबे समय तक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के बाद उन्होंने वन विभाग में सेवाएं दीं। यहां उन्हें वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की सिंगौरगढ़ रेंज में प्रभारी रेंजर के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने लगभग 18 महीने तक इस पद पर रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन किया। अब उनकी सेवायात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। भारतीय रेलवे के डीआरएम कार्यालय में अकाउंट ऑफीसर के पद पर उनकी पदस्थापना हुई है। सेना से लेकर वन विभाग और अब भारतीय रेलवे तक का उनका सफर उनकी मेहनत, अनुभव, अनुशासन और कार्यक्षमता को दर्शाता है। विनोद कुमार दंडोतिया की इस उपलब्धि से जबेरा क्षेत्र में हर्ष और गौरव का माहौल है। एक ही सेवायात्रा में देश की रक्षा, वन एवं वन्यजीव संरक्षण और अब रेलवे की वित्तीय व्यवस्था से जुड़ी जिम्मेदारियों तक पहुंचना निश्चित रूप से सराहनीय है।



फोटो निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के दिये गये निर्देशों के परिपालन में फोटो निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन बैठक अपर कलेक्टर राकेश मोहन त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उक्त आयोजित बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गंधर्व सहित मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों के अध्यक्ष/सचिव/प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

हनुमान मंदिर की दान पेटी चोरी

सीसीटीवी में कैद हुआ मुंह पर लाल कपड़ा बांधे संदिग्ध युवक

हटा (स्वतंत्र मत)।

नगर में पुलिस की लगातार गश्त के बावजूद चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। एक के बाद एक हो रही वारदातों ने पुलिस की कार्यप्रणाली और अपराध नियंत्रण के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पिछले दिनों नवोदय विद्यालय परिसर में पांच शिक्षक आवासों के ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। इस मामले में आरोपियों का सुराग भी नहीं लग पाया था कि अब नवोदय वार्ड के ककरायी स्थित हनुमान मंदिर को चोरों ने निशाना बना लिया। मंदिर का ताला तोड़कर चोर दान पेटी उठा ले गए और उसमें रखी करीब 15 से 20 हजार रुपये की दान राशि चोरी कर ली। चोरी की पूरी गतिविधि मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज में रात्रि करीब एक बजे मुंह पर लाल कपड़ा बांधे एक युवक मंदिर के गेट का ताला तोड़ता दिखाई दे रहा है। वह मंदिर के भीतर प्रवेश करने के बाद सबसे पहले लाइट बंद करता है और फिर दान पेटी उठाकर बाहर ले जाता है। कुछ दूरी पर पेटी रखने के बाद वह दोबारा मंदिर के भीतर जाता हैए लाइट जलाता है और बाहर निकलकर गेट बंद करने के बाद मौके से फरार हो जाता है। एक अन्य सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध युवक रात्रि करीब डेढ़ बजे मोबाइल पर बात करते हुए भी दिखाई दिया है। सुबह करीब 8 बजे मंदिर का ताला टूटा हुआ और दान पेटी गायब मिलने पर वार्डवासी रामकुमार साहू, भगवत गौतम एवं बृजबिहारी ज्योतिषी ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची। उसमें मौजूद सहायक उपनिरीक्षक अरविंद राय ने प्रारंभिक पूछताछ की और वापस लौट गए लेकिन इस दौरान घटनास्थल के आसपास किसी प्रकार की सर्चिंग नहीं की गई। स्थानीय लोगों के अनुसारए मंदिर से कुछ दूरी पर सामने खेत में चोरी की गई दान पेटी पड़ी हुई थी और आसपास उसके सिक्के भी बिखरे हुए थे। इसके बावजूद पुलिस टीम को न तो दान पेटी दिखाई दी और न ही बिखरे सिक्कों पर उसका ध्यान गया।



न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर

रा.प्र.क्र./1315/अ-6/2026-27

आम इश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक वीरेन्द्र तिग्गा पिता स्व. सामुएल तिग्गा नि.म.नं. 3140/1 ए तिवारी बरातघर के पास मानेगांव रांझी ने मौजा रांझी खसरा नं. 123/1/1 रकवा 1200 व.फु./ के आधार पर क्रेता/ खातेदार की मृत्यु दिनांक 27/02/2023 को हो जाने के कारण वारसान हक/क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधरण खसरा/पटवारी/डायवर्सन खसरा अनुसार ग्राम रांझी प.ह.नं. 14 खसरा नं. 123/1/1 रकवा 1200 व.फु./हे. पर सामुएल तिग्गा वल्द मिखाएल तिग्गा पता व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर भूमि स्वामी का नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 19/11/ 2026 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी।

इश्तहार आज दिनांक 5/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 05/11/2026
पेशी दिनांक - 19/11/2026

तहसीलदार
रांझी जबलपुर

सील

माढोताल थाना क्षेत्र में वारदात, जांच में जुटी पुलिस



मकान की राजिस्ट्री और सोने-चांदी के जेवर उड़ा ले गए चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माढोताल थाने में हेमंत रैकवार उम्र 36 वर्ष निवासी संस्कार सिटी, सूरतलाई थाना माढोताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह मुम्बई में था। पड़ोस में रहने वाली मीना वाविस्ताले ने फोन कर के बताया कि उसके घर के गेट दरवाजे के ताले टूटे हुए है। सूचना पाकर वह घर आया तो देखा कि घर के अंदर अलमारी में रखे मकान की राजिस्ट्री की कॉपी, गोल्ड की रिंग 02, एक चैन, चांदी की 01 एक जोड़ी पायल घर में नही मिले। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

पेंशनर्स को मिला रहा डिजिटल और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ



जबलपुर रेल मंडल के विभिन्न स्थानों में लगाए जा रहे शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर मंडल के प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं संबंधित कार्यालयों में पेंशनर्स तथा पारिवारिक पेंशनर्स के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने और नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की गई है। इसमें जबलपुर, सतना, कटनी, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, पिपरिया एवं ब्यौहारी सहित मंडल के विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। ये शिविर 02 नवंबर से 30 नवंबर तक कार्यदिवसों में प्रात: 09 बजे से दोपहर 03 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स मंडल कार्यालय जबलपुर के समाधान केंद्र तथा कटनी, सतना, नरसिंहपुर, ब्यौहारी, दमोह, सागर एवं पिपरिया स्थित संबंधित कार्यालयों में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

62 वर्ष होगी अनुदान प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु

हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला, खारिज की सरकार की अपील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सरकारी सहायता प्राप्त संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु को लेकर मप्र हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे संस्थानों के कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु भी सरकारी कर्मचारियों की तरह 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष मानी जाएगी। केवल इस आधार पर उन्हें बढ़ी हुई सेवानिवृत्ति आयु का लाभ देने से इनकार नहीं किया जा सकता कि वे सीधे सरकारी विभाग में कार्यरत नहीं हैं। दरअसल न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की अदालत ने रीवा के 2 कर्मचारियों की याचिकाएं स्वीकार करते हुए राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी। साथ ही वर्ष 2018 में 60 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त किए गए दोनों कर्मचारियों को 62 वर्ष की आयु तक सेवा में मानते हुए बकाया वेतन और अन्य वित्तीय लाभ 90 दिनों के भीतर देने के निर्देश दिए हैं।



60 साल की उम्र में कर दिया था रिटायर

रीवा नेत्रहीन एवं विकलांग महाविद्यालय समिति, तोपखाना, बिछिया में अशोक कुमार त्रिवेदी और ददोली प्रसाद मिश्रा कार्यरत थे। दोनों को 31 दिसंबर 2018 को 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर सेवानिवृत्त कर दिया गया था। कर्मचारियों ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए मांग की थी कि उनकी सेवानिवृत्ति आयु भी सरकारी कर्मचारियों की तरह 62 वर्ष की जाए। दोनों की याचिकाओं और राज्य सरकार की ओर से दायर मामले पर कोर्ट ने एक साथ सुनवाई की।

वेतन सरकारी खजाने से तो सेवानिवृत्ति आयु का लाभ भी मिले

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने कहा कि जब सहायता प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों का वेतन सरकारी राजकोष से दिया जाता है, तो उनकी सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने के मामले में भी वही सिद्धांत लागू होना चाहिए, जो सरकारी कर्मचारियों के लिए तय किया गया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकारी निगमों और बोर्डों को अपनी वित्तीय स्थिति के आधार पर स्वतंत्र निर्णय लेने की छूट हो सकती है, लेकिन सहायता प्राप्त संस्थानों के कर्मचारियों के साथ केवल उनके संस्थान की प्रकृति के आधार पर अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने दोनों कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 के बजाय 62 वर्ष मानने का आदेश दिया। इसके अनुसार, 31 दिसंबर 2018 को सेवानिवृत्त किए गए दोनों कर्मचारियों को 62 वर्ष की आयु तक सेवा में माना जाएगा। राज्य सरकार को आदेश की तारीख से 90 दिनों के भीतर उनका बकाया वेतन और अन्य देय वित्तीय लाभ देने के निर्देश दिए गए हैं।

बरगी क्रूज हादसा : 6 माह बीते, अब जांच नहीं हुई पूरी

30 अप्रैल को हुई थी घटना, 13 लोगों ने गवाई थी अपनी जान



जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी बांध में 30 अप्रैल को हुए क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत की घटना को 6 माह से अधिक वक्त बीत चुका है। लेकिन हादसे की जिम्मेदारी तय करने के लिए बैठाई गई न्यायिक जांच अब भी अधूरी है। इस हादसे की जांच के लिए 10 मई को राज्य सरकार ने रिटायर्ड हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग गठित किया था। आयोग को 3 माह के भीतर जांच कर अपनी रिपोर्ट सरकार को देनी थी। इसकी मियाद 10 अगस्त को खत्म हो चुकी है, लेकिन 6 माह बीतने के बाद भी जांच पूरी नहीं हो सकी है। अब राज्य सरकार ने आयोग का कार्यकाल 2 माह और बढ़ाते हुए जांच रिपोर्ट सबमिट करने की डेडलाइन 9 जनवरी तय कर दी है।

दिसंबर तक आ सकती है रिपोर्ट

सूत्रों के मुताबिक न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी के घटना स्थल के अलावा बरगी डैम के कुछ और स्पॉट का बारीकी से इंस्पेक्शन करना चाहते थे, जो मानसून के दौरान नहीं हो सका था, इसलिए जांच को आगे बढ़ाया गया। सूत्रों का यह भी दावा है कि जांच प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, लेकिन जांच रिपोर्ट तैयार नहीं हो सकी है। इसलिए आयोग का कार्यकाल 9 जनवरी तक बढ़ाया गया है। संभवत: दिसंबर महीने में आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप सकता है।

श्रीमद्भागवत पुराण कथा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेवानिवृत्त न्यायाधीश एनबी शर्मा परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा पुराण में तीसरे दिन अनुसुइयाजी की कथा में उनकी भक्ति का माहात्म्य कहा गया। कथा का भावपूर्ण पारायण वृन्दावन से पधारे भागवताचार्य संजीव कृष्ण महाराज द्वारा किया जा रहा है। महाराज श्री ने कथा में बताया कि अनुसुइया की भक्ति परीक्षा लेने के लिए भिक्षा मांगने स्वयं ब्रह्मा विष्णु महेश पंहुचे और उनसे कहा कि हम केवल निर्वस्त्र दाता से भिक्षा लेते हैं तब सती ने अपने तपोबल से जान लिया कि ये त्रिदेव हैं तो उन्होंने तीनों को बालक रुप में बदल दिया और फिर निर्वस्त्र होकर भिक्षा दी यही बालरुप कालान्तर में भगवान दत्तात्रेय हुए। कथा पूर्व व्यास पीठ का पूजन संजय शर्मा, मीनल शर्मा ने किया और भोग वितरण सरोज गंगराड़े, रामकली सिंह, दुर्गा बाई, वंदना खरे की ओर से किया गया।

रेलवे स्टेशन के अंदर मोटरसाइकिल लेकर पहुंचा युवक, आरपीएफ ने पकड़ा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 पर एक व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर पहुंच गया। इस दौरान वीआइपी गेट पर ड्यूटी कर रहे होमगार्ड आरक्षक ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी कर मोटरसाइकिल सहित प्लेटफार्म पर प्रवेश कर गया। घटना की जानकारी मिलते ही सक्रिय हुई रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ की टीम ने उसे मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि यह घटना बुधवार रात की है। प्लेटफार्म नंबर 6 के जन आहार गेट पर होमगार्ड आरक्षक रूपेश यादव ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने मोटरसाइकिल लेकर पहुंच रहे व्यक्ति को प्लेटफार्म पर जाने से रोका, लेकिन वह नहीं माना। सूचना पर सहायक उप निरीक्षक धीरज कुमार स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और उसे पकड़कर आरपीएफ पोस्ट ले आए। गनीमत यह रही कि यात्रियों के पैदल आवाजाही के लिए निर्धारित क्षेत्र में मोटरसाइकिल लेकर आरोपित के प्रवेश से कोई क्षति नहीं हुई। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी राजीव खरब ने बताया कि पूछताछ में आरोपित की पहचान रामपुर के शंकर शाह नगर निवासी 39 वर्षीय सौरव मिश्रा के रूप में हुई। उसने प्लेटफार्म पर मोटरसाइकिल खड़ी करने और अनधिकृत प्रवेश की बात स्वीकार की। आरपीएफ ने आरोपित के विरुद्ध रेल अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया।

एएसएफ जवान का मोबाइल लूटने वाले बदमाशों का पुलिस ने निकाला जुलूस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने की पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग गैंग का पर्दाफाश करते हुए सरगना सहित 4



आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपितों का क्षेत्र में जुलूस भी निकाला, ताकि क्षेत्र में अपराधियों में भय और आम लोगों में सुरक्षा का संदेश जाए। बता दें कि एएसएफ जवान प्रदीप पांडे कहीं से आ रहे थे। वह सिविल ड्रेस में थे। इसी दौरान उनके हाथ में रखा मोबाइल कुछ लड़कों ने छीनकर दो गाड़ियों से भाग गए थे। शिकायत पर थाना रांझी में तत्काल मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से संदेहियों की पता-तलाश शुरू की। पकड़े गए आरोपियों के नाम लखन चौधरी, सौरभ चौधरी, विक्की और शिवा चौधरी है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने चारों आरोपितों का रांझी क्षेत्र में जुलूस निकाला। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपित लखन चौधरी नगर में हुए एक बमबाजी के मामले में भी फरार था। इस मामले में भी उसकी गिरफ्तारी की गई है और उसके पास से एक बम भी जब्त किया गया है।बमबाजी के मामले में उसके 3 अन्य साथी भी हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में निकली भव्य युवा संकल्प रैली



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जबलपुर महानगर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रविंद्र तिवारी के नेतृत्व में गुरुवार, 12 नवंबर को शहर में भव्य युवा संकल्प यात्रा निकाली गई। दोपहर एक बजे प्रारंभ हुई इस यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं और मोर्चा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के समापन पर भाजपा संभागीय कार्यालय में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने युवाओं से सीधा संवाद किया और राष्ट्रनिर्माण का संकल्प दिलाया, इस दौरान भाजयुमो के नवनियुक्त महामंत्री श्रीकांत वर्मा कुक्की भी उपस्थित रहे। नवनियुक्त भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविंद्र ने भाजपा संभागीय कार्यालय में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजयुमो महानगर जिलाध्यक्ष रविंद्र तिवारी ने संगठन द्वारा दिए गए दायित्व के प्रति शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

विधि विधान से हुआ भगवान श्री चित्रगुप्त का पूजन-अर्चन

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

कायस्थ महासभा सिहोरा द्वारा यम द्वितीया के पर्व पर श्री चित्रगुप्त मंदिर में भगवान श्री चित्रगुप्त का धार्मिक एवं भक्तिमय आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान श्री चित्रगुप्त का विधि-विधान से पूजन-अर्चन, पाठ, हवन एवं आरती की गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में कायस्थ महासभा के संदीप ब्यौहार, आलोक ब्यौहार, संतोष वर्मा, दीपक ब्यौहार, आशीष ब्यौहार आदि उपस्थित रहे।



स्वामित्व योजना के तहत प्रतिदिन करें एक हजार रजिस्ट्री: कलेक्टर



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने गुरूवार सुबह आयोजित बैठक में स्वामित्व योजना एवं सीएम हेल्पलाइन के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत की जा रही रजिस्ट्री की प्रगति तथा सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की अनुविभागवार स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी अनुविभागीय अधिकारी को स्वामित्व योजना के तहत प्रतिदिन एक हजार रजिस्ट्री करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप रजिस्ट्री का कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में गंभीरता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समय सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

सड़क, नाली निर्माण ना होने से ग्रामीण हो रहे परेशान

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

ग्राम पंचायत पिपरिया के ग्राम पुरैना के रहवासी पिछले कई समय से क्षेत्र में सड़क, नाली निर्माण ना होने की वजह भारी मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है की हमारे ग्राम पंचायत में 25 वर्षों से कोई विकास कार्य नहीं हुआ है गांव में कहीं भी सीसी रोड नजर नहीं आती है नाली निर्माण कार्य भी नहीं हुआ है जिस कारण से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्राम के ब्रज किशोर यादव ने बताया की सरपंच सचिव से ग्राम की रोड एवं नालियों को लेकर कई बार आवेदन दिया गया परंतु आज तक सुनवाई नहीं हुई है।



शमशान जाने के लिए बरसात में दलदल से होकर गुजरना पड़ता है। पूरा रास्ता कच्चे मार्ग से होकर गुजरता है लोगों को अंतिम संस्कार में मुसीबत का सामना करना पड़ता है परंतु इस और किसी का ध्यान नहीं जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि हमारे गांव के विकास कार्यों का उच्च अधिकारी जायजा लेकर इसे जल्द पूरा करें।

किसान के साथ ट्रैक्टर पर बैठे कलेक्टर, देखी सुपर सीडर से बोनी की प्रक्रिया

निरीक्षण कर पराली प्रबंधन के प्रति किसानों को किया जागरूक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पराली प्रबंधन के प्रति किसानों को जागरूक करने और फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन की व्यवस्था का जायजा लेने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा गुरुवार को पनागर विकासखंड के ग्राम उमरिया चौबे और ग्राम नुनिया कला पहुंचे। उन्होंने खेतों का भ्रमण कर फसल कटाई के बाद बचने वाले अवशेषों के प्रबंधन के कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बेलर यूनिट के माध्यम से खेतों में बचे फसल अवशेषों के संग्रहण तथा हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर के माध्यम से बिना पराली जलाए बोनी किए जाने की प्रक्रिया का जायजा लिया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने खेत में स्वयं ट्रैक्टर पर बैठकर बेलर यूनिट से पराली संग्रहण के कार्य को करीब से देखा तथा सुपर सीडर के माध्यम से बोनी की प्रक्रिया का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आधुनिक कृषि यंत्रों के संचालन और फसल



अवशेषों के प्रबंधन के तरीकों की जानकारी प्राप्त की।

किसानों ने साझा की अपनी समस्याएं-इस दौरान कलेक्टर ने किसानों से चर्चा कर पराली प्रबंधन के लिए अपनाई जा रही तकनीकों और उनके अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को समझाइश दी कि पराली जलाने से खेत की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से बिना पराली जलाए अगली फसल की बोनी की जा सकती है। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मौके पर मौजूद बेलर यूनिट एवं कृषि यंत्र संचालकों से भी चर्चा की। किसानों ने कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की समय पर उपलब्धता तथा खेतों में नमी की स्थिति के अनुसार बोनी करने में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों से उन्हें अवगत कराया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को कृषक संगठनों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं पर चर्चा करने और उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करने के निर्देश दिए।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**